# HRA AN USIUS Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 6, 1982 (माघ 17, 1903)

No. 6]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 6, 1982 (MAGHA 17, 1903)

इस भाग में भिन्न पूट्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be died as a separate complication)

## भाग ПП--खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

ं नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1981

सं. पी. / 1102-प्रशा. ।। — संघ लोक सेवा आयोग े के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) े श्री बी. डी. शर्मा 7-1-1982 को स्वर्गवासी हो गए।

> पी. एसं. राणा अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

मर्इ दिल्ली-110011, विनांक 31 दिसम्बर 1981

सं. ए. 19014/8/78-प्रशा. ।—-आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति की अविधि समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप भा. र. ले. से. के अधिकारी श्री डी. लहरी की सेवाएं 31-12-1981 (अपराहन) से सहानियंत्रक, रक्षा लेखा, नर्हि फिल्ली को सींपी जाती हैं।

श्री लहरी महानियंत्रक, रक्षा लेखा के पत्र सं. ए. एत. (1) 1793/5/भाग 1 दिनोंक 28-12-1981 की शर्ती के अनुसार महानियंत्रक, रक्षा लेखा, नई दिल्ली को रिपोर्ट करों।

यः राः गंधी अवरःसमिय (प्रशाः) संघ लोकं सेवा आयोग केन्द्रीय सतर्कता आयरेग

नक्ष विल्ली, विनांक 14 जनवरी 1982

सं. 2 के. आर. सी. टी. 15—क्लेग्रीय सतर्काता आयुक्त एतद् द्वारा श्रीमती माला श्रीवास्तवा, आर्ह. ए. एस. (मध्य प्रदेश: 1971) को केन्द्रीय सतर्काता आयोग में दिनीक 17 नवम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदोश तक स्थाना-पन्न रूप से विभागीय जोच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्हाेशा अवर सचिव **कृते** कोन्द्रीय सतर्काता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का. एवं. प्. स्. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनगरी 1982

सं. ए.-19029/3/80-प्र.-5—निदंशक, केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाव से दिनांक 30-12-1981 के पूर्वाह्त से श्री एम. एल. गर्ग को कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (लेखा), केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए.-20023/1/82-प्रधा -5—निव शक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्था-पना, एतव्द्यारा, श्री शिष कान्स समी की विनाक 21-12-81 के प्रतिहन से लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

# रई विल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

सं. ए.-19036/6/80-प्रशा.-5---कर्नाटक पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रितिनयुक्त श्री एम. एल. नरसिंह-मूर्ति, पुलिस उपाधीक्षक की सेनाएं दिनांक 31-12-1981 के अपराहन से कर्नाटक सरकार को नाएस सींप दी गई।

# नई दिल्ली, दिनांक 19 अनवरी 1982

सं. ए.-19036/1/82-प्रशा -5—निव शक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्यारा, श्री आर. आर. के. खवन, पुलिस निरीक्षक, कर्नाटक राज्य पुलिस को विनाक 31-12-1981 के अपराह्न से अगले आवोध तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करते हैं।

हीरो ए. शहानी प्रशासनिक अधिकारी (लेखा) कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई विल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1982

- सं 11/44/80-प्रशा -1--राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 23 सितम्बर, 1980 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में, करेल सिविल सेवा के अधिकारी श्री के के मृहम्मव को करेल, त्रिबेन्द्रम में जनगणना कार्य निद्शेषक के कार्यालय में तारीख 1 जुलाई, 1981 से 30 जून, 1982 तक एक वर्ष की और अविध के लिए उप निद्शेषक जनगणना कार्य के पद पर पुनः नियुक्ति के आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
  - 2. उनका मुस्थालय कालीकट में होगा।
- 3. जनकी सेवाएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर तारीख 30-6-82 से पहले किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रव्य की जा सकती हैं।

पी. पव्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-स्हालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई विल्ली-110002, दिनांक 19 जनवरी 1982

सं. 2/वा. ले. प. 1/47-74—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदीन निद्देशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा बसव भवन, मिल्लर रोड, बंगलौर के कार्यालय में कार्यरत श्री टी. के. कन्द्रीया, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा.) अपनी अधिशार्षिता आयू प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृतत हो गये हैं।

एम. ए. सोमध्वर राव उप निदंशक (वा.) कार्यालयः निवोधक लेखापरीका, केन्द्रीय राजस्य

नई विल्ली-2, विनास 13 जनवरी 1982

सं. प्रशा. । का. आ. 406—श्रीमान निद्याल लेखा-परीक्षा (केन्द्रीय राजस्य) इस कार्यालय के श्री हर दयाल स्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानापल लेखा परीक्षा अधिकारी के बेतन कम 840-1200 रा. में 13-1-82 के पूर्वाहन से अगले आदोश आने तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 20 जनवरी 1982

सं. प्रशासन-। /कार्यालय आदेश संख्या 412—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री महाराज कृष्ण महरा का निधन 11 जनवरी 1982 को हो गया।

> विष्णू सहाय मंयुक्त निद्शांक लेखापरीक्षा (प्रशास्त)

कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 16 जनवरी 1982

सं. प्रशा. ग्यारह/ग्रुप-1/एस. कु. मू./ले. अ./202/677—सिविल सेवा नियमावली (पेंशन) 1972 के नियम 48-ए के अन्तर्गत महालेखाकार (प्रथम) ने श्री एस. कृष्णमूर्ति, लेखा अधिकारी को चिनांक 23-2-82 (अपराह्न) से शासकीय सेवा से स्वेच्छिक निवृत्ति होने की अनुमति प्रदान की है।

बी. डी. अग्रवाल उप-महालेखाकार/प्रशासन-।।

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बर्श, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. प्रशासन-1/सामान्य/31 - खण्ड - ।।।/सी - 1(1)/ 9—महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्निलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मृखः जिदिष्ट किये गर्ये दिनीक से आगामी आदेश तक स्थानापन्त रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कमांक, नाम और विनांक

- श्री के. व्ही. म्हसवडे—19-12-81 (अपराह्न)
- श्री यु. बी. आचार्य—19-12-81 (अपराह्न)

ह. अपठनीय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. स्थापना/प्र./7/9-86/खण्ड 2/299—इस कार्यालयः के नीचे बताये स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखापरीक्षा और लेखा) की प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगल आदीशों तक मेंना अधिकारियों के पद में स्थानापन्न होने वं

लिए नियुक्त करने को महालेखाकार, करेल, संतृष्ट हुए हैं :--

- 1. के. आर. भास्करण नायर (प्रोफार्म)--1-1-82
- 2 एम आर. अप्पृकुट्टन नाथर (प्रोफार्म)--1-1-82
- 3 . टी. जे . जोर्ज--2-1-82
- 4 एम. जे. चन्द्रशेखर पणिक्कर (प्रोफार्म) 2-1-82
- 5 एम सी उलहन्नान--1-1-82
- 6. टी. के. रामभद्रन नायर--1-1-82

डी. शिवरामकृष्णन वरिष्ठ उप म्हालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निव शक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवाए

नर्इ विल्ली-110001, दिनांक 18 जनवरी 1982

सं. 5305/ए -प्रशासन/130/79-81—-वार्धक्य निवृत्ति आयुं प्राप्त करने पर श्री अवतार सिंह लेखापरीक्षा अधिकारी, दिनोक 31-12-1981 (अपराह्न) लेखापरीक्षा, सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुप्।

> राधेषयाम गुप्त संयुक्त निद्यान

#### रक्षा मंत्रालय

डी. जी. ओ. एफ. मुख्यालय, सिविक सेटा, आर्डनैन्स फ<sup>ैक्ट</sup>री बोर्ड

कालकात्ता-700069, विनांक 7 जनवरी 1982

सं. 1/82/ए/ई-1--दार्धक्य रिवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्रीमती स्मृतिकण सेनगुप्ता, मौलिक एवं स्थायी सहायक, स्थाना-पन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनाक 31-12-1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुई।

> डी. पी. चक्रवर्ती ए.डी.जी.ओ.एफ/प्रशासन कृते महानिदशेक, आर्डनैन्स फौक्टरियां

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय न**र्ह वि**ल्ली, विनांक 8 अनवरी 1982

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

## (संस्थापन)

मं. 1/21/81-प्रशासन (जी)/4399—-राष्ट्रपति, भारतीय सांस्थिकी सेवा श्रेणी 2 के अधिकारी, श्री पी. के. साहा को, जो पहले महान्विशालय वाणिज्यिक आसूचना और सांस्थिकी कलकत्ता में उप महानिद्धाक, वाणिज्यक आसूचना और सांस्थिकी थे, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नर्ष दिल्ली में सांस्थिकी निद्धाक (भारतीय सांस्थिकी सेवा श्रेणी-2) के पद पर 24 विसम्बर, 1981 (दोपहर पूर्व) से नियुक्त करते हु<sup>5</sup>।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

#### उद्योग मंत्रालय

अदियोगिक विकास विभाग कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उच्योग)

नक् विल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1982

- सं. ए. 12018/1/79-प्रशासन (जी.)—-राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए, लघु उद्योग संगठन (वर्ग 1 और वर्ग 2) राजपित (पद) भती नियम, 1962 का और संशोधन के लिए निम्निलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :---
- 1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग संगठन (वर्ग 1 और वर्ग 2) राजपत्रित (पद) भती (संशोधन) नियम, 1982 है।
  - (2) ये राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 लक्षु उद्योग संगठन (वर्ग 1 और वर्ग 2) राजपत्रित (पद) भती नियम, 1962 में नियात प्रोन्नित प्रभाग से संबंधित नवीं अनुसूची में निद्याल (श्रेणी 1) के पद से संबंधित मद 1 और उसकी प्रविष्टियों के प्रचात और उपनिद्याल के पद से संबंधित मद 2 और उसकी प्रविष्टियों के पूर्व दिस्न-लिखित मद और उसकी प्रविष्टियों अंत: स्थापित की जाएंगी, अर्थात: ---

# भनुसूची-9 नियति प्रोन्नति प्रभाग

पद्यका नाम	पदों की वर्गीकरण संख्या		वर्गीकरण	वेतनमान	घयन पद श्रयवा श्रचयन पद	सीघे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये प्रायु-सीमा	सेवा में जोड़े गये वर्षी का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के मधीन धनुजेय हैं या नहीं	
	1	2	3	4	5	6	6 <b>4</b> 6	
	) गणी 2		सधारण केन्द्रीय तथा समृह 'क'	1300-50-1700	चमन	45 वर्ष से ग्रधिक नहीं (सरकारी सेवकों)		

-	1							
भारत	का राजपत्न,	फरवरी	6,	1982	(माघ	17,	1903)	

1	2	3	4	5	6	6年
		राजपत्नित ग्रलिपिक		के लि	ये शिथिल की	
		वर्गीय		जा सक	ति है)	
				टिप्पण-	-म्रायु सीमा	
					रंत करने के लिये	
				निर्णायक	न्तारीख, प्रत्येक	
				मामले :	में भारत में	
				रहने व	ाले ग्राभ्यांथयों	
				-	ासे भिन्न जो	
				,	न श्रौर निकोबार	
				द्वीप त	था लक्षद्वीप में	
				रहते हैं	) श्रावेदन प्राप्त	
					, लिये नियस की े	
					सम तारीख होगी	

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शक्षिक भीर भ्रन्य भ्रहेतायें सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये विहित ग्रायु भौर शक्षिक ग्रहेतायें प्रोन्नति की दशा में लागू होगा या नहीं

परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो

7

8

9

म्निवार्य-(i) किसी भान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्था से कारबार प्रशासन या विदेण व्यापार निर्यात प्रोन्नति भे विशेषज्ञता सहित भ्रर्थे गास्त्र या वाणिज्य में मास्टर की उपाधि या कारबार प्रशासन में मास्टर की उपाधि या समतुल्य ।

लागू नहीं होता

दोवष

- (ii) किसी सरकारी या ग्रर्द्ध सरकारी संगठन या ज्याति प्राप्त प्राइवेट समुख्यान में निर्यात व्यापार या त्रिपणन या ग्रन्तरिष्ट्रीय ग्रर्थ व्यवस्था या विदेश व्यापार के क्षेत्र में उत्तरदायी पद पर कम से कम साल वर्ष का श्रनुभव।
- टिप्पणी 1--प्रार्हतायें, श्रन्यथा सुग्रहित श्रभ्यथियों की दशा में संघ लोक सेवा भ्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पणी 2—प्रनुभव सम्बन्धी ग्रहेंता (ग्रहेंतायें) संघ लोक सेवा श्रायोग के विवेकानुसार श्रनुसूचित जातियों अथवा श्रनुसूचित जनजातियों के श्रभ्यण्यों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती है (हैं), जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा श्रायोग का यह राय हो कि इनके लिये श्रारक्षित रिक्त स्थानों की भरने के लिये श्रपेक्षित श्रनुभव रखने वाले इन समुदायों के श्रभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

वांछनीय :---(i) विदेश व्यापार में संस्थागत प्रशिक्षण

(ii) थोड़ा प्रशासनिक भ्रमुभव।

भर्ती की पढ़ित/भर्ती सीधें होंगी या प्रोक्षति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा या विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता प्रोक्तत/बितिनियोक्त/स्थाना-न्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रति-नियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा ग्रायोग से परामर्श किया जाएमा

10

11

12

13

प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने सकने पर सोधी भर्ती द्वारा प्रोन्नित —ऐसे उपनिदेशक (निर्यात प्रोन्नित), जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है। (पुष्टि पर विचार करने के लिए) समूह 'क' वि० प्रो० स०

विकास श्रायुक्त (लघुक्कि) प्रध्यक्ष उद्योग सलाहकार श्रधंसत्तककार—सदस्य संयुक्त विकास श्रायुक्त निर्देशक (श्रेणी I) (प्रशासन)—सदस्य

ग्र० जा०/ग्र० ज० जा० का समुचित हैसियत का एक ग्रधिकारी सदस्य चयन प्रत्यक ग्रवसर पर संघ लोक सेवा ग्रायोग के परामर्श से किया जाएगा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को शिथिल करते समय संघ लोक सेवा ग्रायोग से भी परामर्श किया।

टिप्पण--पुब्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नित सिमिति की कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग अनुसोदरार्थ भेजी जीएगी किन्तु, यदि संघ लोक सेवा आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नित सिमिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

टिप्पण--ग्रनुसूची को लघु उद्योग संगठन विर्ग 1 श्रीर वर्ग 2 (राजपितत) पद] भर्ती नियम, 1962 में ग्रधिसूचना सं० सा० का० नि० 1150 तारीख 3-7-1972 द्वारा जोड़ा गया।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महा	निदेशालय	1 2	3	
(प्रशासन स्रनभाग	-6)	सर्वश्री		
नई दिल्ली, दिनांक 7 जन	वरी 1982	4. के० के० बजाज	1-11-1974	
सं० प्र० 6/57/8/भाग-दसम		5. बी० के० दत्ता	1-11-1974 1-11-1974 1-11-1974 1-11-1974	
निपटान एतद्द्वारा निम्नलिखित अधि	* *1	6. एन० के० पाल		
नाम के सामने लिखी तारीख से सहाय		7. ए० एस० कृष्णामूर्ति		
(धात्) के पद पर स्थायी रूप से नि		8. श्रार० समपत		
		9. एस० पी० बासू	1-2-1977	
क्रम ग्रधिकारी का नाम	स्थायी होने	10. ग्रार० के० कोचर	23-5-1977	
सं०	की तारीख	11. ए० सरकार	29-7-1977	
1 2	3	12. ई० राजागोपाल	12-8-1977	
सर्वेश्री		13. पी० नाथ	1-10-1977	
		14. प्रहलाद सिंह	31-1-1978	
<ol> <li>एस० के० राय चौधुरी</li> </ol>	1-11-1974	15. के०पी० राजागोपालन	1-2-1980	
2. के० के० सेनगुप्त	1-11-1974	16. ग्रार० जी० सुमरा	1-2-1980	
3. के० वेंकटरामन	1-11-1974	17. शिव प्रसाद	13-5-1981	

1	2	3
7	ावं <b>श्री</b>	- An extension on the Company of Annal Anna
18.	ी० के० डे०	13-5-1981
19. T	ए० के० मित्रा	13-5-1981.
20. 0	<b>,स०</b> के० श्रीवास्तव	13-5-1981
21. 🔻	गंगत सिंह	13-5-1981
22. 5	गै० सी० मुखर्जी	13-5-1981

#### दिनांक 15 जनवरी 1982

- सं 56/247(215)—स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी और निरीक्षण दिवेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इ.जी) (भारतीय निरीक्षण सेवा इंजीनियरी शाखा ग्रुप ए के ग्रेड ।।।) श्री के. एस. ताम्बर को दिनांक 28-12-1981 के पूर्वाहन से एफ आर 56(जे)(1) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिया गया है।
- सं. प्र6/247 (435)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निरोक्षण अधिकारी (इंजी) श्री डी. एस. चौधरी को दिनांक 24-12-1981 के पूर्वोहन से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्जिय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रूप ए के ग्रेड मा) के रूप में जदर्भ आधार पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री चौधरी ने दिनांक 17-12-1981 को सहायक निरी-क्षण बिधकारी का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 24-12-1981 (पूर्वाहन) से निरीक्षण अधिकारी का पदभार सम्भाल लिया।

एम . जी . मैनन उप निदंशक (प्रशासन)

#### (प्रशासन अनुभाग-1)

# नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

- मं. प्र1/1(983)—-राष्ट्रपति, पूर्ति निदशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में सहायक निदशक (ग्रेड 1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड ।।।) श्री जी. वी. राजन को दिनांक 26-12-1981 (पूर्वाहन) से उसी कार्यालय में उप निदशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड ।।) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।
- 2. उप निदंशक के रूप में नियमित आधार एर पदोन्नत होने पर श्री जी. वी. राजन को दिनाक 26-12-81 (पूर्वाहन) से दो दर्घ के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाता है।

एस . एल . कपूर उप निदंशक (प्रशासन)

#### इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लौह एवं इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. प्रका. पी. एफ. (222)/53—वार्धक्य की अदस्था प्राप्त करने के फलस्वरूप श्री सरोज रंजन सेन गुप्त, सहायक लोह एवं इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर, 1981 के अपराहन से अपने पद से कार्य मुक्त हुए।

सं. ई. । -13(97)/72/—वार्धक्य की अवस्था प्राप्त करने के फलस्वरूप श्री अतीन्द्र कुमार नंदी, सहायक लौह एवं इस्पात - निमंत्रक 31 दिसम्बर, 1981 के अपराहन से अपने पद से कार्य मुक्त हुए।

> एस . एन . विश्वास संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

## (खान विभाग)

## भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं 284बी/ए-19012 (2-एस के एस)/81-19बी — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री सुरोश कुमार सिंह को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण में वेतन नियमानसार 650-30-740-35-810-द रो - 35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में , स्थानापन्न क्षमता में , आगामी आदोश होने तक 22-8-81 (पूर्वाहन) से पदोन्नित पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामीनाथ महानिद<sup>े</sup>शक

## आकाशवाणी महानिद शालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. 7(146)/58-एस-1—िनर्वतन की आयु प्राप्त करने पर श्री के. देवराजन, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी, त्रिदेन्द्रम, 30 नवस्बर, 1981 की अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदशक कृते महानिदशक

#### (सिविल रिर्माण स्कन्ध)

# नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. ए-12011/2/80-सी. डब्ल्यू. एक---आकाशवाणी महानिदशालय, नई दिल्ली की अधिसूचना संख्या ए-12011/2/80-सी. डब्ल्यू. 1, दिनाक 3/16-10-1980 में आंशिक संशोधन करते हुए, श्री एस. एन. भट्टाचार्य को 20-8-80 से सिविल निर्माण सकन्ध विद्युत व. सब.-डिविजन बम्बई स्कन्ध में रज. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक इंजीनियर (विद्युत) नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति पहले से किए गए पदोन्नित के आदेश संख्या v-32014/1/80-सी डब्ल्यू 1 दिनांक 25-7-80 में दी गई शतों के द्वारा नियमित होगी।

ए. ई. के. मुद्दलियर अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरो अधिकारी **कृते** महानिदशेक

# विज्ञापन और दश्य प्रचार निवंशालय

## स्चना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. ए-12026/9/81-स्था. — विज्ञापन और दश्य प्रचार निद्देशक श्री एक पी. केशवानी, स्थायी सहायक को 1 जनवरी, 1982 से अगले आदेश तक, सुपरवाइजर के पद पर प्रतिनियुक्ति (डिप्टेशन) नियमों के अनुसार नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी उप निदोशक (प्रशासन) **कते** विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदोशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिद शाल्य

# नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

सं. ए-32014/4/77/एन आई सी डी-प्रशासन-।—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर श्री एम. एल. वाधवा प्रशासिनक अधिकारी, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली सरकारी सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सं. ए-12025/25/80 (एन. एम. ई. पी.) प्रशासन-। —-राष्ट्रपति ने श्री कैलाश रस्तोगी को 29 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी तौर से राष्ट्रीय मले-रिया उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (एनटोमोलोजी) के पद पर नियक्त कर दिया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत सहायक निदेन् शक (एन्टोमोलोजी) के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री कैलाश रस्तोगी ने 28-10-1981 के अपराह्न से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम से एन्टोमोलोजिस्ट के पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

> टी. सी. जैन उप निदेशक प्रशासन (सं. व. प.)

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. पीए/73 (13)/81 आर-4—निदश्तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा. प्रमोद जगदीशचन्द्र शर्मा को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में दिसम्बर 1, 1981 (पूर्वाह्न) से जनवरी 15, 1982 (अपरा-हन) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 6 जनवरी 1982

सं. पीए/79(4)/80 आर-।।।—-नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री श्रीनिवास रामचन्द्र पिंगे, सलैक्शन ग्रेड लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 16-11-1981 पूर्वी-हन से 24-12-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. शन्ताकुमार मेनोन उपस्थापना अधिकारी

# (परमाण उन्जी विभाग)

# नरौरा परमाण विख्त परियोजना

नरौरा, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. न. प. वि. प./प्रशा/1(202)/82-एस/900-त्यागपत्र पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त श्री के. सी. टी. आसरे, वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी. नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, ने ग्रेड एस. बी. के पद का कार्यभार दिनांक 26-12-81 के अपराहन में छोड़े स्था।

> आर. के. बाली प्रशासन अधिकारी

# ऋय और भण्डार निद्यालय बम्बर्ड-400001, दिनांक 14 जनवरी 1982

सं. क भ नि/21/1(2)/78-स्थापना/1031—परमाणु उर्जा विभाग कय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कय सहायक श्री अश्वीनि कुमार मधुसुदन परोलकर को रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतन कम में तारीख 12 जनवरी, 1982 से अन्य आदेशों तक इसी निदेशालय मे तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

# बम्बई-400001, दिनांक 13 जनवरी 1982

सं. डी पी एस/23/1/81-स्था-940—इस कार्यालय के तारीख 25-6-1981 की अधिसूचना सं. क भ नि/23/1/81/स्थापना/12583 के आगे परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने श्री के. पी. वार्डिया, सहायक लेखा अधिकारी की छुट्टी मन्जूर हो जाने पर सहायक लेखाकार श्री दर्शन सिंह को स्थानापन्न रूप से आगे 4-7-1981 (अप) तक के लिये सहायक लेखा अधिकारी (तदर्थ) नियुक्त किया है।

बी. जी. कुलकणीं सहायक कार्मिक अधिकारी

## (परमाण् खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. प ख प्र-1/1/81-भर्ती—विनांक 26-12-1981 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुये, परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खिनज प्रभाग के निदश्क एतद्द्वारा श्री एस. वी. सत्यनारायण को परमाणु खिनज प्रभाग में 22 दिस्म्बर, 1981 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-1/1/81-भर्ती — परमाणु कार्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा श्री विराग शरण को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 दिसम्बर, 1981 के अपराहन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेंड ''एस बी'' नियुक्त करते हैं। सं. प ए प्र-1/35/80-भती - परमाणु कार्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा श्री वार्ह. लक्षमी नारायण को परमाणु खनिज प्रभाग में 31 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-16/3/82-भती — परमाणु कार्का विशाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निव शक एतद्वार परमाणु खनिज प्रभाग की स्थायी सहायक, श्रीमती कमला सहगल को श्री पी. के. विश्वयुक्तन, सहायक कार्मिक अधिकारी की प्रकासिनक निध-पूरी के पद पर पद्मेन्नित हो जाने पर, 13 नवस्बर्द, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर 31 दिसम्बर, 1981 तक 49 ध्रदन के लिए उसी प्रभाग के तर्क्ष हुए से स्थानायन्न सहायक्त कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प क प्र-1/35/80-भर्ती — परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा श्री एस. टी. शीषदरी-नाथ को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 जनवरी, 1982 के अपराहन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प ए प्र-16/3/82-भर्ती—परमाण- ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निर्देशक श्री पी. के. विजयकृष्टन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी की परमाणु खनिज प्रभाग में स्वर्गीय श्री एस. के. मलहात्रा के स्थान पर 13 नवम्बर, 1981 के पूर्वाहन से लेकर 31-12-81 तक 49 दिन के लिए तदर्थ रूप से स्थानाण्टन प्रशासनिक अधिकारी-।। नियुक्त करते हैं।

म . सु . राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

#### अंतरिक्ष विभाग

#### सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. 10/3 (25)/80-सि. इं. प्र. (मुख्या)—अंतरिक्ष विभाग में सिवित इंजीनियरी प्रभाग, बंगलौर के मुख्य अभि- यन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिवित इंजीनियरी प्रभाग, बंगलौर में श्री बी. ए. सत्यनारायण को इंजीनियर एस. बी. के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक जनवरी 1, 1981 से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एच. एस. रामदास प्रशासन अधिकारी-। कृते मुख्य अभियन्ता

# पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत संसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 जनवरी 1981

सं. ए. 12040/1/81-स्था. । ---राष्ट्रपति, श्री एस. एस. सिंह को भारत मौसम विज्ञान विभाग में दिनांक 30 सित-

म्बर, 1981 (पूर्काह्न) ही आगामी आदेशों तक, मौसम विज्ञानी श्रोणी-2 के पद पर अस्थायी रूप से निग्कत करते हैं।

> एस. के. दास मौसम विज्ञान के अपर महान्दिशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 जनवरी 1982

सं० ए० 32014/4/82-स्था०-I—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर इसी विभाग में उनके नामों के आपने दर्शाये गए दिनांक से अपने प्रादेशों तक स्थानापन्न के रूप में नियुक्त करते हैं:—

<b>कर्म</b> नाम सं०	नियुक्ति की तिथि
<ol> <li>श्री एस० बी० घोष</li> <li>श्री बी० बी० मण्डल</li> <li>श्री गोबिन्द राम</li> </ol>	11-12-1981 11-12-1981 11-12-1981

के० मुखर्जी

मौसम विज्ञानी स्थापना

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदंशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1982

सं० ए० 32013/3/80-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 3 ग्रप्रैल, 1981 की ग्रिधसूचना सं० ए० 32013/3/80-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो ग्रिधिकारिकों की संचार ग्रिधकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की ग्रविध दिनांक 1-4-81 से ग्रागे 31-12-81 तक जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

क्रम नाम सं०	वर्तमान तैनाती स्टेशन
<ol> <li>श्री एस॰ ग्रार० सेठी</li> <li>श्री वी० एल० ग्रय्यर</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास

हरबंस लाल कोहजी निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. ए. 32014/3/81-ई. एस.—म्हानिद्शेक नागर विमानन ने श्री जे. एस. संगवान, अधीक्षक को दिनांक 14 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से 31 दिन की अविधि के लिए क्षेत्रीय निद्शेक, दिल्ली क्षेत्र के कार्यालय में श्री एस. एच. लाला, प्रशासनिक अधिकारी की अवकाश रिक्ति के स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी (समूह ''ख'') के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

#### दिनांक 7 जनवरी 1982

सं० ए० 32013/5/81-६० सी०--राब्ट्रपित ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक मंचार अधिकारियों को प्रस्थेक के नाम के सामने दी गई तारीख में छः मास की अविध के लिये संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है भीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात किया है:--

ऋम नाम सं०				वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कायभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री						
1. एन० जे० जोब .				मद्रास	मद्रास	1-12-81 (पूर्वाह्म)
2. जी० कन्नयान .	•			<b>मद्रा</b> स	मद्रास	1-12-81 ,,
3. एस० के० न्योगी .	•	•	•	क्षे० निषेणक का कार्यालय, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	30-11-81 ,,
<ol> <li>वी० धार० श्रीनिवासन</li> </ol>				<b>इन्दौ</b> र	<b>अम्बर्द</b>	10-12-81 ,,
5 पी० के० सेन .				पानागढ	कलकत्ता	10-12-81 ,,
6. के <b>ं डी</b> ० तुस्री .				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	क्षे० नि० का कार्यालय, दिल्ली	30-11-81 ",
7. एस० एस० चौधरी				वै० सं० स्टेशन दिल्ली	क्षे० नि० का कार्यालय, दिल्ली	17-12-81 "
8 वी० वी० हरनल			Ē	सी०ए०टी० सी०	सी० ए० टा० सी०	2-12-81 ,,
				इलाहाबाद	इलाहाबाद	•
9. के० सी० विश्वास				कलकत्ता	कल <del>कत्ता</del>	30-11-81 ,,
≀0.पी०के०दत्ता .				जमशेदपुर	कलकत्ता	8-12-81 ,,
ा. जे० भट्टाचार्जी .		-		कलकत्ता	कलंकिता	30-11-81 "
12. बी० बी० दत्ता 🔧 .	٠	-		कलकत्ता -	कलकत्ता	30-11-81
13. एस० के० सेन .				कलकत्ता	कलक्सा	30-11-81 ,,
। 4. के०सी० सेनगुप्ता	-			कलकत्ता	कतकता	30-11-81 ,,
। इ. एच० देव .		,	•	<b>ग्रगरत</b> ला	श्रगरतला	2-12-81 ,,

प्रेम चन्द सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. ए. 32013/4/79-ई. एस. — राष्ट्रपति ने श्री एस. एस. नट, विमान निरीक्षक को विनांक 26-12-1981 (अपराह्न) से छः मास की अविध के लिए अथवा इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, विरिष्ठ विमान निरीक्षक के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निद्योक प्रशासन

निरीक्षण एवं लेखा धरीक्षा निदंशालय मीमा शुल्क त केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1982

सं. 19/81—श्री एम. राम मोहन राव ने, जो पहले सांस्थिकी एवं आरसूचना निदोशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पा-दन गुल्क, नई दिल्ली में वरिष्ठ विदलेशक के पद पर तैनात थे, 2—446 GI/81 निदोशालय के विनांक 8/10 दिसम्बर 1981 के पत्र सी. सं. 1041/2/81 व्वारा दिनांक 15-12-1981 (पूर्वाहन) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय के नयी विल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप ''ल'' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 12 अनवरी 1982

सं. 17/81—श्रीमती इंद्राणी दत्त मज्मदार ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुन्क समाहर्तालय दिल्ली में सहायक समाहर्ता के एद पर कार्यरत थीं, राजस्व विभाग के दिनांक 28-11-81 के आदोश मं. 209/81 (फा. सं. ए. 22012/106/81-प्रशा. 11) के अनुसार स्थानंतरण होने पर दिनांक 30-11-81 (अपराह्न्न) को निरक्षिण एवं लेखा परीक्षा निदोशालय, सीमा शुन्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुन्क, नयी दिल्ली में सहायक निदोशक के पद का कार्यभार संभान लिया।

मं. 18/81--श्री एच. ओ. तिवारी ने, जो पहले प्रकाशन निदोशालय, नयी दिल्ली में सहायक समाहर्ता निरीक्षण अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, राजम्ब विभाग के विनाक 28-11-81 के आदेश में. 209/81 (फा. सं. 22012/106/81 प्रशा. (II) के अनुसार स्थानान्तरण होने पर दिनांक 3-2-81 (अपराहन) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निर्वेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में सहायक निरोधक के प्रस का कार्यभार संभाल लिया।

एसः बीः सरकार निरक्षिण निद्यासक

#### उज्जी मंत्रालय

#### कांग्ला विभाग

कायला लान श्रीमक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक 12 जनवरी 1982

सं. एच. बी. 18 (4) 73--निर्माण और आवास मंत्रालय, नई दिल्ली के तत्कालीन अवर सचिव श्री एल. एम. स्ख्यानी, जो दिनांक 31-7-1978 को सरकारी रावा से उप-सचिव के पद से निवृत्त हो गए, को जिस उव्देश्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए इस कार्यालय के सम संख्यक पत्र दिनांक 20-8-76 तथा 10-11-76 में कोयला खान श्रीमक आवास बोर्ड के सहयोजित सबस्य मनोनीत किया गया था, वे उक्त पद से मुक्त हो जाने के कारण उस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में नहीं रहे।

अतः मैं कायेला सान श्रमिक आवास बोर्ड के अध्यक्ष की हैंसियत सं, कायेला सान श्रमिक कल्याण निधि नियम 1949 के नियम 12 के उपन्यम (हाँ.), नियम 5 के उपनियम (7) के साथ पढ़ते हुए, के अनुसार घोष्ट्रित करता हूं कि उक्त श्री एलं. एम. सुस्वानी जिस बिन से सदस्य नहीं रहे, उपर्युक्त कोयेला सान श्रमिक कल्याण आवास बोर्ड से उनकी सबस्यता भी समाप्त समभी जाएगी।

वामोदर पण्डा

अध्यक्ष

जिल्ला कोंग्यला स्नान श्रीमक आवास बोर्ड एवं आयुक्ता, कोंग्यला सार कल्याण संस्था, धनबाद ।

#### केन्द्रीय जल आयोग

नर्ह दिल्ली-66, दिनांक II जनवरी 1982

सं. ए.-19012/983/81-स्था. पांच---अध्यक्ष, केन्द्रीय अल आयोग श्री आर. एस. वर्मा, पर्यवेक्षक को रा. 650-30-740-35-810 द. रो.-35-880-40-1000- व. रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवंशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रंड में 9 दिसम्बर, 1981 की पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि अध्या पद की नियमित आधार पर भरो जाने तक, ओ भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियक्त करते हैं।

#### दिनांक 18 जनवरी 1982

सं. ए-19012/916/81-स्था. पांश्व--विभागीय पदा-न्नीत समिति (वर्ष ल) की सिफारिकों पर अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री बी. पी सिंह पर्यथेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-द. रो -35-880-40-1000 द. रो -40-1200 के बेतन मान मो अतिरिक्त सहायक निव शक/अतिरिक्त हं जी-नियर के ग्रेड मो 7 दिसम्बर 1981 के पूर्वाहन से नियमित आधार एक स्थानापन्न रूप मी नियक्त करते ही।

श्री जी. पी. सिंह अितिरिक्त सहायक निद्देशक/सहायक इंजीनियर के यद पर उपर्युक्त तिथि से दो दर्प की अविधि के लिए परिवीक्षा पर रहाँगे।

> ए. भट्टाचार्य . अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

# निर्माण महानिव शालय कोन्द्रीय लाक निर्माण विभाग

नर्ड दिल्ली, विनांक 11 जनवरी 1982

सं. 30/6/79-ई. सी.-9---राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के एक नामित श्री सोम प्रकाश की नियुक्ति वास्तुविद के अस्थायी एद पर के. लो. नि. वि. में रुपये 1100/- प्रति- माह बेतन पर रुपये 1100-50-1600 के वेतनमान में (सामान्य भटतों सहित) दिनोक 14-12-81 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवं इतों पर करते हैं। उनका वेतन शीध ही निगमानुसार पुनर्निशत किया जाएगा।

2. श्री सोम प्रकाश को दिनांक 14-12-81 (पूर्वाह्न) से 2 वर्ष की अविध के लिए परिवीक्षा पर रखा गया है।

(श्रीमती) नीना गर्ग प्रशासन उपनिद्देशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यालय, मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी िधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अभिनियम 1956 कोरामण्डल एकवाटिक प्रा**इवेट** लिमिटोड के विषय मों।

## हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं. 911/टी. ए. आई. (560)—-कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्रव्यारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारील से तीन माह के अवसान पर कोरामण्डल एकवाटिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि. एस. राजू कम्पनियों का राजस्ट्रार अन्ध्रियका, होदराबाद

क्रम्पनी अधिरियम 1956 श्री नवयुगा फिल्मस प्रा**इविट** लिमि-टांड के विषय में।

## हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

यं. 1157 टी. ए. आई. / (560) — कम्पनी अधिनियम की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण भें एतब्द्वारा एउ सूचना की जाली है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर की जवयुग फिल्म्स प्राइवेट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत

कूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया आएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

> वि . एस . राजू कम्पनियां का रिअस्ट्रार . अन्धू प्रदोष , होदराबाद।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फुड ग्रेनस एमपोरियम प्राइवेट लिमिटोड के विषय मे

कलकरता, दिनांक 11 जनवरी 1982

सं 11316/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्व्यारा सूचना दी जाती है कि फुड ग्रेनस एमपोरियम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ओरिएण्टल इंक्योरॉस कारपोरोजन लिमिटोड के विषय में

कलकत्ता, विनांक 11 अनवरी 1982

सं. 6998/560 (5)—कम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतध्व्यारा सूजना दी जाती है कि ओरिएण्टल इंद्योरोस कारपारोबन लिम्टिंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्स जनरल मारकेनटाई ल एजेन्सी लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

सं. 23071/560 (5)——कम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्व्व्यारा सूचना धी जाती है कि हिन्द जेनरल मारकेनटाई ल एजेन्सी लिफ्टिंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उयत कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और संकरशन एस्टरशाइजेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

काल्कत्ता, विर्माक 11 जनवरी 1982

मं. 30668/560 (5)—क स्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्व्य्वारा सूचना दी जाती है कि संकरशन एनटरशहजेस (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्ट्र में काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रयानटागन इनस्ट्रमेन्टस प्राइवेट लिमिटोड को विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

मं. 31415/560 (5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पयानटागन इनस्ट्रूमेन्टस प्राइवेट लिफिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जि. ई. ब्रेक ईक्इपमेन्टस प्राप्तबेट लिम्टिंड के विषय में।

काल हत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1982

मं 27279/560 (5)—कम्पनी अधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जि. ई. बुंक ईक्रूपमेन्ट्रेंस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजम्ट्र में काट दिया गया है और उक्स कम्पनी विद्यात हो गई है।

एस. आर. वि. वि. सत्यनारायण कम्पन्यिं का सहायक रिजस्ट्रीर पहिचम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेसठाप प्राक्रविट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिशांक 12 जनवरी 1982

मं 1624/560/81-82— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्र्यूबारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पंसठाप प्रयंड लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट विथा जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कार दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रमीयर कारबन्स प्राइचिट लिफिटाँड के विषय में।

बंगलूर, विनांक 12 अनवरी 1982

मं. 2827/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्यारा यह मूधना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रमीयर कारबन्स प्राईवेट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्त न किया गया तो रिजस्ट्र से काट दिया जाएगा और उक्त विघटित कर दी जाएगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक, 15 दिसम्बर, 1981।

**ग्रादेश** सं० राज०/स**हा**० ग्रा० श्रर्जन/113

श्रतः मुझे एम०एल० चौहान, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं 0 प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

- (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-5-1981
  को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
  प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास
  करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
  मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
  पन्द्रह प्रतिगत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रोर
  श्रम्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया
  गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उकन श्रन्तरण लिखिन में
  क्ताबिक एस से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधि-तियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिल्थ मे कमी करने या उसमे बचने में मुबिधा के लिए; श्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राग्र-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व को उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथीतः—

- (1) श्री मरलीधर जालान पुत्र सूरजमल जालान निवासी 62 बाल् गंगा सर्कुलर रोड़, कलकत्ता। (अन्तरक)
- (2) श्री काशी प्रसाद पुत्र नथ मल, नि० सीकर। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारो करके प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस युचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो की हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्वड्टी करण:--हेसमें प्रयुक्त गड़्दों और पदों हा, जा उक्त घ्राध-नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस पश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

स्टेशन रोड़, सीकर पर स्थित प्लाट में हिस्सा जो उप पंजियक, सीकर द्वारा ऋम संख्या 31 दिनांक 13-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में थ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> (एम०एल० चौहान) सक्षम प्राधिकार सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण ग्रजैम रेंज, जयपुर

तारीख 15-12-81 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

**कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

ग्रादेश संख्या राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1112 यतः मुझे एम०एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है

तथा जो सीकर में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 13-5-1981 कां पूर्वों कर संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्तिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन धा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के हिसए;

(1) श्री मरली धर जालान पुत्र सूरजमल जालान, 62 बालू गंगा, सर्जुलर रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) महेण कुमार पुत्र शंकर लाल नि० संकर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

स्टेशन रोड़, सीकर पर स्थित प्लाट में हिस्सा जो उप पंजियक, सीकर द्वारा ऋम० संख्या 30 दिनांक 13-5-81 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विधरणित है।

> (एम॰ एल॰ चौहान) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुमरण मं, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित :--

तारीख 15-12-1981 मोहर: प्रकाष आर्डी, ही, एन - एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-७ (1) के अधीन सूचन।

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1981

म्रादेश सं० गज/सहा० म्रा० भ्रर्जन/1111 यतः मुझे एम०एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं उसमें इसके पञ्चान् जिल्ले अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका जित वाजार मुख्य 24,000/-रूप संविधक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-5-1981

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से काय के स्वयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जय, अवत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, औ, उकत अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मरली धर जालान पुत्र श्री सूरजमल जालान, 62 बल्लू भगंगा, सर्कुलर रोड़, कलकत्ता। (अम्तरक)
- (2) श्री महेश कुमार पुत्र बनवारी लाल, नि० सीकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, को शी
  अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

प्लाट का हिस्सा, स्टेशन रोड़, सीकर जो उप पंजियक, सीकर द्वारा ऋम संख्या 29 दिनांक 13-5-1981 पर पंजि-बद्ध विऋय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> (एम० एल० चौहान) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र झांगूक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज जयपुर

तारीख 15-12-81 मोहर: प्रकृप आहूं. टी. एन. एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981। श्चादेश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1110 यसः मुझे एम०एल० चौहान,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उर्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

**ग्रौर** जिसकी सं० प्लाट है

तथा जो सीकर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13ब5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में द्रास्त- विक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उदन औष-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के क्षिण्य के लिये. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी एउं ए घंट अर्था को को को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने को निवधा के लिए:

जात. अज, उक्त अधिनियम, की धारा 200 र हे पहारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मुरलीधर जालान पुत्र सूरजमल जालान निवासी 62 बालूगंगा मर्कलर रोड़ं, कलकत्ता । (अन्तरक)
- (2) श्री णुभकरण ज़ैन पुत्र पन्नालाल जैन निवासी सीकर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 चिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

स्टेशन रोड़, सीकर पर स्थित प्लाट का भाग जो उप-पंजियक, सीकर द्वारा कम संख्या 28 दिनांक 13-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम०एल० चौहान **सक्षम प्राधिकार**े स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण**) ग्रजीन रेंज, अयुप्र

तारीख: 15-12-1981

प्ररूप आहर् . टां. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ,269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981 श्चादेण सं० राज/सहा आ० श्वर्जन/1106 यतः मेक्षे, एम०एल० चौहान,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० प्लाट है

तथा जो ब्यावर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ब्यावर . जिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 है (1908 का 16) के ग्राधी तारीख 28-5-1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पावा गया प्रतिकल निम्नलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण

तिक्तिस में वास्ताबक रूप से कथित नर्जी किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपान में मूर्विधा कि लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण औं, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अभीन :--

(1) सर्व श्री डा० भवानी शंकर भागेव, बसन्त किशोर भागेव, जगल किशोर भागेव एडवोकेट, श्री सुन्दरलाल भागेव एडवोकेट व नोटरी पब्लिक तथा श्री कमलकिशोर भागेव, मुन्सिफ मजिस्ट्रेट, चित्तोडगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री भूरालाल कुमावत, कानजी उर्फ कन्हैया-लाल, श्रीनारायण, श्री मंगल सिंह एवं श्रीमति नर्मदा देवी पन्ति रामदास टाक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

4600 वर्गगण का प्लाट, सेन्दड़ा रोड, ज्यावर जो उप-पंजियक ब्यावर द्वारा कम शंख्या 1626 दिनांक 28-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> एम०एल०चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ¦श्रर्जन रॅज, जयपुर

**सारीख:** 15-12-1981

प्र**रूप भाई**० टी० एन० एस०--

आधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 2 जनवरी, 1982

प्रादेश संख्या: राज/सहा आ० अजँन/1114—यत: मुझे एम०एल० चीहान, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन संभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वप् से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो 6-ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है, (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 20-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम कण्यने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने ना उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या, .
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायं-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः सव, उन्न प्रधिनियम की घारा 269-ग के, धनुसरण में, मैं, उन्न प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के सधीन, निम्निस्तिकार स्थितियों, श्रर्थात :--

(1) श्री नाथूराम पुत्र मुंशीराम श्रग्नवाल, 84 धान-मंडी, श्री गंगीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हुन्सराज पुत्र चिमनलाल एवं श्री जगवीश राय पुत्र हरीश चन्द निवासी श्रीगंगानगर। (अन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

हरक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि, 6 ई० छोटी, श्री गंगानगर जो उप-पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 830 दिनांक 20-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप 'से विवरणित है।

> एम०एल० चौहान सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , जयपुर

दिनांक: 2 जनवरी, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1982 स्रादेश संख्या : राज/सहा० स्रा० प्रर्जन/1115—

यतः मुझे, एम०एल० चौहान,

मायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि

भूमि है तथा जो 6 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकर्ण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके एश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कि.सी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त लेंशिनियम की धारा 269-स की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री नाथूराम पुत्र मुंशीराम श्रग्नवाल, 84 धान मंडी, श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) स्त्रोम प्रकाण पृत्न गोपी राम ग्रग्रवाल, श्रीगंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख़ से 45 जिन की अविध् या नत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकरी।

स्पध्योक्षरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय भें विया गया हैं।

#### अनुसूची

कृषि भूमि जो घक 6 ई छोटी श्रीगंगानगर में स्थित हैं श्रौर उप-पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 710 दिनांक 12-5-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृष्ठ रूप से विवरणित है।

> एम० एक्प० चौहात सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 2 जनवरी, 1982

# प्रकृप भाई • टी • एत • एस •---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी, 1982 ग्रादेण सं ाज/सन्हा ग्राब्यर्जन/1117--यत: मुझे, एम०एल० चौहान,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि
भूमि है तथा जो 6 ई छोटी, श्री गंगानगर में स्थित है, ग्रीर
इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-5-1981

का पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रम्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक ों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नीलिखित ने वास्तविक रूप से किथा गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जीउ/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जार: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६-- (1) श्री नाथूराम पुत्र मुंशीराम अग्रवाल, 84 धान-मंडी, श्री गंगानगर।

(अन्तरक़)

(2) श्री राजिन्द्र पाल पुत्र सरदार सिंह एवं गुरबक्स सिंह पुत्र रावल सिंह भाटिया, श्री गंगानगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

. उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुसूची

कृषि भूमि जो 6 ई छोटी, श्री गंगानगर में स्थित है तथा जो उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 829. दिनांक 6 मई, 81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एम० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयुक्त निरीक्षण) अर्जन् र<sup>1</sup>ज जयपुर

तारीख: 2 जनवरी 1982

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) को . धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1982
श्रादेश सं० राज/सहा० ग्रा०/ग्रर्जन/1116—
यत: मुझे, एम०एल० चौहान,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, का जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० केवि

भूमि है तथा जो 6 ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीसिख्त व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री नाथूराम पुत्र संशीराम श्रग्रवाल, 84 धान-मंडी, श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री कविन्द्रं सिंह पुत्न गुरबक्स सिंह भाटिया एवं मनजीत कौर पुत्न गुरबक्स सिंह भाटिया, श्री गंगानगर।

(अस्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-- 🕟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

कृषि भूमि जो 6 ई छोटी श्री गंगानगर जो उप पंजि-यक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 709 दिनांक 4 मई, 81 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में धौर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> एम०एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 2 जनवरी 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ष्ट्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982 निदेश सं० म्रार०ए०सी० न० 68/81-82 काकीनाडा स्कॉड---

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, 'बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकीसं०

8-24-27 नया नं है, जो 8-24-8-ए माधवराव स्ट्रींट, काकीनाडा में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारसीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री कनकापस्को लल्ली सुदर्शन राव पिता माधाव-राव, गांधीनगर, काकीनाडा । . (अन्तरक)
- (2) श्रीमति कारी विजयालक्ष्मी पति वेंकटेस्वरा राव, श्रसीस्टेन्ट इंजीनियर, येलुरु डीवीजन, यलवीन-पेट, काकीनाडा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहिक करता हूं।

उक्त संपर्कत को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनसूची

घर नं० 8-24-27, नया घर नं० 8-24-8 ए, टी॰एस॰ नं० 43/ 1 ए०-माधव राव स्ट्रीट, मलय्याम्राग्रहाराम, काकी-नाडा। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3881/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी काकीनाडा।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 4-1-1982

मो**हर**ः

# प्रकर्प आई.टी.एन.एस.-----

# आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बार्श . 269व(1) के ग्रग्नीन सुक्ता

#### भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैंबराबाद हैंबराबाद विनांक 4 जनवरी 1982 निदेश स० श्रार०ये०सी० नं० 69/81-82 काकीनाडा स्कॉड यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'. कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर

नं० 6-2-34 है, जो पालकोल म स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिकायम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1981 को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः शव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरणं शें. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) स्कें अधीन निम्मलिसित व्यक्तियों अर्थात् १---

- (1) श्री सी० चंद्राराव पिता वेंकटारायल
- (2) सी० वीरा वेंकट पांडरंगा राव पिता चेंद्राराव
- (3) सी०श्री रामामुर्ती पिता—बही— घर नं० 3-2-2, पालकोल ।

(भ्रन्तरकः)

2, श्री सीं० रवीशंकर (मायनर) बाइ०सीं० सुर्यनारायणा राव डोडीपट्ला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी. अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवाँकका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वन्सूची

खुली जमीन 1718 चौ० गज घर न० 6-2-34, टाइल्ड शेड के साथ, पालकोल। रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1117/81 रजिस्ट्रीकर्तां प्रधिकारी पालकोल।

> एस० गोविन्द राजत सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 4-1-1982 मोहरं: प्ररूप आई. टी. एन. एस, -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

क।र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 70/81-82 ग्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 42-6-22 है, जो 10 वा वार्ड, पालकोल में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण म्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1981 को

को पूर्विक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (अर्थ कृष्तरण से हुई फिसी नाम की नावत उक्त निध-नियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा से लिए;
- अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीस :----

- (1) श्रीमती सामीदी नागमनी पति सुर्याराव, घर नं० 3-2-40 2 रा बार्ड, पालकोल। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पी० वेंकन्ना पिता सुरय्या श्री पी० सूर्यनारायणा पिता वेंकन्ना, श्री पी० सत्यनारायणा पिता वही

सभी कोमु चीक्कला नरसापुर तालुक, जीला पश्चीम गोदावरी के रहीवासी है।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हित-महभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिश्रीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्स्ची

घर नं० 42-6-22, 10 वा वार्ड, ग्रसेसमेंट नं० 48-99, पालकोल नगर । रजीस्ट्रीकृत-विलेख नं० 1161/81 रजस्ट्रीकृती श्रधिकारी पालकोल ।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 4-1-1982 **भोहर** छ प्रकृप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

ग्रार०ये०सी०नं० 71/81-82, काकीनाडा स्कॉड 7682—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयक र अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन 2326 को गजहै। जो नव सर्वे नं० 120 गंटुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गुंटुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 1981 में,

को पृत्यों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अध्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन निक्नीसिवत व्यक्तियों, अभीत :--

(1) श्रीमती पी० सत्यवती पिता श्री राम रेड्डी, रेड्डीपालम गांव, मनगरु तालुक, जीला खम्ममं।

(श्रन्तरक)

. (2) श्री म्रलपती सत्यनारायणा पिता चीन्ना नामय्या, स्तंबल गश्य, गंटर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

घर की खुली जमीन 2326 चौ० गज सर्वे नं० 120 स्तंबल प्रुयू। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5695/81। रजीस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी गुंदुर।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-1-1982

**बोह**रः

प्ररूप आर्द्घ.दी.एन.एस.-------कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

निदेश नं पि०श्रार न 1355/एक्वी/23-II/81-82 श्रतः मुझे, जी०सी० गर्ग,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं०, 25, 26 पैकी जिमन है। तथा जो पकतानपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्रांच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन में, 1981

को पृंबेक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों वर्धातः :--- (1) श्री हर्लंध भाई एंग० पटेस । योणाक एण्ड प्रैस 1, बहादेव मार्बाड 1, ब्राच ।

(भ्रन्तरक)

(2) राधाक्रुष्ण को-ग्रो-है-सोसायिटी लिमिटेड का प्रमह /ईस्री राणु भाई पी० पटेल 1, क्रांच। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसरों प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

#### नन्सूची

मिलकत जो एस० नं० 25 ग्रौर 26 पैकी जिमन मक $\star$  तानपुर, यथाविधि जिसका रिजस्ट्रेशन नं० 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1341, 1342, 1343, 1361, 1362, ग्रौर 1363/81 पर रिजस्ट्रीकृत की गयी है।

जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 22-12-1981

प्रारूप बाइ े. टी. एन. एस., -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज—II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमवाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

निदेश नं० पि० आर०नं० 1354/एक्बी/23-II/81-82---म्रतः मुझे, जी० सी० गर्गं,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 26 पैकी जमीन है तथा जो बोलाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, क्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्टु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है 🖫--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

(1) श्री चीता भाई भाजु भाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री रावजी भाई मतुर भाई पटेल, ब्रोच । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पटकीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मिलकत जो भोलाव एस० नं० 26 पैकी जमीन,यथा-विधी में मासिक, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ⅱ, श्रहमदाबाद।

अन्तः अन्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

तारीख: 22-12-1981

माहार अ

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

पि० म्रार० नं० 1353/एक्बी-23-II/81-82---म्रतः मुझो, जी०सी० गर्ग,

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० नं० 93/3

है। तथा जो गाइकाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अनकलशबर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 1-5-81

1908(1908 का 16) के अधीन 1-5-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्ब्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक कप से कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के मुभीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् ह---  श्री रामाभाई त्रीकम भाई, गाडकोल ता० ग्रनकलेशवर।

(अन्तरक)

- 2: (1) श्री श्रमबाबेन कानचनलाल गांधी, कानसरा बाजार, ग्रनकलेशवर।
  - (2) कानताबेन चंमपकलाल वालसावाला, लल्लु भाई चकला कब्तर खाना के पास क्रोच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविष्ट या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य न्यंक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का; को उन्त श्रिवियम के घड़्याय 20-क्र में यदापरिभावित हैं, वही धर्ष होगा, को उस घड़्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो एस० 93/3, गाडरवेल, यथाविधि में मासिक, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद।

तारीख: 22-12-1981।

- मोहर:

# प्ररूप माइ. टी. एन्. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

निदेश नं०पि०ग्रार० नं० 1352/एक्बा/23-II/81-82 श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- श्रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० रजिस्ट्रेशन

नं बी बी o = 69/ता o - 21-5-50, है। तथा जो जा जा जा कि कि कि में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981 को

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त मृत्तुरण लिखित में बास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की वावत उक्त विभ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्या, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित स्योक्तियाँ, स्थातिय--

- (1) श्री निलन शमबुलाल शाह, 3-त्री, ऐलिजिन रोड, कलकसा-20।
- (2) 1. श्री सुरेश भाई मनू भाई शाह, एच०यू०एफ० कर्ती।
  2, सुरेश भाई मनुभाई शाह, एच०यू० एफ०,
  64, उरमी सोसाईटी बड़ीदा-5।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ंस्पष्टीकरणः---**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

#### अनुसूची

मिलकत जो रिजस्टर्ड नं० बी०-बी०-69 ता० 21-5-50, प्लाट नं० 64, यथाविधि मई, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारी**ख**: 21-12-1981।

प्ररूप आई. टी. एन. एसं. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--II ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी संव नोंद नंव 745-ए-1, वार्डव नंव 10 है। तथा जो अमबाजी रोड़, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उण्वत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिषक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रशीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थास्:--- (1) श्री नरेणचन्द्रा बाबुभाई नानावती; गोपीपुरा मेन रोड सूरत श्री नीकुनजकुमार नरेणचन्द्रा नानावती, गोपीपुरा मेन रोड, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री नानदुलाल पैलेन्द्रादास 2. कमलेशचन्द्रा पैलेन्द्रादासं। 745-ए-1, श्रम्बाजी रोड, सूरतः।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथित्वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रविस्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसर्ची

मिलकत जो नोंद नं० 745-ए-1, श्रमबाजी रोड, सूरत, यथाविधि में, 1981 मई रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद।

तारीख : 29-12-1981।

प्रारूप बाइ. टी. एन्. एस्., ----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश नं० पि०म्रार०नं० 1357/एक्बी-27-II/81-82--म्रतः मुझे जी०सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० नोंद नं०

1061-1961 है। तथा जो चोक बजार, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अक्षीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीथत नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत्, उक्त जीधनियम् के अधीन कर दीने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) ् को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४००० (1) श्री मोहमद ईसमेयिलजी मुल्ला का कुल मुकतयार श्री ईसमेथिल हफेजी ग्रहमद मुल्ला, पासीवाड़, नानदेर, सुरत।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री/ मोहमद यूसूफ अबुगाई चानदीवाला, अनुपम चेमबर, तीसरी मंजिल, भागा तलावो सूरत। 2. बाई नासीमबाई मीयामोहमद, चोक बाजार, सीदीवाडी, सूरत।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के, राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो चोक बाजार, वार्ड नं० 11, नोंद नं० 1060-1061, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 30-12-1981।

गमा, लार्न्न होत स्वर एसर-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबास, दिनांक 30-12-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन गअम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उनित बाजार मृज्य 25,000/-व को अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोद नं० 531, लुहार मोहालो, है। तथा जो नवसारी बजार, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में वास्तिवक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रिधितियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रिधितियम की श्रारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नसिखित व्यक्तियों श्रीमित्र निम्मसिखित व्यक्तियों श्रीमित्र निम्मसिक्तियों श्रीमित्र निम्मसिक्तियां सिक्ससिक्तियां सिक्ससिक्ससिक्ससिक्तसिक्तियां सिक्ससिक्ससिक्तियां स

(1) श्रोमती भारतीबेन कानतीलाल ताकर-खुद श्रौर श्रथसक बेटे बुजलाल कानतीलाल, हमनतलाल कानती-लाल, पैलेश कानतीलाल, जुड़ार मोहोलो, जब-सारी बजार, सुरत ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रींमती ललिताबेन छोटे लाल।
  - 2. बालकृष्ण छोटे काल ।
  - 3. गीताबेन बालकुष्णन ।
  - 4. क्षमानलाल बेचु भाई।
  - जयश्री कुषमानलाल,शिवदाम जबेरी शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति के अर्जन हे लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, औ भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं० 531, नवसारी बजार, लुहार मोहोलो, सूरत में स्थित है। जो मई, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

**सारीख: 30-12-1981** 

मोहर 🔡

#### परूप धाई•टी•इन•एस•~~

# आजकर अ**विनियन; 1961 (1961 का 43)** की धारा **269-थ (1)** के **धवीत सुमना**

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 31-12-1981

निदेश तं० पि०श्रार० नं० 1359/एक्बी/23-II/81-82) श्रतः मुझे, जी०सी० गर्गः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसकें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० नोंद नं० 1176, बार्ड नं० 12, लुहार पोल है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 6-5-1981

1908 (1908 का 16) क अवान 6-5-1981
को पूर्वोबत सम्पत्ति के छित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घम्लरित की गई है भीर मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिषक से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पम्प्रह प्रतिशत से घिषक है भीर धम्तरक
(धम्तरकों) भीर धम्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे
बम्तरक के लिए तय पाया वया प्रतिकतः, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त धम्तरण निष्कत में वाक्तविष क्य से कथित
नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उबत अधिनियम के अधीन नार देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या खन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में नुविधा के सिए।

भतः अन्न, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के मनुसक्ण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:---

- (1) श्री कानतीलाल ठाकोरवास गाह, गुगलीसारा, सुरत । (अन्तरक)
- (2) 1. बकुल भाई दुर्लभराम।
  - 2. कानचनलाल दुर्लभराम ।
  - 3. दुर्लभराम कालीदास ।
  - 4. जामनाबेन दुर्लभराम शाहपोर, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि वाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में दितबदा किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण् :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो 'उक्त ग्रिश्चित्यम' के ग्रह्माय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रह्माय में दिया गया है:

#### अनुसूची

मिलकत जो माछली पीत, लुहार पोल, नोंद नं०, 1176, वार्ड नं० 12, सूरत यथाविधि मई 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 31-12-1981

माहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यातय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

पटना दिनांक, 17 दिसम्बर, 1981

निदेश० सं० III 529, /ग्रर्जन/81-82

श्रतः मुझे हृदय नारायण, शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक हैं और जिसकी सं० तौजी सं० 439, वार्ड सं० 11 सिकल सं० 28, सीट सं० 70, एम० एस० प्लाट सं० 293, होल्डींग सं० 276, (पुराना) नया है तथा, जो 288 अमरूदी मछुआदोली (जो अबुलाण लैन से जाना जाना हैं) थाना कदमकुआं, पटना में स्थित हैं (और इससे उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से बिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन नारीख 6-5-81

को पूर्शेक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती गॅंन गुमारी देवी जीज श्री लक्ष्मण गर्मा तिवासी-मीजा भेनदी थाना परखा, जिला गारण (छपरा) वर्तमान निवासी बुद्धै थालोनी पुलिस स्टेशन के समीण, पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णचन्द्रं श्रग्नवाल बल्द श्री हली राम श्रग्नवाल, निवासी सञ्जीवाग, थाना पोरवहौर, जिला पटना वर्तमान पता: 5 श्रमहृदी मछुन्नाटोली (जो अवुलांश लैन से जाना जाता है) थाना कदमकुन्नों जिला पटना।

(अंतरिती)

(3) म्रंतरिती ब्रारा स्वंय म्रधियोग (बह व्यक्ति जिसके म्रधियोग में सम्पत्ति)

को यह स्पना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सुम्पृतित को अर्थन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

मवाजी 5 म्राना 4 पाई हिस्सा जो 101/3 धुर जमीन के बराबर होता है जिसपर तीन मंजीला मकान भ्रवस्थित है एवं जो भ्रमस्दी मछुप्राटोली प्रवृलाश लैन से जाना जाता है, थाना कदमकुम्रां, जिला पटना में पड़ता है तथा पूर्णरूप से विसका संख्या 3397 दिनांक 6-5-81 में वर्णित है एवं निबन्धन जिला भ्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुम्ना है।

हृदय नारायण सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 17-12-81

मोहर:

5-446GI/81

प्रक्ष पाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत संग्कार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।
पटना, दिनांक 8 जनवरी 1982

निवेश सं० 111. 536,/अर्जन/ 81-82--अत: मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरबात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है अपेर जिसकी संव थाना सैव 2 तौजी संव 5240 खाता संव 501, खेसरा संख्या 14-44, 1445, 1446 है तथा, जो मैनपुरा दोधा, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इसमे उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1980 का 16) के श्रधीन नारीख 2-5-81

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयां था किया जाना चाहिए था, छिपामें में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राम स्वारण सिंह बल्द श्री कमला सिंह श्रीमती मती कुती देवी जोवे श्री राम स्वारण सिंह निवासी सिंकन मैं नपूरा (एल०सी०टी० घाट के सभीप) थाना पाटलीपुत्रा पवालय जी० पी०श्रो० जिला पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती, कुमारी दुर्गा सिंह जौजे श्री गंभु प्रसाद सिंह निवासी साकिन भगतपुर, थाना बलिया, जिला वेगुसराय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन का रकवा 10 कटठा मौजा मैनपूरा दीधा, थाना पाटलीपुद्धा, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से विसका संख्या 1875 दिनांक 2-5-81 में विणित है तथा निबन्धक पदाधिकारी दानापुर द्वारा संम्पन्न हुन्ना है।

> हृदय नारायण सक्षम अधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिसेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 8-1-82

# प्ररूप भाई० टी• एम• एस•— भायकर मित्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र बिहार (पटना)

पटना, दिनांक 12 जनवरी 1982

निवेश सं० III/537/फ्रर्जन/81-82--म्रतः मुझे हृदय नारायण,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लोट मं० 1827 होल्डिंग सं० 224 वार्ड सं० 1 वी० है तथा जो मिर्मारगोन्द्रा उर्फ पेहरगोन्डा, धाना काके, जिला रांची में स्थित है (श्रीर इसम उपायद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो स्त मण्यति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान यात्रिकल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अश्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिक्षितयम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:— (1) श्रामती पदमावती गोयल जोजे श्री विद्याभूषणः गुप्ता उर्फ विश्वया गोयल निवासी कांके रोड रांची प्रविश्वत एवं निर्मित ऐटोरी श्री विद्याभूगण गुप्ता बल्द स्व० जगन्नाथ गुप्ता निवासी 8 मुरलीबर लेन कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सचिता देशी पुत्री श्री छेशी जान झाजाद निवासी नगराठोली थाना लालपुर, जिला रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यत्राहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी पाखेप :--

- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की संबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित
  क्या कित्यों में से किसी क्यांकित द्वारा;
- (आ) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्दीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

## अभूसूची

जमीन का कुल रकबा 7 कट्ठा 8 छटाक मकान सहित मौज ग्राम मिसीरगोन्डा जर्फ पेहरगोन्डा थाना कांके, जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसिका सं० 1-3665 दिनांक 2-5-81 में वर्णित है एवं जिसका निजन्धन, रजिस्ट्रार ग्राफ एम्योरेन्स् कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हथा है।

> हृदय नारायण ) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख : 12-1-82

मोहर 🖫

# प्रकप मार्बन टी । एन । एस ।-

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 12 जनवरी 1982

निदेश सं० III 538/श्रर्जन/81-82—न्म्रतः मुझे, हृदय नारायण

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में श्रधिक है

ग्रीर जिसकी प्लौट सं० 1827, होल्डिंग सं० 165 वार्ड, मं० ग्राई० बी० है तथा जो मिसोर गोन्डा उर्फ पेहरगोन्डा थाना कांके जिला रांची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रदिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, छक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधान्यम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ मुर्यात् ध--

- (1) मिस रामा देवी गोयन पुत्री विद्याभूषण गुप्ता
  उर्फ विद्याधर गोयल
  निवासी कांके रोड रांची
  प्रदर्शित एवं निर्मित ऐटोरनी श्री विद्याभूषण गुप्ता
  एवं स्व० जगन्नाथ गुप्ता निवासी 8
  मुरलीधरलेन कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम कुमार रतन लाल (एच० यू० एफ०)

  द्वारा कर्ता श्री रतन लाल भर्तीया निवासी 2 गणेश

  चन्द्र ऐबेन्यू कलकता (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तार ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजरत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जी उन श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

जमीन का कुल रक्तबा 10 कट्ठा मकान सहित ग्राम मिसिर गोन्डा उर्फ पेहरगोन्डा थाना कांके जिला रांची में स्थित तथा पूर्ण रूप से वसिका सं० 1-3657 दिनांक 2-5-81 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, गटना ।

तारीख : 12-1-82

# प्ररूप आई० टी • एन • एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश सं० सी० ए० 5/एम० ग्रार० वाम्बे मे 8 /552/-81-82---यतः सुझे, शशिकान्त कुलकर्णी,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या म० नं० 119 ए०, सि० स० नं० 145 स० नं० 131 ए०, सि० म० नं० 146 है तथा जो लोणावला, ता० मावल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवन्धक बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक के हुई किसी आय की बाबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या ःय आस्तिगों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) मिस यासमिन मिन बलिफदार 'विडसर हाऊम' महायिकवेषय श्रोष्हल के सामने, बाम्बे-400032

(भन्तरक)

(2) श्री रमेशभाई रिवर्णकर विवेदी, भागीदार मेसर्म चिन्द्रका इस्टेट कारपोरेशन, बी-2, राजपिल्ला सोसायटी, ग्रिंडलेज बैंक के सामने, लिकिंग पथ, सांताकूज बाम्बे-400054

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्मों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जो सं० नं० 119ए० सि० स० नं० 145, स० नं० 131ए० सि० स० नं० 146, लोणावाला, ता० मावल में स्थित है जिसका क्षेत्र अनुक्रम में 0.40 और 0.80 हैक्टर है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2507 जो 27/5/81 को दुस्थम निबन्धक बाम्बे के दफ्तर में स्थित है।)

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-12-81

## प्ररूप आइ<sup>5</sup>. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश सं० सीए 5/एस० म्रार० बाम्बे/म 81/553/81-82---थतः मुझे, गशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या स 0 नं 0 119सी, सि 0 स 0 नं 0 54 है तथा जो एच बोर्ड, लोणावला, ता 0 मावल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरी श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक बाम्बे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 2-5-81 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निन्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारां प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मिस यासमिन मिनू विश्वफदार विडसर हाऊस, महर्षि कर्वे पथ, ग्रोंष्हल के स्नमने, बाम्बे-400032 (ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेशभाई रिवशंकर त्रिवेदी, भागीदार मेसर्स चित्रिका इस्टेट कारपोरेशन बी 2, राजपिल्ला सोसायटी, ग्रींडलेज बैंक के सामने लिकिन पथ, सांताकुग-बाम्बे-400054 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई भी आक्षय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जो स० नं० 199 सी० सी० नं० 54, बोर्ड एच० लोणावला, ता० मावल में स्थित है। श्रीर जिसका क्षेत्र 0.39 हेक्टर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि ग्रार 532 जो 2~5-81 को दुय्यम निबन्धक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है।)

> शिक्तान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-12-1981

प्रभाग बाहि हो। एन।एस।----

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र<sup>ं</sup>ज, पूना

पूना, दिनांक 30 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० पी० ए०/एम० ग्रार० भसावल/ 481/554/-81-82-यतः मझे गणिकान्त कुलकर्णी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सप्तम प्राधिकारी को, पहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपका उचित बाबार मुस्य 25,000/- इ॰ से श्रधिक है श्रीर जिसकी संख्या श्राऊट श्राफ प्लाट नं० 130/2 हिस्सा नं० 2, प्लाटनं 10,म्युनिसपलनं 614 है तथा जो सहकारनगर सतारे गांव तह० भूसावल जिला जलगांव में स्थित है ग्रौर (इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय द्य्यम निबन्धक भसावल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रप्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसये बचने में नुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी पाय या किसी घन या प्रत्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना माहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर, छक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—- (1) श्रीमनी चन्दाबाई पुनमंचन्य वर्गाष्ट्रया न्यू लारिया वार्ड. भुसावल जिला जलगांव

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीराम क्ष्पचन्द रिजवानी सहकारनगर, भुमावल जिला जलगांव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्वन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से -45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा अभ्रोहस्ताकारी के पास मिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्टीकरण : —इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त भीक-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमुस्ची

खुली जमीन ग्रौर ऊपर की इमारत जो भ्राउट ग्राफ प्लाट नं॰ 130/2, हिस्सा नं॰ 2, प्लाट 10, म्युनिसिपल नं 614, सहकार नगर, सतारे गांव, तह॰ भुसावल, जिला जलगांव में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 931 जो० 81 को दुय्यम निबन्धक भुसावल के दफतर में लिखा है।)

> णणिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 31-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

**आ**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269- घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिसांक 30 दिसम्बर 1981

निदेश सं० श्राईसीएः/सी॰ए॰ 5/एम० आर० नासिक/मई 81/-555/81-82--यतः मुझे णशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या त० 870/3/प्लाट नं० 2 है तथा जो बाम्बे-श्राग्रा रोड नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक नासिक में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट-नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कराः अस्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

(1) श्री एम०टी० मारु श्रीर सात इतर शिवाजी पथ, नासिक-1

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री रंग। एन० राव

 श्री अप्रशोक एन० राव कृते होटल प्रिया, नासिक - 1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 870/3-प्लाट नं० 2, बाम्बे-ग्रागरा पथ, नासिक में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2141 जो मई 81 को द्रथ्यम निबन्धक, नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

तारीख: 30-12-1981

महिर:

### प्रकृप आई • टी • एन • एस • ------

# द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 288-म (1) के समीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, धिनांक 21 दिसम्बर 1981

निदेश सं० 195/मई/81—यतः मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से धिषक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 4162, अला नगर है, जो मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूर्ण में भीर पूर्णरूप में वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समबियम, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-81 (डाकुमेंट सं० 2319/81)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिला बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क अन्तरण से हुई किसी आय की अवित, सक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिप्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अप्रिनियम, या धनकर ग्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः ग्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधोन, निम्नितिखन व्यक्तियों; ग्रथितः ----6—446GI/81 (1) श्रीमती एन० नारायनी, मद्रास-4.

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर (श्रीमती) हेमलदा सेतू पिरुले महास-40

(भन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की घत्रधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घत्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं घर्ष डोगा जो उस ग्रध्याय में दिवा। गया है

### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माणित प्लाट मं० 4162, श्रन्ना नगर मद्रास-40 (डाकुमेंट सं० 2319/81)

> श्रार० रवि**चन्द्र**न सक्षम् अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज, मद्रास

तारीख: 21-12-1981

## प्ररूप माई॰ डी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की भारा

## 269-व (1) ने प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1982

निदेश सं० 16:41/89-यतः, मुझे श्रार० रविचन्द्रन प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिले इपनें इसके पश्चात् 'खक्त श्रधिनियम' कहा गया है); को प्रारा 269-व के प्रपीत सञ्जन प्राधिकारी को यह विश्वास करने माजारण है कि स्वावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं। श्रौर श्रौर जिसकी संख्या 54 है, तथा जो उसमान रोड मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नारत (डाक्रुमेंट सं० 1716/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यागन प्रतिकत से, ऐसे दृश्यनान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्निसिखित छड़ेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

- (को प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः थन, छन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों, थर्थात् :-- (1) श्री टी० एस० कृष्नामूर्ति, एस० वी० एस० रतनम एस० पठमनाबन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीराम इनवेस्टमेन्टस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बार्डा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकरेंगे।

स्वडोकरण: ----इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होता, तो उप प्रव्यात में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि ग्रौर निर्माण-54, उसमान रोड मद्रास-17 (डाकुमेंट सं० 1716/81)

न्नार० - रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज I, मद्रास ।

तारीख: 12-1-82

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निवेश सं० 360/81-82---यतः, मुझे डा० वी० एन० लिलकुमार राव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पुराना मर्वे नं० 217 चल्ता नम्बर 84 सी० एस० नम्बर 1401 है, तथा जो रानडे रोड, हिन्दवाडी, बेलगम में स्थित है (श्रीर इमम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सैविणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्योलय बेलगम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9 नम्बर 396 अंडर डाक्यमेंट दिनांक 8-6-1981

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसका दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचनं में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---

- (1) कुसूम श्रीपाद सुंटणकर
- (2) श्री श्रीपाद विटल सुटणकर तिलकवाडी बेलगम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नानालाल मानचन्द दोशी 2883, कडेबजार, बेलगम

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पृत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

### अनुसूची

रानडे रोड, हिन्दवाडी, बेलगम में स्थित 497.57 स्क्वेर मीटर खुला जगह जिसका पुराना सर्वे नम्बर है 217 चल्ता नम्बर 84, ग्रीर सी० एस० नम्बर है 1401।

> ष्ठा० वि० एन० ललितकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलौर ।

तारीख: 15-9-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॅज बंगलीर

बेंगलोर, दिनांक 15 सितम्बर 1981

निदेश सं० 361/81-82-यतः, मुझे डा० वि० एन० लिलकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नम्बर 79/1 प्लाट नम्बर 3 है, जो श्रंगोल, बेलगम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगम श्रंडर डाकुमेंट नम्बर 604 दिनांक 15-5-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्तर अधि यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीतः-- (1) श्री गृष्धिद्वातिद्वाति है ब्वाल्कर खानापुर।

(श्रन्तरह)

- (1) श्री भ्रजीत दसोपन्त कुलकर्णी
  - (2) श्रीमती श्रलका श्रजीत कुलकर्गी 141, मंगलवारपेट तिलकवाडी, बेलगम।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृयों क्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्या होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृस्ची

श्रनगोल बेलगम में स्थित 596.75 स्कवेर मीटर खुली जगह जिसका सी० एस० नम्बर है 79/1 श्रीर प्लाट नबर 3

> डा० वी० एन० ललितकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलौर ।

नारीख: 15-9-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

# भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रेधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 अक्तूबर 1981

निवेश सं० 362/81-82-ग्रनः मुझे, डा० वी० एन० लिलताकुमार राव

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित्र वाजार मूह्य 25,000/- कु से प्रधिक है, ग्रीर

जिसकी सं० सी० टी० एम० 270/1. है, जो उप्पारगालि, कासबाग, बेलगम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है) राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बेजगम ग्रंडर डाक्य्रमेंट नम्बर 714 दिनांक 25-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशंत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक इन में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (छ) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रबं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के ग्रिधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, ग्रिधीन,——

- (1) श्रीमती पुष्पादेवी रामेण्यरीलाल जोशी, 479 कडेबजार बेलगम
- (2) श्री रामकुमार राजाराम जोशी 2414, कचेरी गल्लि, शहापुर, बेलगम ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रकाण चारिटेबल ट्रस्ट, 8/9; कलासिपालयम न्यू एक्सटेंगन, बेंगलूर, प्रतिनिधि, प्रन्यासी श्री सुदर्शन कुमार मेंचन्दा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
  हितदाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिमाधित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

### अनुसूची

उप्पारगिलल, खासबाग, बेलगम में स्थित इमारत (जगह सहित) जिसका सी०टी० एस० नम्बर है 270/1

> डा० वी० एन०ललिता कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जंन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 13-10-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1981

निर्देश सं० 363/81—82——यतः, मुझे, डा० वि० एन० लिलाकुमार राव.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रीर जिसक सं० रिविन्यु एस० नस्बर 50/2 है, जा सींगे कंग्रालि बेलगम में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है) रिजस्त्री कि श्रीधागरी के प्राथितय बेलगम श्रंडर डाक्यूमेंट नम्बर 318 दिनांक 1-6-1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः-- (1) श्रीमती लिलिनप्रभा देवी वसर्वालगराज देशमुक देसाई, श्रभिकर्तापत्न श्री प्रभुलिंग बाबासाहेब उर्फ खानबहादुर देसाई काकनि बेलगम

(भ्रन्तरक)

(2) इम्याकुलेट कोब्रागरेटिव हाऊमिंग सोमाईटी निमिटेड 2908, कडे बाजार, बेलगम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मोंगे कंग्रालि, बेलगम में स्थित 36012.15 स्कवेर मीटर खुली जगह जिसका रेविन्यु सर्वे नम्बर 50/2 है।

डा० वि०एन० ललिताकुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

तारीख: 13-10-1981

मोहर 🕄

प्ररूप् आइ<sup>‡</sup>. टी. **ए**न्. एस्.----

कायकर किभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन, रेंज वेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 13 श्रक्तूबर 1981

निर्देश सं० 366/81-82---यतः मुझे, डा० वि० एन० लिलाकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी०टी० एस०नं० 4866/बी म्युनिसपल नं० 4874/8 है, जो कल्ब लिंक रोड. बेलगम में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि कारी के कार्यालय बेलगम ग्रंडर डाक्युमेंट नंबर 755 दिनांक 28-5-1981)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

 श्रीपीजे जे० लूडम की पत्नी श्रीमती मारटल लूइम कल्ब लिंक रोड, बेलगम

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रमजानग्रली खीमजीभाई
  - (2) श्रीमती श्रमीना रमजानश्रली खिमजीभाई 4808/4804, शिवाजी नगर बेलगम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'ज़क्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया एया हैं।

## अनुसूची

ब्लब लिंक रोड बेलगम में स्थित इमारत तथा, श्रौर हाउस ग्यारेज (भूमि सहित) जिसका सी०टी० एस० नं० है 4866/ बी० श्रौर म्युनिसिपल नम्बर है 4874/8।

> डा० वि० एन० लिलताकुमार रांघ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जनं रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 13-10-1981

मौहर 🔞

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

**आ**यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निर्देश सं० 369/81-82—-यतः, मुझे खा० वी० एन० लिलतकुमार राव

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नम्बर 1678 है, जो किर्लोस्कर रोड बेलगम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांजित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बेलगम ग्रंडर डाक्यमेंट नम्बर 652 दिनांक 19-5-81

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री प्रभाकरलाल मोहनलाल कलबारी कारबार गल्लि, बेलगम

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकरराव अनंतराव सामन्त 1678, किर्लोस्कर रोड, बेलगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

किर्लोस्कर रोड बेलगम में स्थित जगह (123-75 स्क्वेर मीटर) बिल्डिंग महित जिसका सी० एस० नम्बर 1678 है।

> डा० वि० एन० लि**तकुमार राव** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 10-11-1981

मोहर 🕆

## प्ररूप काई. टी एन. एस.-----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्तना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलौर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० 374/81-82—यत:, मुझे श्रीमती मंजु माधवन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसवें इसके पदजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का जारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उधित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 106 है. जो बागिनालु ग्राम, तालुक होलेनरसिपुर में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होलेनर-सिपुर श्रंडर डाक्यूमेंट नम्बर 91, तारीख 4-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नदृष्ट प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फक्ष निम्नलिश्वित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निम्नम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या ग्रन्थ कास्तियों को, जिन्हूं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा एक्ट नहीं दिया गया था या किया जाना साविए था, क्रियाने था सविधा के लिए;

- (।) श्रीपी० सुब्बाशेदिट
- (2) श्री एच० एम० रंगराज
- (3) एच० एस० विजयकुमार
- (4) एच० एस० स्वाभिनाथन होलेनरसिपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पटेल नंजप्पा बागिनाल ग्राम, हलेकोटु होबली तालुक होलेनरसिपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

## उथत मस्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

'स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

होलेनरसिपुर तालुक, हलेकोटु होबली, बागिनालु ग्राम में स्थित 5 एकर 18 गंटा मार्डने भूमि जिसका सर्वे नम्बर 106 है

> श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

मोहर:

तारीख: 4-12-81

7-446 GI/81

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्वेश सं० 375/81-82—यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 109 है, जो बागीनालु ग्राम, तालुक होलेनरसिपुर में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, होलेनरिसपुर श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर, 102 तारीख 11-5-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, छवन ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (■) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री पी० सुब्बाशेट्टि
  - (2) श्री एच० एस० रंगाराजु
  - (3) एच० एस० विजयकुमार
  - (4) एच० एस० स्वामिनाथन होलेनरसिपुर.

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल नंजप्पा बारीनाल होलेनरसिपुर तालुक होलेनरसिपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के •राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के घड्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

होलेनरसिपुर तालुक हलेकोटु होबली बागिनालु ग्राम में स्थित 3 एकर 12 गुंटा मार्डन भूमि जिसका सर्वे नम्बर 109 है।

> श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के गधीन निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :---

तारीख: 4-12-81

मोहर.ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगल

बेंगलूर, दिनांक 4 विसम्बर 1981

निर्देण सं० 376/81-82—यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नंबर 2 है, जो बगनेहेदाल ग्राम, तालुक चिकमंगलीर में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चिकमंगलीर श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 295/81-82 तारीख 8-5-1981

को र्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निशिचत उद्विषय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया वाना वाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

- (1) श्री एच० ग्रार० शिवस्वामी
- (2) एच० श्रार० शांताकुमार
  - (3) एष० भार० सुरेश
  - (4) श्रीमती एच० ग्रार० नागरनमा
- (5) श्रीमती एच० श्रार० इंदिया
- (6) एच० श्रार० विजया
- (7) एच० ग्रार० विद्या
- (8) श्रीमती नंजम्मा हुनमम्ब रोड, चिकमंगलोर

(प्रन्तरक)

- (2) (1) सी०वी० शिवद्रपा
  - (2) सी० एस० दिनेश
  - (3) सी० एस० कुसुम
  - (4) कुमारी सी० एस० सविता
  - (5) सी० वी० रुद्रप्पा
  - (6) श्री सी० ग्रार० निशाति
  - (7) श्री सी० बी० चिदानन्द
  - (8) सी० वी० महादेवप्पा
  - (9) सी० वी० राजशंकर
  - (10) श्रीती शिवम्मा बसवनल्लि, चिकमंगलोर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकांच: --

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधुहस्ताकरी को पाड़ जिल्लित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पवां का, जा उक्द अधिनियम, के अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनृसूची

चिकमंगलोर तालुक श्रवनी होबली, बगनेहेदाल ग्राम म स्थितं 5 एकर काकि एस्टेट जिसका सब नम्बर है 2

> श्रीमती मंजु माधवन सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर ।

अतः असः, अकतः अधिनियमं की धारा 269-मं के, अन्सरण में, में, उक्त सीधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-12-1981

## प्ररूप बाइ<sup>2</sup> टी एन. एस. -----

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज बंगलर

बंगलीर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्वेश सं० 377/81-82—यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन, भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- कः. सं अधिक है

भौर जिसकी सं के सर्वे नंबर 43/1 है, जो धुंबदेवनहिल्ल, श्रेरेहिल होबली, ताल्क बेलूर में स्थित है (ग्रोर इस उपाबढ़ अनुसू ी में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बेलूर अंडर डाक्युमेंट नम्बर 249 तारीख 15-5-1981 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन

- को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह किश्वास कर्ण का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्क प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय को बाबत उक्त बिंध-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कजी करने या उससे बचने माँ स्विधा के लिए और/या
  - (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुबद्धन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निम्म्लिखित म्यक्तियों अधितः—

- (1) टी० भ्रार० कृष्णागौडा
  - (2) श्रीमती पुर्टम्मा
  - (3) श्री टी॰ एन॰ रामय्या
  - (4) श्री टी० धार० पेपेगौडा
  - (5) उथरम्मा
  - (6) श्री टी० ग्रार० गिड्डराजु थुंबदेवनहल्लि, भ्ररेहल्ली होवली तालुक बेलूर

(भ्रन्सरक)

- 2. (1) श्रो एल० वी० वंकटाचलम चेट्टियार
  - (2) श्री एल० सी० श्राय चिदम्बर चेट्टियार
  - (3) श्री एल० एस० पी० मुद्रमन्या चेट्टियार
  - (4) श्री एल० पी० पेटापेश्मला चेट्टियार
  - (5) श्री एल० एस० वी० सेव्गन चेट्टियार
  - (6) श्री एल० श्रार० एम० रामस्वामी चेट्टियार देवमहिल्ल, अरेहल्ली होबल डिस्ट्रिक्ट हासन

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त मध्यरित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी ध्यनितयों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वंलूर तालुक, अरेहल्ली हाबली थंबुदेवनहल्ली ग्राम में स्थित 6एकड़ 22 गुंटा काकि एस्टेट जिसका सर्वे नम्बर है 43/1

> (श्रीमती मंजु माधवन) सक्षम प्राधिकारी सहाथक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख: 4-12-1981

## प्रकप् आहर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलीर

बंगलीर, विनांक 4 विसम्बर 1981

निर्देश सं० 378/81-82--यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 7 है, जो श्रिथिगरी ग्राम, श्रागरा होबली, तालुक चिकमंगलोर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चिकमंगलोर श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 464/81 तारीख 28-5-1981 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोक्स संपितत के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः—

- 1. (1) श्री टी०वी० कोटेम्बर गेंद्टि
  - (2) श्री टी० के० रमेश
  - (3) श्री टी० कें ० बदरीनाथ काकि प्लांटर, एम० वी० रोड, चिकमंगलोर (अन्तरक)

 मेसर्स बी ० एच० दयानन्द पै एण्ड सन्स काकि प्लांटर, वसता कूल एस्टेट रत्नागिरी रोड, चिकमंगलोर ।

(अन्त<u>िर</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़ से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

चिकमंगलोर तालूक, जगरा होबली श्र<mark>थिगिरी ग्राम में</mark> स्थित 45 एकड़ काकि एस्टेट जिसका सर्वे नम्बर है 7।

> श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्तु (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलोर।

ता **ी**ख: 4—12—1981

मोहर 🗄

प्रस्थ परारं ही ० एम ० ए - - - -

आयक्षर विश्विमन, 1951 (१९४१ ा ४४) हो ाए। 269-**ण (1**) के प्रमान सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० 379/81-82-यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन, आयकर आके (प्रम, 1961 (1361 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अभी त्लक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वान करने का कारण है कि ल्यावर समालि, जिसका उवित्र बाजार मूल्य 25,000/-६० में स्थिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 7 है, जो श्रथिगिरी ग्राम जगरा होबली, तालुक चिकमंगलोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चिकमंगलोर श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 465/81 दिनांक 28~5-1981 में भारतीयरजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से जम के दूश्णमान प्रतिकल के लिए भग्तरित को गई है और मुश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उतित वाजार मुश्य, उनके दृश्यकान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रग्तरिक (भग्तरिक्षी) और अन्तरिति (भग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिक के लिए तय पाधा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरिक लिखित में वास्त्रिक छव में किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के भ्रधीम कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या **ए**ससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐतो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिंतियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुतिखित व्यक्तियों, अधितः :---

- (1) श्री टी० वी० नागराज शेट्टि
- (2) कुमारी भ्राशा एम० जी० रोड, चिकमंगलोर

(अन्सरक)

(2) मेससं बी० एच० दयानन्द पै० एण्ड सन्स काकि प्लाटर, वसन्ता कूल एस्टेट रत्नागिरी, रोड, चिकमंगलोर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  ग्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखितं में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

चिकमंगलोर तालूक, जागरा होबली, श्रथिगिरी ग्राम में स्थित 43 एकर 38 गुंटा काकि एस्टेट जिसका सर्वे नम्बर है 7।

श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-2, नर्द दिल्ली-110002

ता**रीख** : 4-12-1981

प्रस्प आई० टी० एने० एस०-----

# आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के प्रधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, वेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० 380/81-82--यतः, मुझे श्रीमती मंजु माधवन आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नम्बर 7 श्रीर 15/2 है, जो श्रिथिगरी ग्राम, जागरा होबली, तालुक चिकमंगलोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय चिकमंगलोर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 466 तारीख 28-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है फ्रेंट मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशा से यधिक है और यह कि प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के धीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- ं (क) प्रस्तरण ये हुई किसी आया की बाबत उपत श्रीधितियम अध्यीत कर देते के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने गचने में सुविधा क जिए; और/या
- (व) ऐसी दिस्ता प्रान या किसो धन या अन्य आस्तियों
  की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उकता अधिनियम या
  जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के अयोजनार्थ मन्तरिती हारा अकट नहीं किया
  गया था या किया भाग चाहिए था छिपाने में
  भविधा क लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धार। 260-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० के० विक्पाक्ष सोट्टि काकि प्लांटर, एम० जी० रोड चिक्रमंगलोर

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बी० एच० दयानन्द पे एण्ड सन्स काकि प्लांटर, वसन्त कूल एस्टेट रत्नागिरी रोड, किकमंगलोर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं:

चक्त सम्पत्ति के भ्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत क्यिक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकीं।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'एक्ट ब्रिक्टि नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही ग्रवं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

### वनसूची

चिकमंगलोर तालूक, जगरा होबली, श्रिशिंगिरी ग्राम में स्थित 40 एकर काकि एस्टेट श्रीर 3 एकर श्रारंज एस्टेट जिसका सर्वे तम्बर है 7 श्रीर 15/2

श्रीमती मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 4-12-1981

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

वंगलौर, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं०सी० श्रार० 62/30759/81-82/ए० मी० क्यू० बी०---यत: मुझे मंजु माधवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० कार्पोरेशन सं० 3/5, 3/16, 4/3, श्रीर 4/1 श्रीर नया सं० 5, 6, 3 श्रीर 4 है तथा जो कस्त्रबा रोड़, बंगलौर-1 में में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 मई, 1981।

- को पूर्वोक्त संपरित की उधित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य. उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक क्या से कथित नहीं किया गया है:--
  - (क) अन्तरण से हुई कियी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
  - (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती बी० एम० एच० ग्रान्डरसन
- (2) श्रीमती एम० जें० बी० एल० जोनस
- (3) श्री डी० एम० एस० श्राडरसन सं० 5, कस्तूरबा रोड़, बंगलीर-1

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स कर्नाटक रियलटरस प्राईवेट लिमिटेड रिज-स्स्टर्ड प्राफिस सं० 83 में एम० जी० रोड़ सिविल स्टेशन, बंगलीर इसका प्रतिनिधियां हैं डाइरेक्टरस् (1) श्री सादत ग्रली खान (2) श्री जिन्नया हमीम
- (3) (1) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम भ्रायल कंपनी (पेट्रोल बैंक) (2) शंकरानारायण उराला (3) के० सी० पापचान (4) एस० पेकाक (5) श्री कन्नन (6) श्री सरगज्नन (7) एम० पीटरस् (8) एम० लीन (9) श्री एस० वसेवियर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के तिए कार्यनाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिंस- बन्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गजा है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 634/81-82 दिनांक 16-5-1981) घर संपत्ति है जमीन मिलके जिसका पुराना कार्परिशन सं० है 3/5, 3/16, 4/3 और 4/1, और नया सं० है 5, 6, 3 और 4 तथा जो कस्तूरबा रोड़ बंगलौर-1 में स्थित है।

मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त निरीक्षण, घ्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक : 4-1-1982

## प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/5-81/. 7908—-श्रतः मुझे, विमल विशष्ट,

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 4633, 19-ए, है तथा जो श्रंसारी रोड़, दिर्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) एस० चन्द एंड कं० लि० ग्राम रामनगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जतीन्द्र पाल सिंह तनेजा सुपुत्र एस० प्रीतम सिंह तनेजा, एंड प्रदर्स ई-22, कालीन्य, कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाधियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्स्ची

म्युनिसीपल नं० 4633, 19-ए, भ्रांसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली ।

> विमल विभिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--- 8--446GI/81

विनांक: 4-1-1982

प्रकृप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० श्रार०-1/5-81/7879—-प्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 2648, है तथा जो ग्राराजी 115 वाक्य गली बदिलयान, इलाका-9, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरक ते हुई किसी नाथ की वावस, उपल अधिवान के वधीन कर दोने के ज्ञारक के दायित्व में कभी कारने या उससे वधाने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एची किसी बाय या किसी भूग या बच्च आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्जारती दयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती लीलावती पत्नी स्व० लक्ष्मीनरायण 2648, चूड़ीवालान, दिल्ली-6।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री निर्मेल प्रसाद. 2648, चूड़ीयालान, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किया, ह्या दिना दिना।
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त वृषिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वृहीं वृषि होगा जो उस सुध्याय में विया ग्या है।

### अनुसूची

एक सकाम तीन मंजिला प्रो० 2648, बयम तहल श्राराजी 115, वाक्य गली बदलियान, इलाका नं० 9, दिल्ली-9।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली,

दिनांक: 4-1-1982

प्ररूप बाह् .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-1/5-81/7857—श्रन: मुझे, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंगीत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2791-92, है तथा जो छत्ता सुफी जी, पीपल महादेव, हीजकाली, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रमुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1981।

को पूर्विकत संपन्ति के उचित्र वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ स निम्निल्यित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्विक अप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूत्रिया के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (10?2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तों रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्भात् :--

(1) श्री कुष्ण नारायणु गुष्ता सुपुत्र श्री महाराज राम, 2791-92, छत्ता सुफी जी, पीपल महादेव, हीजकाजी विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्वेश कुमार गोयल व रामकुमार गोयल, सुपुत श्री नारायण दास 2878, गली जाजमपुरीया, सिरकीवालान, दिल्ली।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्जाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत, क्या किसी में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोष्ठ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्रो० 2791.92, वाक्य सुफीजी पीपल महादेव, इलका नं० 6, दिल्ली।

> विमल विशष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली।

विनांक : 4-1-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/5-81/ 7856—अत: मुझे, विमल विशिष्ट,

कापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिभकी सं० 2791-92, है तथा जो छत्ता सुफीजी, पीपल महादेव, इलका तं० 6, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्शीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही ओर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री कृष्ण नारायण गुप्ता सुपुत्र महाराजा राम, 27-91-97, छत्ता मुक्तीजी, पीपल महादेव, हीज काजी, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवकीनन्दन राकेण कुमार गोयल, सुपुत्र नारायण दास, 2878, गली जाजमपुरीया, सिरकीवालान, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनसची

प्रो॰ 2791-92, वाक्य छत्ता सुफीजी, पीपल महादेव, इलाका नं॰ 6, दिल्ली-6।

> विमल विभिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली।

दिनांक : 4~1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार- /5-81/7917---श्रत: मुझे, विमल विशष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 19-ए, है तथा जो म्युनि० नं० 4633, ग्रंसारी रोड़, दिखागंज, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख मई, 1981।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफाल के लिए उन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीन निम्नतिश्वति व्यक्तियों, अधीन निम्नति विष्यति व्यक्तियों, अधीन निम्नति विष्यति व्यक्तियों, अधीन निम्नति विष्यति विष्यति विष्यति विष्यति विषयति विष्यति विषयति विष

- (1) मैं ० एस ० चन्द्र, एण्ड कं ० लि ० राम नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री म्रोम प्रकाश गुप्ता सुपुत्र श्री राम रिख्रपाल, निवासी कटरा मसरू, वरीबा, दिल्ली।

. (अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सँ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 19—ए, म्युनिस्तिपल नं॰ 4633 : माप-760 वर्ग गज, ग्रंसारी रोड़, दरिया गंज दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण), ग्रजन रेंज 2, दिल्ली,

दिनांक : 4-1-1982

प्रकृष आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 29, है तथा जो नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक्क श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विज्त है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1981।

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्./या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्धात्:— (1) मैं ॰ गुप्ता श्रायरन एण्ड प्रैस वर्कस, एण्ड श्रदसं 29 नजफगढ रोड, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० चेतन स्वरूप एण्ड विनोद स्वरूप एण्ड श्रदर्स, 19 नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्रो० 29 नजफगढ रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया स्कीम नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

दिनांक : 4~1~1982 ।

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

म्रापकरं ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०--ग्रार---/5-81/7944----ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 35/7, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महम से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हे और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हैं । कीन नहीं कि । जया है: --

- (क्त) प्रत्तरण में हुई किनी प्राय की बागत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के प्रत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/ण
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने नें पुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री धर्म कीर्ति, सुपुत्र श्री श्राज्ञा राम, 35/8, वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंजीत सिंह सुपुत्र श्री जगत भिंह निवासी 35/7, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोत्तरताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

· स्पष्टी अरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

क्वार्टर नं० 35/7, बेस्ट पटेल नगर, 100 वर्ग गज, नर्ध विल्ली ।

विमल विशिष्ट, मक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रीयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनाक : 4~1~1982

### प्रकप काई • टी • एन • एस • ~--

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982 निर्देश सं० श्नाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्नार-7/5-81/ 4636--श्नत: मुझे, विमल विशिष्ट,

लायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा प्रया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सवाम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्वार सम्मत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शामपुर, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृथ्यमान पतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्जी का सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पण्डाह प्रतिगत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और खन्तरिती (धन्तरितियों) के बोब ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निमानिबत खर्थ्य में जनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। ---

- (स) अन्तरण ते हुई ित तो आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरण क राणिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चिनियम, या प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए का, छिपाने में मुखिधा के लिए।

श्रतः अवः उदत अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, ंविकत अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित् व्यक्तियों धर्यात् :--- (1) श्री राम नाथ सुपुत्र श्री पतराम, श्रभय राम, थाम्बो श्रीर शेर सिंह सुपुत्र श्री वलपल, निवासी-शामपुर, विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री श्रमर जीत सिंह निवासी~95/4, काशमीरी राजो मजरा पटियाला, पंजाब।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्मित के सर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध पें कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन को नारोख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वो नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्ष रो के पास शिखित में किए जा सर्कोंगे ।

श्यवदी चारणः चन्द्रसमें प्रयुक्त शब्दों और नदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 555,5 वर्गगज, ग्राम समेपुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम ग्रीधकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 4**~1**~1982

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2. नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/ 7/एस० श्रार-7/5-81/4637—-श्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम णामपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप. मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981।

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक ख्प में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री राम नाथ सुपुक्ष श्री पतराम एण्ड श्रदर्स, निवासी— ग्राम-शामपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह सुपुत्र लाल सिंह निवासी 95/4, गली काशमेरी राजो नजदा पटियाला, पंजाश्व (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगत्त्वी

कृषि भृमि क्षेत्र 555 वर्ग गज, ग्राम समेपुर, दिल्ली।

धिमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नीलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनांक: 4-1-1982

मोहर:

9-446GI/81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2-5-81/6633—श्रत: मुझे, विमल् विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 12, रोड़ नं० 53 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप.से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को प्यों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- एस निम्नलिखित उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुभरण में में, सक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) मैं ० धेरू मल कपूर एण्ड सन्स, 66—जी० बी० रोड़, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० कपसन्स कं ० (रिज ०) देशबन्धु गुप्ता मार्केट, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रविकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 12, रोड़ नं० 53-बी, पंजाबी बाग. नई दिल्ली, क्षेत्र 666.66 **वर्ग** गज।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

वि**मांक** : 11-1-1982

प्ररूप साई० टी० एन० एस●---

न्नाय तर प्रधिति स्त, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) **के प्रधीत सुवता** 

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-2/5-81/4618—ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पासिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- छपों से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव डिजीन कलां, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक्ष है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग् को, अनुसरम् मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री टेक चन्द पुत्र श्री जय लाल, निवासी गांव डिचीन कलांन, नजफगढ़, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल क्यातरा, पुत्र श्री परमा नन्द क्यातरा, निवासी 21/165 दुर्मजिला क्याटर्स, कबूल नगर, णाहदरा, दिल्ली ।

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृत्ति के अर्जन के विष्यु कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पृतितु के नर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप् ६---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रामा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि जोकि गांव डिचीन कलां, दिल्ली में स्थित है।

विमल विधाष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, नई विस्ली

दिनांक: 13-1-1982

### प्ररूप सार्धि टो • एन • एत • --

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2. नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 जनवरी 1982 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/5-81/4620--अत:, मझे, विमल विशिष्ट,

श्रीयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधितिथम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव डिचौन कलां, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिय है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरितो (ब्रह्मितियां) के बोज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत जिम्मिताबा उद्देश्य में उक्त अग्तरण लिखित में जन्मितिक कर्म क्रिया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री टेक चन्द पुत्न श्री जय लाल, निवासी गांव डिचौन कलांन, नजफगढ़, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल कपूर पुत्र श्री बोध राज कपूर, निवासी एन-7, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरो।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जोकि गांव डिचौन कलां, दिल्ली में स्थित है।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, न**ई दिल्ली** 

दिनांक : 13-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आंबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982 निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० म्रार०-1/5-81/7914—भ्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3036-371 बी० है तथा जो पहाड़ी धीरज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तितयों, अर्थात् :--

- (1) श्री मंगत राम व श्री मुलख राज पुत्रगण श्री राम् लाल, निवासी 3036-37, पहाड़ी धीरज, विल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लीना ग्रोवर सुपत्नी श्री एस० पी० ग्रोवर, निवासी 3086, बहादुरगढ़ रोड़ रिंदल्ली। (ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त हैं। स्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत् सूचना के राजपाश में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अबिश्व देश तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 3,0 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा≯
- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में अकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावक सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अकोहस्ताकारी के पात सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस आध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 3036-37, पहाड़ी धीरज, दिल्ली ।

विमल विशष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-1-1982

### प्रकृष आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-2/5-81/4594—श्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टिकरी कलां दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान शित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक : रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [सए; आहे/या
- (ब) एसी किसी आग्न या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-यु के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तिस्त्रों, अर्ध्नात्:—— (1) श्री प्यारे लाल सुपुत्र श्री रती राम, ग्राम-टिकरी कलां, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रोम प्रकाश, उमेद सिंह श्रौर रतन सिंह सुपुत्र श्री प्यारे लाल निवासी—टिकरी कलां, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बीषे ग्रौर 9 बिख्वे, ग्राम टिकरी कलां दिल्ली।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)• ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 4-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

**बायकर अभिनियम, 1961** (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सृचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982
निर्वेश संब्धाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्राप०~2/5~81/4631—श्रतः मुझे, विमल विणिष्ट,

जायकर शिक्षितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शामपुर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उन्हत अणीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अपित :-- (1) श्री राम नाथ मुपुत्र दलपत, निवासी-ग्राम-शामपुर, विल्ली ।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्रीमती पनायती पत्नी श्री के० एल० चावला एण्ड ग्रदर्स एफ-295, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस सं
  45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो. उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अप्रमुची

कृषि भूमि माप-1 बीघा श्रौर 6-1/2 विश्वे, ग्राम समेपुर, विल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विमांक: 4-1-1982

मोहर 🗈

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/5~81/ 4595--यतः मुझे, विमल वशिष्ट,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ई-42, है तथा जो न्यू मुलतान नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनयम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था कियाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिहित व्यक्तित्वों, अधीत् :—— (1) डा०के० जी० श्ररोड़ा नियामी - सी० श्री० ए-2/183, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार जैन, नियासी-ग्राई-133, श्रशोक विहार, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूभना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### अम्सूभी

प्रो० नं० ई०-42, माप 206-6/9, वर्गगज, न्यू मुलतान नगर, ग्राम—जवालाहरी ग्रौर मावीपुर, दिल्ली ।

विमल विशष्ट, सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 4-1-1982

मोहर 🕃

प्रस्प आई• टी॰ एन॰ एस॰⊸-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

### , भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/5-81/ 4640--यतः मुझे, विमल विणिष्ट,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के द्मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई, 1981।

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य में उपन यन्तरण लिखित में वास्तविक **अ**प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उपत ग्रधि-नियम के अर्धीन कर देते के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भागया किसी धनयाभन्य अवस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922-का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में **∵सुविधा**ंके लिए ;

अतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खकत ब्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:----

(1) श्री राम नाथ सुपुत्र पतराम—एण्ड ग्रदर्स, निवासी-ग्राम-समेपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पनावती श्री के० एल० चावला--एण्ड ग्रदर्स एफ-295, नयू राजेन्द्र नगर, नई विल्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की श्वारीखाः 4.5 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित· बढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, म्राधिनियम के भ्राज्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, .जो उन भ्रध्याय में वियागया है।

## अमुस्ची

कृषि भूमि माप 1333. 5, वर्ग गज, ग्राम समेपुर दिल्ली।

विमल विशष्टः सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनाक: 4-1-1982

मोहरः

10-446GI/81 ·

### प्ररूप आइ. ही. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

नि, श सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/5-81/4632--यतः मुझे, विमल विशष्ट,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भीर जिसकी संख्या सी-56/2, है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1981

का, पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तरिक रूप से किशात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

(1) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री गिरधारी लाल निवासी-सी-4, काका नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल एण्ड कुलवन्त राय, सुपुत श्री गृरअचन दास, निवासी-सी-56/2, शिवाजी पार्क, रोहतक रोड़, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृत्तीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य अ्थेक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० 2, ब्लाक नं० सी-- 56, शिवाजी पार्क, दिल्ली । विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिनित व्यक्तियों, अधितः—

<sup>1</sup>दनांक: 4-1-1982

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/5-81/4639—यतः मुझे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मामित, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर ईससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के. ग्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप गोंक्त गंपित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है...

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे अकने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री राम नाथ सुपुत श्री पतराम-एण्ड श्रदर्स, निवासी ग्राम-समेपुर, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती फूलमाला जन पत्नी श्री सुखबीर सिंह जैन, 4798-99, डिप्टी गंज, दिल्ली-6,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कतं सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, **जो भी** अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति , व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

### वन्स्ची

कृषि भूमि माप 666.0वर्ग गज, समेपुर, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 4 जनवरी, 1982

मोहर 🖫

प्रकप आई० दी• एन० एस•---

माध्यक्य अञ्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के बादीन सूचना-

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली

एच-ब्लाक , विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोक 4 जनवरी, 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/3/एस० श्रार०-2/5-81/ 4638—-यतः मुझे विमल विशिष्ट

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम समेपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षस से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षत का पन्त्रह प्रतिशत से स्विक है ग्रीन मन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नतिक्षित उद्देश्य से अन्तरण विश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरम ले हुई किसो आप को बाबा उपत अधिक नियम के प्रधीन कर हो के अन्तरक के दायिखा में कमो करने या उससे अवने में पुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आहितमाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 1. श्री राम नाथ सुपुत्त श्री पतराम —एण्ड भ्रवसं निवासी ग्राम समेपूर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रमृतकौर पत्नी स० सन्त सिंह एच-20 प्रताप नगर, दिल्ली श्रीर कुलदीप कौर पत्नी स० जोगिन्दर सिंह निवासी 1549/1-ए, रोहतास नगर, शाहदरा।

(भ्रन्तरिती)

### रक्त सम्पत्ति के पर्यंत के संबंध में कोई-भी-भाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामीस से 30 दिन की घवकि, जो भी घविंव
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख सें

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में

  हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारों, भधीहस्ताकरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का जो छक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्यी

कृषि भूमि क्षेत्र 666.0, वर्ग गज, ग्राम समेपुर, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, एथ ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थेट, नई दिल्ली

वृतः अत्र, उक्त वृधिनियम, की धारा 269-व के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-वृकी उपधाराः (1) के वृधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों वृथिकः--

दिनांक: 4 जनवरी, 1982

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज 2
एच बञ्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई॰ ए० सी०/एक्यू०/2/एस॰श्रार०-2/०ब८1/ 4621—स्तः मुझे विमल विशिष्ट

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रापए में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बखतावर पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिज-स्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को प्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधि-'नियम के प्रमीन कर देने के अस्तरक के दायित्व 'में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम का धनकर भिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के स्पीन निम्निविधिय व्यक्तियों वर्षातुः--

 श्री रामु सुपुत्र श्री इन्द्राज, ग्राम बखतावरपुर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती रूपवती पत्नी श्री राजिन्दर सिंह—एण्ड श्रदर्स ग्राम तेजपुर, विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्माम के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यक्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रवधि जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्रों का जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, अना श्रध होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षत्र 4 वीषे घौर 16 विषये, ग्राम बखताबर पुर, विल्ली।

विमल विणिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज 2, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 4 जनवरी, 1982 मोहर ः प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस -----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2 र्च म्लाक, विकास भवन, ग्राई०पी० एस्टेंट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिगांक 4 जनवरी, 1982

भिर्वेश सं० ब्राई० ए० ती०/एक्यू०/श्रेएस० ब्रार०-2/5-81/ 4597—यतः मझे, विमल वर्शक्ट

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 242, है तथा जो रानी बाग, शकूर बस्ती, में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रधीन दिनांक मई, 1981 को

प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्तियाँ में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री राम नाथ मल्होत्ना सुपुत्र श्री लश्मी दास मल्होत्रा 1523, रानीबाग, शक्रूर बस्ती, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विमला गर्मा विधवा विश्वनु दत्ते गर्मा, 1535, रानी बाग, गक्रूर बस्ती, विस्ली (श्र-तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्रो०नं० 242 (पूरानी) श्रीर नया नं० 1030, रानी बाग, मकुरबस्ती, विस्ली।

विमल विभिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज एच ज्लाक, विकास भवन श्राई० पी० एस्टेट, नई विस्ली

दिनांक 4 जनवरी, 1982 मोहर : प्रकप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2

एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-2/5-81/ 4081——श्रतः सुझे विमल विशिष्ट

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी मं० ष्रब्ल्यू जैंड-358 र, तथा जो ग्राम निहाइ (शिव नगर) में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्तित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ज़िभिनियम के अभीन कर दोने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की एपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थातु:——  श्री बिहारी लाल जोशी, सुपृत श्री राम चन्द जोशी डब्ल्यू जैड-357, शिव नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० चरनजीत सिंह सुपुत्र म० प्रीतम सिंह, सी-6-बी/194, जनकपुरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के अभ्वत्य में कोई भी आक्षंप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनसभी

डब्ल्यू-जैड-308, (बी-2/34), णिव नगर, ग्राम तिहाड़, दिल्ली ।

विमल विशारि समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज 2, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 4 जनवरी, 1982

प्रस्प माई० टी० एन० एस०---

आय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

• कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2.

एच ब्लाक, विकास भवन, आई०पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०्प्रार०-2/5-81/4539—श्रत: मुझे विमल विशिष्ट

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 है। 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन पश्च प्रधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28/ए हैं, तथा जो कृष्णा पार्क, ग्राम पोसंगीपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1958 (1958 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्कमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिविक कुप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उका भ्राधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्लरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या वक्त प्रधिनियम, या वक्त प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः, भव, उन्त श्रिप्तियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत श्रीष्ठितियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के श्रीष्ठान, निम्नलिखित व्यक्तियों,श्रर्थात्।---  डा० रमीन्दर नाथ सिंह सुपुत्र श्री राजेश्वर नाथ सिंह डब्स्यू-जैंड-134, शिव नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

श्री जगदीश चन्दर, सुपुत्र श्री जीसाराम,
 डी-ई-/133, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य क्यकिन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों थीर पदों का, जो उक्त श्रीक्ष-नियम के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन ग्रष्टगाय में दिया गया है।

### अनसर्ची

प्रो० नं० 28, ब्लाक-ए, कृष्णा पार्क, ग्राम पोसंगीपुर, दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 4 जनवरी, 1982

प्ररूप ग्राई० टो० एन० एत० ----

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०न्नार०-2/5-81/4611---यतः मुझे विमल विशिष्ट

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269 ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है के स्थापर सम्पति, जिल्लाका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए-7 है, तथा जो फतेह नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 (1958 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिंतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। विश्वास सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिका प्रधिष्ठ है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित बास्तविक छन मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के अधीन कर देने के अश्वरक के दायित्व में कया करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (छ) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य बास्तिगों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रधा जा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिविध के लिए;

नतः अव, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

 श्री कुलजीत सिंह सुपुत्र श्री दिवान विणन दयाल निवासी बी-85, रमेण नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री रणेजीत सिंह बेदी सुपुत्र श्री परमात्मा दास बेदी निवासी के-21, फतेह नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के यजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजगत्र में पकाणन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्ष में पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

मकान नं० ए-7, खसरा नं० 603, ग्राम तिहाड़, फतेह नगर नई दिल्ली ।

विमल विधाष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 एष ब्लाक, विकास भवन, ग्राई०पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीखा : 4 जनवरी, 1982

## प्रकप् बाइ .टी. एन्. एस. ------

बाय्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

एच ब्लाक , विकास भवन, श्राई० पी स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०श्रार०-2/5-81/ 4629, ─~श्रन: मझे विमल विशिष्ट

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 117 है, तथा जो तया तं० 2154, रानी बाग गकुर बस्ती, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निस्तित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) प्रकारण मं हार्ड कि.सी काथ की दावन, जान अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित स्थितियों सभावः—

- श्री सुनीरमल सरकार, जनरल ग्रटर्नी श्री सुप्रभात सरकार निवासी 779, निजालशंत रोड, के० गेट, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्री एल० श्रार० पाठक सुपुत्र श्री मोहनलाल पाठक 117, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

डबल स्टोरी बिलडींग म्युनिसिपल नं० 117, नया नं० 2154, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली।

तिमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
धर्णन रेंज 2,
एच ब्लाक, विकास भवन
ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 4 जनवरी, 1982

प्ररूप आर्ध o टी० एन० एम० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,

एच-ब्लाक, विकास भवन, ब्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० एसी०/एक्यू०/2/एस०आर०-2/5-81/4561—अत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुंरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्माल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुबांक्त सर्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रित्माल का पत्यह प्रिश्चल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रित्माल, निम्नितिब्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तिविक है म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री विशन निवासी ग्राम बुंरारी, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्री मती राज कुमारी, निवासी-जगतपुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति चूनारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

#### धन्**स्थी**

कृषि भूमि 14 बीघे और 8 विण्ये,ग्राम-बुरारी, ,देल्ली विमल विणिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निमनतिस्ति व्यक्तियों, अर्थीत् :---

तारीख 4 जनवरी 1982 मोहर:

## प्रकप आई० टी० एन० एस०--

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2,

एच ब्लाक, विकास भवन श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई. ए० सी० एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/5-81/ 4566---श्रतः मुझे, विमल विशष्ट,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

ग्रीर जिसकी सं० बी/29 है, तथा जो कालोनी शंकर गार्डेन, ग्राम पोसंगीपूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1998 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1981

को प्नोंक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविद्ध रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों हो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रव, उक्त मधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थातु:--  श्रीमती नरोन्दर कौर पत्नी श्री राजपाल सिंह, निवासी जी० डी०/13, 'जी ब्लाक', हरी नगर, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दीदार सिंह सुपुत्र एस० श्रमीर सिंह 2/198, सुभाष नगर, नई दिल्ली

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन<u>ु</u>स्ची

प्लाट नं॰बी/29, स्थापित 200 वर्ग गज, कालोनी, शंकर गार्डेन, ग्राम पोसंगीपुर, दिल्ली भ

> विमल विशिष्ट संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4 जनवरी, 1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, 2

एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी०-ए स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/5-81/ 4588—स्रतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर गंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० हापि भूमि है तथा जो ग्राम गढ़ी खुशरो, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वेवित संपत्ति के उचित बाजार भून्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तिरित की गई है और मुफे यह विश्वास कारने का कारण है कि सथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल दिस्निलिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उन्दत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मा, गी, उन्दत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, अधीत्:—-  श्री रीजल सिंह सुपुत कन्हैया, निवासी ग्राम मखमलपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 मैसर्स राणा, भाटा कं० ग्राम मखमल पूर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अत्रीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मर्ब्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघे 10 विष्वे, खसरा नं० 159, 163 164 स्थापित ग्राम गढ़ी खुशरो, दिल्ली।

> विमल विकाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज 2, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारोख: 4 जनवरी, 1982

मांहर:

प्ररूप आर्इ.टो.एन.एस.-----

**अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०ग्रार०-2/5-81/ 4540—-यत: मुझे विमल विणिट

आरकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पति, जिनका अचित बाजार सूख्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ग्रार ए-76 है, तथा जो इन्दरपुरी एक्स० नं० 2, में स्थित है (ग्रौर इसरे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रं।कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रंगकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री राम प्रकाश मल्होन्ना, सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगत राम मल्होत्ना, निवासी ग्रार ए-76, इन्द्ररपुरी, कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्दर कुमार सिंघल सुपुत्र श्री शंकर लाल सिंगल निवासी इ-श्रार-27, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तृरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिक्त क्यों क्रित में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं श्रार-ए-76, स्थापित 200 वग गज, इन्दरपुरी एक्स॰ नं 2, एरिया, ग्राम नरायणा, नई दिल्ली खसरा नं 1601, श्रीर 1602

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रोंज-2, एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 4 जनवरी, 1982

मोहर ः।

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रज 2

एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/5-81/7907—यनः मुझे विमल विशय्ट

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि अधीन सेकिन जिसका उत्तित बाजार मृन्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 4633, 19-ए है, तथा जग श्र सारी रोड, दिया गंज, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (म) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सुविधा क लिए.

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एस० चन्द एण्ड कं० लि० एण्ड 16-बी/4, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल कृष्ण शिवानिया सुपुत्र श्री पी० डी० सिवानिया 4280/3, दरीयागंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख स 45 दिन के भीतर उपन स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

पहली मंजिल प्रो० नं ० 4633, 19-ए, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ला ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप आर्ड् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2

एच ब्साक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ल: दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सः०/एक्यू/2/एस०श्रार०-1/5-81/7855---यतः मझे विमल विशिष्ट

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 $^{/-}$  रहे. से अधिक है और

जिसकी सं० 5073 है तथा जो क्या॰ नं० 3, रोशनग्रारा रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण कप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पिट्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिट्स का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान एतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री जगन नाथ मुपुल श्री गणेश दास नियासी क्या० नं० 5073, रोशनाग्ररा रोड, विल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री दिवन्दर पाल सिंह पुत्र श्री मनमोहन सिंह, निवासी 9380, गर्ली डोरवाली, टोकरीचालान, श्राजाद मार्कीट, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की नामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी अ्यविस स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

### अनुसुची

क्वाटर नं० 3, म्युनिसिपल नं० 5073, रोशनश्चारा रोड. दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) प्रजैन रेंज 2 एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 11 जनवरी, 1982

प्रकृष आर्घ .टी .एन .एम . ------

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

एच ब्लाक विकास भवन, आई० पी० एस्टेंट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०क्रार०-2/5-81/ 7852—यतः मुझे विभल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० 1147 है, तथा जो वारादरी नबाब वजीर, फाटक हवस खान, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसांक मई, 1981

वमें पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (त.) जन्तरण सं हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती स्वरुप रानी पत्नी श्री श्रमर दास -- व श्रम्य निवासी 4400, रंजीत पुरा, पोस्ट श्राफिस खालमा कालेज श्रमृतसर

(अन्तरक)

 श्रीमती गुनवती देवी पत्नी श्री चन्द्र गुप्ता, निवासी 1147, बारादरी, नवाब वजीर खान, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्स्ची

एक दुर्मि जाना मकान का श्राधा हिस्सा जोकि. 77.1/2 वर्ग गण भूमि पर बना है तथा जिसका नं 1147 है तथा जो बारादरी, नबाब वजीर, फाटक हबस खान, दिल्ली म स्थित है।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, एच ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 4 जनवरी, 1982

मोद्वर:

प्ररूप आइ. टी, एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भू (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 2

एक ब्लाक , विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई किल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/5-81/7878--यतः मुझे, विमल विशिष्ट,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 69 है, तथा जो नई कुतुब रोड, मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रुप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप सं किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यकास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अधीत्:---

1. श्री हंसराज पुत्र श्री नारायण दास, निवासी 18/2, कालकाजी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री अरिवन्द कुमार पुत्र श्री राधा कृष्ण निवासी डी-48, कमला नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकति।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 69, नई कुनुब रोड, मार्किट, दिल्ली

विमक्ष विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेंज 2 एच ब्लाक, विकास भवन, ध्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 13 जनवरी, 1982

मोह्दर 🖫

प्ररूप आई.दी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2 एच-व्लाक, विकास भवन, श्चाई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए०सो०/एक्यू०/2/एस०म्रार० 1/5-81/7910---यतः मुझे, विमल विभिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 1223 है, तथा जो वार्ड नं० 9, गली सूर्व-पोणान, टोकरी वालान, चुड़ीवालान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1981, पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्षत अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती मकसूद बेगम विधवा पत्नी श्री सहिद हुसन, 1420, गली गोन्डारी वाली, कलां महल, दरिया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री हाजी इमामुदीन सुपुत्त श्री राजी उदीन, एण्ड ग्रदर्स 1833, छत्ता ग्राधाजान, कुंचा चेलन, काला महल, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस<sup>्</sup>अध्याय में दिया गया है।

#### मन सची

् प्रो० नं०मकान नं० 1223, वार्ड नं० 9, गली सुर्ख पोशन, टोकरी वालान, मोहल्ला चुड़े वालान, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, एच-ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 4 जनवरी, 1982 मो**हर**ः प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

थ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज 2
एच-ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार०-2/5-81/4578—स्तः मुझे बिमल विशिष्ट

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- स्वत् से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० ऋषिभूमि है तथा जो साम होलम्बी कलां, दिल्ली म स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रतिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्डह प्रतिगत से अबिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया नया प्रतिकत, निम्तिविधित उद्देश्य ते उसा पन्तरण निश्चित में बास्तविक इस्थ से किया नहीं किया गया है:——

- (क. ग्रन्तरण ने हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राह्म-नियम के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य पास्तियों
  को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने
  में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त उधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्राणाराम सुपुत्र श्री भोला, निवासी ग्राम-नेबपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री प्रेम चन्द, प्रभावती पत्नी सुमान्दर सिंह, श्रीमती कुषुम देवी पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह निवास: ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षोर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन का तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यव्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर पथीं का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वही अर्थ होगा जो छम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि एरिया, 14 बीघे, 8 विश्वे, ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली खसरा नं० 61/10, 11 श्रौर 62/6,

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, एच-ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 4 जनवरी, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक मायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए.० सी०/एवयू० 2/एस-आर-2/5-/81 4583---ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक और

जिसकी संव मोप नंव 49, है तथा जो कालोनी इन्दर पुरी, ग्राम-नारायणा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याज्य, दिल्ली - में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) कुमारी मोहिन्दर कौर, सुपुती एम० इन्दर सिंह निवासी मकान नं० 8, ब्लाक नं० 49, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जय विश्वन गोयल सुपुत्र श्री रामपत गोयल, निवासी ई-ए-1281, इन्दरपुरी, नई दिल्ली-12। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

श्रार/शोप नं० 49, क्षेत्र 216-6/3, वर्ग गज, स्थापित इन्दरपुरी ग्राम-नारायणा, नई दिल्ली ।

> तिन्त निगः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 2, मई दिल्ली

नारीख : 4**--1-198**2-

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1982

वायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के विधिन स्थान प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 र स. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 20बी०/108 ए० है तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण एप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता खिमाई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृष के लिए अन्तरित की पद् है बार मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृष से, एसे दृश्यमान प्रतिकृष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त- विक इप से करित नहीं किया ग्या है:---

- (क) वन्तरक संहुई किसी वाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भून या नाय नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रा था वा किया पाना जाहिए वा कियाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दिवन्द्र सिंह पुत्र श्री मोहर सिंह, 20/20, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री मीहिन्द्र सिंह व श्री भूपिन्द्र सिंह सुपुत्रगण श्री वर्णन सिंह निवासी 20/20, तिलक नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

### अनुसूची

क्वाटर नं ० 20-बी/108-ए, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, दिल्ली

नारीखा : 11~1-1987

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज -2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस ग्रार-2/5-81/ 4584:—ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संज है तथा जो कृषि भूमि गांव लोहर हरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट/था
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म मृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अवृति हिन्स (1) श्री जय जाल पुत्न श्री हंम राम निवासी डब्ल्यू० जैड-303, पालम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री जमबीर सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह निवासी के-45, कीर्नि नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपिक्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिघा 1 विश्वास जो कि गांव लोहर हरी, पालम दिल्ली में स्थित है।

> विमल विषिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1982,

मोहर 🖫

प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन ऐंज~2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 13 जनवरी, 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो कृषि भूमि, जोकि गांव लोहरहरी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्थीत्:--

 श्री जय लाल पुत्र श्री हंस राम डब्ल्यू० जैइ-303, पालम, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री दलबीर सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह (2) श्री जीवन सिंह पुत्र श्री श्रात्मा सिंह निवासी के~45, कीर्नि नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों ।

स्पच्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

### अन्स्ची

कृषि भूमि जोकि गांव लोहरहरी, पालम दिल्ली में स्थित है।

> विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंज 2, दिल्ली।

**तारीख:** 13-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्वना

### भा<u>र</u>त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन ेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1982
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/5-81/4577:----यतः,
मझे, विमल विशिष्ट,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव लोहर हरी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चोश्यों से उच्क अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——
13—446GI/81

(1) श्री जय लाल पुत्र श्री हंस राम निवासी पालम, डब्स्यू० जैंड-303, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कुलजीत सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, निवासी के-45, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जोकि गांव लोहर हरी, पालम, नई दिल्ली में स्थित है।

> विमल विशिष्ट, समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 13-1-1982.

मोहर ः

प्रस्प आई० टी० एन० एस० ----

ग्रायकर **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ** (1) के <mark>ग्रधीन सूच</mark>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी, 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस-म्राप्-।/5-81/7938:---यत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं • म्युनि • 737, है तथा जो वार्ड-6, गली सौदागरन बलीमारन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वायत उक्त विध-तियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट ,नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;
- कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री घनश्याम दास सुपुत्र स्वर्गीय श्री कैदार नाथ, निवासी-507, हवेली हैंदर कुली चान्दनी चौक, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी गुप्ता पत्नी श्री सुरेण कुमार गुप्ता श्रीर सारदा गुप्ता पत्नी श्री श्रशोक कुमार गुप्ता निवासी-103, दरिया गंज, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई ची बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपज में प्रकानन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्मध्याधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (श्व) इस सूचता के राजपत में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए अर सकींगे।

स्पड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पटों का, जो उकत श्रिक्षिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही भयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिशा

## **मन्**स्**षी**

म्युनिसिपल नं० 737, वार्ड नं० 6, गली सौदागरन, बलीमारन, दिल्ली, क्षेत्र 256.6 वर्ग गज ।

> विमल विशिष्टः सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 4-1-1982

प्ररुप आई. टी. एच. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/7/एस ग्रार/1/5-81/7877:---ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट,

शायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- ६० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी-40/1 है तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य तसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसो किसो आय या किसो धन या अय्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त व्यधिनियम की घारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री रिव पाल पुरी, (2) सुनीता भगत व अन्य, निवासी ए-122, शारवापुरी, दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री मुन्धेवर लाल बतरा पुत्र श्री सीता राम निवासो बी-40/1 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितो !

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इन स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारोख में 45 दिन की सबिध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की लामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
  - 'ख) इन मुनना के राजपन रे प्रशासन की नारी आप से 45 दिन के भीतर छका स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अरुप व्यक्ति दारा अधीहरूना आसरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे :

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है तहीं अब होगा, ना उस अध्याय में तिया गया है।

### **अन्स्**ची

क्वाटर नं० बी-40/1, रमेश नगर, नई दिल्ली।

विमल विणिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -2, नई दिल्ली।

तारीख: 11-1-1982.

मोहर ः

## प्रकप जाई० टी • एन • एस •

## भायकर सिधिनसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के स्थीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी, 1982

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस-ध्रार-1/5--81/7876---यतः मुझे, जिमल विशिष्ट,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं 5 -सी/94 है तथा जो न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में

रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फान निम्निविचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिन्ति में वास्त्विक स्व से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्य) अन्तरम् से हुई किसी आयु की बाबत उक्त मि-नियम् के अभीत् कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनिग्रमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः कें, में, उक्त अधिनिग्रम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिहित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री गुरबक्श सिंह तथा श्रन्य पुत्रगण श्री रूप सिंह, निवासी खन्ना बिल्डिंग, तिकिया कालेज, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज गुलाटी, पुत्र श्री रखा राम गुलाटी, निवासी 5/सी→94, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स्था 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्कत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 5सी/94 न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज~2, नई दिल्ली

तारीखा: 11-1-1982.

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

## भ्रायकर अधिनिश्रमः 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई विल्ली

7888:---प्रत: मझे, विमल विशिष्ट,

नई दिल्ली, विनांक 11 जनवरी, 1982 निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/5-81/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० 1610 है तथा जो बार्ड 13, श्रशोक गली, बहादुर-गढ़ रोड़ दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रिधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त धन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिग्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम, या घनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्रीनती प्रेम रानी पत्नी श्री शेर सिंह निवासी-1432, फ़ेज गंज, बहादूर गढ़, रोड़ दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री दीवान चन्द निवासी-1610, श्रमोक गली, श्रजीज गंज, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्लीं। (अन्तरिती)

को यह सूचना आगी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु**स्**ची

मकान नं॰ 1610 वार्ड 13 श्रमोक गली, बहादुर गढ़, दिल्ली।

> विमण विशिष्ट, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

तारीखा: 11-1-1982.

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुच्ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/2/एस० श्रार०-1/5-81/7889—-श्रतः मझे विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं. 1610 है तथा जो वार्ड 13, ग्रशोक गली बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राथीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्षत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; और/या
- (ण) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्यों, अर्थास्ः—  श्रीमती प्रेम रानी पत्नी श्री शेर सिंह निवासी 1432, फेज गंज, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मला गुप्ता पत्नी श्री ग्यान चन्द गुप्ता निवासी 1610 श्रशोक गली, श्रजीज गंज, बहादुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनुसूची

मकान नं० 1610 वार्ड 13 श्रशोक गली, बहादुरगढ़, दिल्ली।

> विमल विधिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली ।

तारीख: 13-1-1982

मोहर 🛭

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 2.

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ' नई दिल्ली, दिनांक' 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/5-81/7881—श्रत: मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2307 है, तथा जो छत्ता पंजाबियन, तेलीवाड़ा दिल्ली में स्थित है ( श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में की करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुपरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, प्रथीत:—-

- 1. प्रब्दुल प्रलीम, एडवोकेट, निवासी 1818 चांबूक सवारन, लाल कुथ्रां, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- श्री बदरी नाथ श्ररोड़ा पुत्र श्री उत्तम चन्द श्ररोड़ा निवासी 12/12 रिजन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्त<sup>®</sup> सम्पत्ति के** श्रर्जन के लिए का**र्यं**वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्शें और पदों का, जो **डक्**ल प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

मकान नं० 2307 ग्राऊन्ड फ्लोर छसा पंजाबियन, तेली-वाड़ा, दिल्ली।

> विमल विणिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, एच० ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2,

एभ० ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट तई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या ए-34 है तथा जो गांव बसई धारापुर , दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्विक्त सम्मित्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के चीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- श्रीमती मदन बहल पत्नी श्री जोगेन्द्र सिंह बहल, निवासी ए-34 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री एम० के० प्ररोड़ा पुष्त स्वर्गीय श्री लाल चन्द निवासी बी-3/16 राजौरी गार्डम, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूड्भ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

प्लाट नं० ए-34, गांव बसई धारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, एच० ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई विल्ली

तारीख: 11-1-1982

भोहरः

श्रुकप् बाहे, ही, एनं, एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2

एच० ब्लाक, विकास भवन भ्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० श्रार०-1/5-81/7915—श्रतः मुझे विमल विशिष्ट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उष्मित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो जैसा कि पीछे दिया है, रजिस्ट्रीस्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1981

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृष्टिया के लिये; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्रीमती सत्यावती पत्नी श्री राम प्रकाण, 16 जैना विरुद्धिंग, सब्जी मण्डी, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री बुद्ध राम तथा श्रन्य निवासी कटरा इमलीवाला, श्रायिपुरा सब्जी मण्डी दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बर्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु निस्तित में किए जा सकारो।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वस्त्रवी

मकान नं 12/4469, 4471, 4478-79, 4183-84, 4487 से 4489; कटरा इमलीनाला, ग्रायीपुरा, सम्जी मण्डी, विल्ली।

विमल विज्ञिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 2 एच ब्लाक, विकास भवन श्राई० पी० स्टेट, नई विल्ली

तारीख: 11-1-1982

### प्रकप माई • टी • एन • एस • -

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

### म्रर्जन रेंज 2

एच ब्लाक विकास भवन धाई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/5-81/7853—अप: मुझे विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गमा है), की घारा 269-ख के अधीन कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिश्रक है

श्रीर जिकी सं० 3170-72 है तथा जो बाजार सीता राम, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस से उपायद श्रनुसूची में पूर्व रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1981

को वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्बलिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक च्या से कथित नहीं किया गया है:-

- (स) प्रन्तरण से तुई किसी धाय की वाबत उक्त धाँध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसा धन या प्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

श्री शाम बिहारी गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री प्यारे लाल,
 16-की कालिन्दी कालीनी, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्री कृष्ण मुरारी गुप्ता पुत्र श्री प्यारे लाल निवासी 3170, लाल दरवाजा, बाजार सीतरा राम दिल्ली। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाक्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पढ़ों का, जो उक्त भीवित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनस ची

भूमि भौर दूसरी मंजिल मकान नं० 3170 से 3172, बाजार सीता राम, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज 2 एच ब्लाक विकास भवन ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के घंधीत सुचना

### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2

एच० ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/5 81/7859 — भ्रतः मुझे विमल विशिष्ट

धायकर श्रीव्रनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम श्रीधकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं जी जी ज जिल्हा है, तथा जो गांव स्राजाद पुर, दिल्ली, में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध सनुसूची में पूर्व रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल - के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सा पग्रह प्रतिशत अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत; बक्त धिक्षित्यम के अधीन कर वेने के भ्रम्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धव वा घन्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर क्षिधित्यम, 1822 (1922 का 11) या उन्त क्षिधित्यम, या धन-कर ग्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपान में सुविक्षा के सिए;

श्रतः श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के मुभीन, निस्नुलिखित व्यक्तियों, अभृति हुनन-

- श्रीमती रंजना देवी पत्नी श्री जय प्रकाश भारद्वाज,
   29-बी, गोपाल नगर, ग्राजाब पुर, दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्री संतोष वीर, पुत्र श्री सुख लाल, निवासी 4227, ग्रायिपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारील से
  45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
  पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

रूपष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम, के भिवाय 20-क में परिकाखित हैं,⊕ वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### वृप्सूची

प्लाट नं जी । (ए ० / ५, गांव भाजाद पुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज 2 एच ब्लाक, विकास भवन श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख 11-1-82 मोहरः प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

मायकर मि विनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली एच० क्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० मारं०-1/ 5-81/7895—-प्रतः मुझे विमल निशिष्ट

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

धौर जिसकी सं० 15ए/9 है तथा जो ईस्ट पटेल, नगर, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निवित में वास्तिविक रूप से कथित निहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या बन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या अनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिका के लिए;

भतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त मधिनियम की धारा 269-म की ज्यमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात्:--- श्री पी० के० बहुल पुत्र श्री पिशवारी लाल, निवासी
 15ए/9, ईंस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

(जन्तरक)

 श्री गुरदीप सिंह सहगल पुत श्री भगत सिंह सहगल, निवासी 61/6, श्रोल्ड रिजन्द नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20 ह में परिभाषित है, बही श्रषं होगा, जो उप श्रध्याप में दिया गया है।

## ननुसूची

मकान नं 15ए/9, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

विमल विशिष्ट समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, विकास भवन श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1982

मोह र

प्रकृष् **वार**्. टी. एस्., एस.,---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

एच० क्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 11 जनवरी 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/एस० श्रार०-1/5-81/7890—-श्रतः मुझे, विमल विधिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 631-632 है, तथा जो गली घण्डेशवर, कटरा नील, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के मधीन तारी मई 1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक इस्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न सिवित व्यक्तियों अधीन, निम्न

 श्री लिलता प्रसाद पुत्त श्री ज्वाला प्रसाद, डी०-3 भगवान दास नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री जनार्दन प्रसाद, 4/44 सुभाष गली, शहादरा, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थायकीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भनुसूची

मकान नं० 631 व 1/2 हिस्सा मकान नं. 632, गली घण्डेश्वर कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, एच-ब्लाक विकास भवन श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 11-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली एच०-ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० / एक्यू०/ 2/एस० ग्रार०-1/ 5-1/7851----ग्रतः मुझे, विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ.सके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/-रुपए से प्रधिक म्ल्य श्रौर जिसकी सं० 2322-24 है तथा जो बहादूर गढ़ रोड़ विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफेल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच धेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति**फल, निम्नलिखित** अहेपय से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मिन्न नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य आहितयों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर मुर्भिन्यम्, 1922 ((1922 का 11)) या उक्त निभिन्यम्, या चुन्कर अधिनियम्, वा चुन्कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुनिया के हैंच्ए।

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री मनमोहन बत्तरा पुत्र श्री इन्द्र राज बत्तरा 8/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री खैराती लाल पुत्र श्री कुन्दन लाल, 1486 श्रजीज गंज, बहादर गढ़ रोड़, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृया है।

#### अनुसूची

मकान नं ० 2322 से 2324 बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, एच-ब्लाक, विकास भवन ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली।

तारी**ख** 13-1-1982 मोहर:

## प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्वेश सं० घ्र० ६० 11/3187-7/मई 81/एधार II/ 3187-7/81---घतः मुझे, सुधाकर वर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 4 सी० टी० एस० नं० 41, है तथा जो बोरीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8 मई 1581

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किशी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरंक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती चुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थान् :---

श्री नुसली नेवीले वाडीया ग्रौर ग्रन्य

(अन्तरक)

2 श्री मनसुखलाल छानलाल महता

(अम्तीरती)

3. धनुबंध के धनसार (पृष्ट 4)

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग से सम्पत्ति है)

- (1) श्रीमती धनलक्ष्मी मानेकलाल दवे '
- (2) श्रीमती गोदावरी नर्मदाशंकर दवे
- (3) श्री श्रवानी दास गुप्ता
- (4) श्रीमती दयाकुवेरबेन एम० कामदार
- (5) श्रीमती भारतीबेन भवरलाल श्रीमाली
- (6) श्री सूर्यकान्त भिभाई मेहता
- (7) श्री मगनलाल विरखंद घेलानी
- (8) ललूभाय खुशालवास पांचाल
- (9) श्री णिखाभाय खोतसीभाय मेहता
- (10) श्री मफ्तलाल के० शाह
- (11) श्रीकृष्ण स्वरुप]
- (12) श्रीमती यशोदाबेन सिताराम प्रभू
- (13) श्रीकानजीभाय चावड़ा।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो छक्त श्रिकि-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित है; वहीं अर्घ होगा जो छस अब्बाय में विया गया है।

## अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस 567/81 ग्रीर जो उपरिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 8-5-1981 को रिजस्टर्श किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1982

## प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई दिनांक 7 जनवरी 1982

सं० प्र० ई०-1; /4558-2/81-82 प्रतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है धौर जिसकी सं०एस नं० 791 पार्ट भीर 1 रै853 भौफ माला बार एण्ड कम्बाला हिल डिबीजन महालक्ष्मी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27 मई 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितृकी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य शया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलि कित व्यक्तियों क्यांत् :—

- 1. (1) श्रीपुष्प कुमार माधवजी ठाकरसी
- (2) श्री प्रधुम्न माधवजी ठाकरसी
- (3) श्री नवाभजी पी० ठाकरसी
- (4) मालीराम मिट्टल
- (5) ब्रम्हादत्त मिट्टल।

(भ्रन्तरक)

 श्री दामोदर भुवन प्रिमायसीस को० ग्रौ० परेटीव सोसायटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

3. सोसायटी के मम्बर्स

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

क्ये यह सूचना पारी करके पूर्वाक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एतबद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 2060/79/बम्बई धौर जो उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा विनांक 27-5-81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 1 बम्बई

तारीख: 7-1-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड, टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय प्रार्जन रेंज । बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1982

ग्रार-1/4563-5/

81-82--- ग्रतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 2.5,000 ∕-्फ∶से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 485 श्रीफ मांडली डिवीजन है तथा जो नागदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता

श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17 जून 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रमिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयंकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया जिया जाना भाहिए था हिमाने मे सविधा के लिए;

वतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) श्रीमती मनुबाई तयबजी
- (2) श्री झोएब तयबजी
- (3) श्रीमती रशीदा तयवजी
- (4) श्रीमती नफीसा तयबजी, तयबजी नुरूद्दीन/झमखावाला के कानूनी रीप्रेंझेंटेटीव।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० शाह फैमली दुस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री नुरूहीन पोखादाम नगीनदास जे शाह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधिकाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क्रैं पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 2846/80-बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-6-81 को रजिस्टेंड किया गया है।

> सूधाकर वर्मा समक्ष अधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्डI बम्बई

तारीख : 7-1-82

मोहर:

15-446GI/81

## मुच्य बार्वं ट्री पुन् पुरु ु------

भाषकर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### ब्राइट ब्राइक्ट

## कार्याञ्च महारक नायुक्त भावक (मिट्रीक्ष्ण)

कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1982

निद्श स्० प्र० ८०-2/3189-3/मे-81-82—ग्रसः मुझे सुद्याकर वर्मा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का अप्रक्र हैं कि स्थापर सम्पूष्टि, जिसका उन्तित बाजार मृत्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं. सी. टी. एस. तं. सी 1583 प्लाट तं. 167 ही, तथा जो अरमे नियन स्ट्रीट मदास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदास नार्थ में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-5-1981

को पूर्वेक्त संपरितृ के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरक से हुई टिकसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिश्तिवयम के बभीन कर दोने के ब्रुस्तरक के दायित्व में कार्यों करने में स्विधा के सिए; ब्रिट्रिया
- (क) एसी किसी जाय या किसी प्रभ वा बन्य जातिस्वर्ध की, जिल्हें भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूक्कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूतिया के सिए?

1. श्री डौमनीक जोसेफ मारी

(भ्रन्तरक)

3. श्री इवान विक्टर मेन्डोनका । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरता हुई।।)

## उक्त सम्मतित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी जातीपृत-

- (क) इस सूचना के प्राचपन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तुमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- (ब) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य क्युंक्त व्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 632/1979 उप-रिजस्ट्रार श्रिधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-5-81 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रैंज∽2, **बस्ब**ई

अतः नव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त गाँधनियम को भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन निम्नीस्त्रीयत व्यक्तियाँ न्यात्र-—

तारी**ख**: 11-1-1982

भोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी 1982

सं० ए० पी० नं० 2994—यतः मुझे, घ्रार० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क० से अधिक है

भौर जिसकी सं० जसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विद्याम करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रक्ष प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल विम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक दृष्य से कार्यण निर्मात नहीं किया गया हैं:——

- (क) ब्रुप्तरण से हुन्दै किसी नाय की बाबत, बक्त जाँध-नियम के सन्नीत कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने था सससे बचने में सुविज्ञा के जिए। भीर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना वाहिए था, स्थिमने में सुविधा के सिए;

बता सब, उक्त समिनियम की वारा 269-म के सनुसरण में, में, उक्त समिनियम की वारा 269-म की उपवारा (1) के अभीत निम्नुसिनिस, व्यक्तियों अर्थात् :---  श्रीमती ऊषा देवी पत्नी राजा हरमिन्द्र सिंह वासी कपूरथला द्वारा श्री वरिजन्द्रा सिंह, वासी 27-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री सवरन जीत धवन, वासी **धवर हस्पताल, कपूरथला** (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना तारी करके पूर्वीका सम्पृत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो सक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 461 विनांक मर्ड, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी कपूरथला, में लिखा है तारीख: 5-1-1982

ग्रार० गिरधर, सक्षम ग्रिष्टिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 5-1-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

श्रीयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन क्षेत्र 57-रामनीर्थं माग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर, 1981 सं० जी० माई० भार० भार०-164/भर्जन—श्रतः मुझे ग्रमरसिंह बिसेन,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या बी०-138 है तथा जो कुतुबपुर इरादत-नगर हाउसिंग स्कीम निरालानगर लखनऊ में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण किप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालच लखनऊ में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रध न दिनांक 22 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने क्षा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, उनत श्रिष्धि नियम के स्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्व में कमा करने या उसन बाचन में मुविधा के लिए; स्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपांन में सुविधा के लिए;

अक्षः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रुपीन, निम्नुसिक्त व्यक्तियों, भ्रथित :-- 1. श्री प्रेम चन्द्र श्रग्निहोत्री

(प्रन्तरक)

3. श्र रजनीण कुमार सूरी

(श्रन्तरिती)

अी रजनीश कुमार सूरी
 (वह व्वक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस यूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, गी उक्त घांध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं,वहीं प्रथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पट्टे को भूखण्ड संख्य बी-138 पेयमायशी 9600 वर्गा फुट स्थित कुतुबपुर इरावत नग्र हाऊसिंग स्कीम निरासामगर शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जी सेलडीड भौर फार्म 37 जी संख्या 4917/81 में वर्णित है जिनका पंजी-करण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 22-7-1981 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (नि**रीक्षण)** श्रजैन क्षत्र, लखनऊ

तारीख 16-11-1981 मो**हर**्य प्ररूप आर्ड्: दी. एन. एस. ------

बाअकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखन्ऊ

लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर 1981

जी० भ्राई० ग्रार० संख्या बार्य -7/श्रर्जनः — श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और

जिसकी संख्या बी०-19 है तथा जो सेक्टर-ए० महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कायिलच लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26 जून, 1981 को पूर्वोंक्त संपर्तित के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रध्नप्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के जिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

ब्त: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री सीतालाल द्वारा मुख्तार श्रीमती शान्ती सिन्हा (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती यशोन्द्र ५दमनाव (पद्मनाव)

(अन्तरिती)

 श्रीमती यणोन्द्र पदमनाब (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है,

को यह सुचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पट्टे को भूखण्ड संख्या बी०-10 पैयमायणी 1'3,328 वर्गफीट स्थित सेक्टर-ए महानगर, शहर, लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड भ्रौर फार्म 37 जी संख्या 4338 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 26-6-1981 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन क्षेत्र), लखनऊ।

तारीख: 16-11-1981

प्ररूप आहें. वी. एस. प्रता ------

## न्नायकर प्रक्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आमृक्त (निरीक्षण)

श्रजन क्षेत्र लखनक लखनक, दिनांक 23 दिसम्बर, 1981 सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एन०-39/श्रर्जनः—-श्रतः मझे विनोद कुमार ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी संख्या 15 है तथा जो बैंक रोड में इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत है, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, विनांक 15 मई, 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उरित्त बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तिक रूप से कर्जिय नहीं किया गया है :—

- (क.) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या मन्य भारितवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविद्या के लिए।

बतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन निकलिसित व्यक्तियों, अर्थात् रू—— 1. श्रीमती रानी टण्डन

(अन्तरक)

- 2. निम्न एवं मध्यम वर्गीय सहकारी श्रावास समिति लिमिटेड इलाहाबाद द्वारा समिव श्री श्याम लाल। (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती रानी टण्डन (37 जी फार्म के श्रनुसार) वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की प्रविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्यं, जो भी प्रविद्य बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवड किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणा-- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भवन बंगला नं 15 स्थित बैंक रोड, शहर इलाहाबाद मय भूमि व भवन के तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी संख्य 2300 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब् रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-5-1981 को किया जा चुका है।

> विनोद कुमार तक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) (भ्रर्जन रेंज) लखनऊ

तारीख: 23-12-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.--------

आक्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्मृता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(भ्रर्जन रेंज) लखनऊ लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981 सं० जी० भ्राई० भ्रार० संख्या एन० 37 :---भ्रतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के ग्रघीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 15 है तथा जो राम नारायन लाल रोड, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन, विनांक 15 मई, 1981

- को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण दिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिट अमिक्तयों अर्थातः-- 1. श्रीमती रानीटण्डन

(चन्तरक)

- 2. निम्न एवं मध्यम वर्गीय सहकारी आवास समिति लि० इलाहाबाद द्वारा इसके मंत्री श्री ग्याम लाल। (अन्सरिती)
- 3. उपरोक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पित्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

ग्रसल सम्पत्ति संख्या 15 का भाग स्थित राम नारायन लाल रोड इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37 जीव संख्या 2349 तथा सेलडोड में वर्णित है जिनका पंजी-करण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-5-1981 को हो सुका है।

> विनोद कुमार, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) (श्चर्जन रेंज) लखनऊ

तारीब: 30-12-1981

मोहर 🤃

---- ·

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आस्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र<sup>7</sup>ज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 23 दिसम्बर, 1981

सं० जी० म्राई० म्रार० एन०-38/म्रर्जनः----भ्रतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ब्रौर जिसकी संख्या 97 व 98 है तथा जो लुकरगंज इलाहाबाद में स्थित है (ब्रौर इसमे उाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मई, 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिये; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थालः :--- 1. श्रीमती बिमल गुप्ता

(अन्सरक)

2. मैसर्स निम्नं एवं मध्यम वर्गीय सहकारी श्रावास समिति लि० इलाहाबाद द्वारा इसके मंत्री श्री श्याम लाख ।

(अन्तरिती)

3. श्री बिमल गुप्ता (37 जी फार्म के अनुसार) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

भवन संख्या 97 व 98 मय भूमि के स्थित मोहल्ला. लूकरगंज शहर इलाहाबाद,तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 2334 में विणित है जिन का पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 19-5-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 23-12-1981

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० जी० श्राई० श्रार० एन 41/ग्रर्जन:---यतः मुझे विनोद कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भ्रार० जी० 273 है तथा जो ग्राम तुलसीपुर परगना देहात भ्रमानत, जिला-वाराणसी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक 26-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्षतः अत्र. अक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में.  $x^2$ , अक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों , नर्बात्  $x^2$ ---

1. श्री जोगेन्द्र नाथ मेहरा

(अन्तरक)

- 2. मैंसर्स नवोदित सहकारी आवास समिति लि० द्वारा इसके सचिव श्री भुवनेण्वर प्रसाद मी० के० 65/ 190 बडी पियरी पोस्ट बिसेसरंगंज, वाराणसी। (अन्तरिती)
- उ. उपरोक्त अन्तरक (37-जी फार्म के अनुसार) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकर्गी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बन्दोबस्ती श्राराजी नम्बर 273 रकवा .28 डिसमल यानेकि 12,208 वर्गफीट स्थित ग्राम व मोजा तुलसीपुर, परगना देहात ग्रमानत, जिला वाराणसी तथा वह [सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रौर फार्म 37-जी संख्या 3920 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 26-5-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीब: 30-12-1981

## प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० श्राई० ग्रार० एन० 40/श्रर्जनः—यतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या बन्दोबस्त 261, 266, 267, 270, 271, 272, मौजा-तुलसीपुर, परगना देहात ग्रमानत, जिला वाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 26-5-1981,

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधी कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों. जिल्हों भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात्:---

1. श्रीमती अषा लक्ष्मीन।गर

(अन्तरक)

2. नवोदित सहकारी श्रावास समिति लि० वारोणसी, मी० के० 65/190 बडी पियरी वाराणसी द्वारा इसके प्रध्यक्ष श्री सुरेश सिंह

(अन्तरिती)<sup>-</sup>

3. उपरोक्त अन्तरक (37 जी फार्म के अनुसार) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

सम्पूर्ण भूखण्ड बन्दोबस्त नम्बरी 261-266, 267. 270, -271, -272 पयमाईशी रकवा 76397 वर्गफीट स्थित मौजा तुलसीपुर परगना देहात ग्रमानत जिला वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 16/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 25-6-1981 को हो चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 30-12-1981

प्ररूप आहर . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं० जी ग्राई० ग्रार० बी०-96/ग्रर्जन:--यत: मुझे विनोद कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 13 है तथा जो ग्राम शिव पुरवा, परगना देहात ग्रमानत, जिला वाराणसी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्री, करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-5-1981

को पूर्वेक्त संपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित क्यक्तियों, अर्थात :--

ा श्री लक्ष्मी कान्त गुप्ता

(भ्रन्तरक)

2. मैससं बन्धुगण सहकारी गृह निर्माण समिति लि० रिजिस्टर्ड श्राफिस मकान नं० सी० के० 65/173 बडी पियरी वाराणसी द्वारा इसके सिचव श्री सुरेण चन्द्र लालश्रीवास्तव

(अन्तरिती)

 उपरोक्त अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों.पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.।

#### अभूस्ची

बन्दोबस्त भूखण्ड संख्या 242 व 243 में से भूखण्ड संख्या 13 क्षेत्रफल 4855 वर्ग फीट, स्थित, ग्राम शिवपुरवा, परगना देहात भ्रमानत, जिला वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड भ्रीर फार्म 37-जी संख्या 8708 में विणित है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन क्षेत्र, नखनऊ

तारी**ख** 30-12-1981 मोहर: प्ररूप आहाँ.टी.एन्.एस.,------

## जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० जी० आई० आर० बी०97/प्रर्जन:—यतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 14 है तथा जो ग्राम णिव पुरवा, परगना देहात अमानत, जिला वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्री-इंग्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16-5-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी र रेगा उससे बचने में सुविधा-के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्:--- 1. श्री श्ररुण गुप्ता ्

(अन्तरक)

2. मैंसर्स बन्धुगण सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि० रिजस्टर्ड श्राफिस मक्षान नं० सी० के० 65/173 मो० बडी पिथरी शहर वाराणसी द्वारा इसके मंद्री श्री मुरेश चन्द लाल श्रीवास्तवा।

(ग्रन्तरिती)

 उपरोक्त अन्तरक (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में वो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, 'जो उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बन्दोबस्त भूलण्ड संख्या 42 और 43 में का भूलंड संख्या 14 प्यमाइशों 5645 5 वर्गफीट स्थित ग्राम शिवपुरवा, परगना वेहात अमानत, जिला वाराणसी तथा वह संपूर्ण संपत्ति जो सेल- डोड और फार्म 37-जी संख्या 3709/81 में विणित हैं जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 16-5-1981 को चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनांक 30-12-1981 मोहर :

## प्राक्षप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आंथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० जी० ग्राई० ग्रार० क्वी०-89/ग्रर्जनः—बतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उचित वाश्रार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही और

ष्रौर जिसकी संख्या प्लाट संख्या 12 है तथा जो ग्राम शिव पुरवा परगना देहात ग्रमानत जिला वाराणसी में है (ग्रौर इससे पाबढ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वाणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणमी में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 16-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफत हो, ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिग्रा में पंधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐंस अन्तरण के लिए नग पाया गया प्रतिफल निम्तिलित उद्देश्य में उचित अन्तरण लिखान में वास्तित हो किया गया है :---

- (क) श्रस्तरत से हुई किसो श्राय को बाबत जबत पश्चितियम के भूतीत कर देते के श्रस्तरक के बादिक में तके करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी भाष या किसा घन या अन्य ग्राह्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिप्टित्यम, या भन-कर ग्रिप्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण भन्तिरती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

प्रतः अब, उथ्रत पश्चितियम काधारा 269-व के बनुबरण में, में, ज्ञन प्रधितियम की घारा 269-व की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् 8-- 1. श्री कीर्ति कान्त गुप्ता

(अन्तरक)

2. मैसर्स बन्धुगण सहकारी गृह निर्माण समिति लि० पित्रस्टर्ड भ्राफिस मकान नं० सी० के० 65/173 बड़ो-पियरी वाराणसी द्वारा इसके सचिव श्री सुरेण चन्द्र लाल श्रीवास्तव।

(अन्तरिती)

 उपरोक्त श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की धवित्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवित्र, जो भी धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य स्थित द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो छस सक्ष्याय में दिया गया है।

#### **मन्**स्ची

बन्धोबस्त प्लाट संख्या 242 श्रीर 243 में का भूखण्ड संख्या 12 क्षेत्र ल 5845.5 वर्गफीट स्थित ग्राम णिवपुरवा, परगना-देहात ग्रमानत, जिला वाराणसी तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड श्रीर फार्म-37 जी संख्या 3710 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 16-5-1981 को हो चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

नारीख: 30-12-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षत्र लखन्ऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० जी० श्राई० श्रार० बी०-99/श्रर्जन:---श्रत: मुझे विनोद कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से बिधक है

ग्रीर जिसकी खसरा संख्या 307 है तथा जो ग्राम भदोरा जिला मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे पाश्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीत, दिनांक 15-5-1981 को पूर्वोंक्स संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्री हाजी ग्रब्दल वहाब
- 2. ग्रब्दुल मुसाविर
- 3. म्रब्दुल वासिर नबालिग पुत्रगण म्रब्दुलबदुद
- 4 श्रीमती इपफत जहां उर्फ श्रच्छीबीबी विधवा श्री श्रब्दुल बडूद द्वारा मुखनार श्री हाजी अब्दुल बहाव
- 5. श्रीमतीः ग्रनीसा खातुन।
- श्री कु० नूरे सहर
- कुमारी मुशत यासीन द्वारा पिता संरक्षक श्रब्दुल कुदुदस।
- अब्दुल श्रजीम
- 9. ग्रब्दुल वसीम
- ग्रब्दुल बासित द्वारा पिता संरक्षक ग्रब्दुल कदूदस (अन्तरक)
  - श्री बनारसी लाल अवतार कृष्ण मल्होक्षा भौर मोहम्मद हासन

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती(वह डयक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अमुसुची

श्राराजी खसरा नं० 307 खाता खतीनी नं० 18. पयभाइणी 2.39 डिसमल, 2784.06 वर्गमीटर स्थित ग्राम-भदौरा, जिला-मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड श्रौर फार्म 37-जी संख्या 2425 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-5-1981 को किया जा चुका है।

> विनोद कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 30-12-1981

प्रकृप आई० टी० एस० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) (भ्रजीन क्षेत्र) लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० जी० श्रार्ह० भ्रार० एम०-130/श्रर्जनः—यतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 273 है तथा जो मो० रानीमण्डी इलाहा बाद में स्थित है (ग्रौर इससे पाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 7-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रशिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरिक (अन्तरिक), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक क्या में करीय उसी है असा स्वा है। स्व

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कर्मः करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त पा किसी धन प्राप्तस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कप्रधिनियम, या धन कप्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री श्रीमती कुमारी श्री मुताक ग्रहमद (श्रन्तरक)
- 2 श्री मोनकीस अब्दुल रणीद उर्फ बहार (अन्तरिती)

उपरोक्त भ्रन्तरिती व निम्नलिखित किरायेदार

- ाः रमजान
- 2. मोहम्मद नकीम
- 3. शफील ग्रहमद
- महजादे
   (वह क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

मकान नं० 273 मय भवन ग्रौर भूमि स्थित मोहल्ला रानीमण्डी शहर इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रौर फार्म 37-जी संख्या 2238/61 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाबाद के कार्यालय में दिनांक 7-5-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

्तारोख 30+12−1981 मो**हर**्ः

## प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

अरमकर ग्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

जी० श्राई श्रार० संख्या श्रार०-166/श्रर्जनः—-श्रतः मुझे विनोध कुमार,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- वर्षों से प्रधिक है, श्रीर जिसकी संख्या व्यासविला है तथा जो मल्लोताल जिला नैनीताल में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी अथ या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उस्त भिष्टिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के !लिए।

बतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त विभिन्यम की भारा 260-म की उपभारा (1) के सभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

 श्री रमेश कुमार वर्मा नरेश कुमार वर्मा महेश कुमार वर्मा दुर्गेश कुमार वर्मा मुरेश कुमार वर्मा

(अन्तरक)

 श्री राजीब वर्मा श्रतुल वर्मा श्रीमती शकुन्तला वर्मा श्रीमती गीता वर्मा

(अन्तरिती)

परोक्त भ्रन्तरिती
 वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है:

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की धविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अझिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

मकान 'क्यास जिला' मय भवन व भूमि इत्यादि के स्थित टोनको रोड मल्लोताल जिला नैनीताल तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 319 में वर्णित हैं जिनका पंजीकरण सम्रज रजिस्ट्रार नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 27-5-1981 को किया जा च्का है।

> विनोद कुमार **सक्षम प्राधिकारीं** -सहायक आयकर आय<del>ूक</del> (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 30-12-1981

मोहरु 🔅

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 20 नवम्बर, 1981

सं० ए० सी० 64/रेंज-IV/कल/1981-82:----यत: मुझे के० सिन्हा,

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- कपए से धिक है

श्रीर जिसकी र्सं० जभीन है तथा जो पूर्ववल्ली वर्द्धवान स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय वर्द्धवान में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक 15-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे, दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कृषित नहीं गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिक्कों भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए।

भतः प्रव, उन्त प्रक्षितियम, को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, ठक्त अधिनिष्म की भारा 269-मृकी उपभारा (1) के अधीन निम्निसित् व्यक्तियों () अधीत् :--

- 1. श्रीमती लावण्य, शिवानी चौधरी, बनानी राय (श्रन्तरक)
- 2. श्री हाराधन बनर्जी ।

(म्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिंगु जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रीर पदों का, **जी उक्त** ग्रीवित्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथे होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

जमीन 08 1/2 सतक, पता पूर्वपल्ली, बरानीलपुर रोड, जिला वर्द्धवान, मौजा-बालवंगा दस्तावेज सं० 1981 का 1863।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, कलकत्ता

नारीख: 20-11-1981

मोहर 🖫

## प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

## आयक्तर प्रवितियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर, 1981

सं० ए० सी० 65 रेंज IV/कल/1981-82:—्यतः मुझे के० सिन्हा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० में प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० है तथा जो पूर्वपल्ली, वर्द्धमान स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-5-1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रश्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रश्वह प्रतिशत से प्रक्षिक है बीर अन्तरक (प्रश्वरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिये तय गामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उश्यय से उक्त भ्रश्तरण लिखित में बाहाविक कर सकरिया नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत खब्त अग्नित्यम के अग्नीत कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए! और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिविनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्होंने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम को धारा 269-च की उपश्रारा (1) डे ब्योन, निम्निसित स्युक्तियों, अर्थात् :---

- श्री लावण्य, शिवाणी चौधरी, बनानी राय। (श्रन्तरक)
- श्री कृष्ण गोपाल बनर्जी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा, अन्नोदस्ताक्षरों के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धन्त अधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस झड्याय में दिया गया है।

## जनसूची

जमीन 08 1/2 सतक पता मौजा बलिदंगा पूर्वपल्ली, बारानीलपुर रोड, जिला बर्द्धवान दस्तावेज संख्या 1981 का 1901 ।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV कलकत्ता ।

तारीख: 20-11-1981

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

## भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर, 1981

सं० एैं॰ सी॰  $70/\overline{\text{रंजIV}}/\text{कल}/1981-82:$ —यतः मुझे, के॰ सिहा,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33/2 है तथा जो नवीन सेनापित लेन स्थित में है। श्रीर इससे पाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कमं के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचा अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है!—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिप्तियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भता, अब, उन्त प्रश्चिनियम की खारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की चारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्पन्तियों, अवितः—- 1. श्रीमती सविता बनर्जी ।

(मन्तरक)

2. श्रीमती सविता रानी सेनगुप्ता

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एत्युब्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

#### अमुस्ची

जमीन 2 क 6 छ 42 फुट मकान समेत 133/2, एवं 33/3, नवीन सेनापित छेन, जिला हावश पर वस्तावेज संख्या 1981 का 2716।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख: 14-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 विसम्बर, 1981

सं० ए० सी०/रेंज- $1^V/$ कल/19—यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- वा के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स॰ पी-111 है, तथा जो रिजेन्ट स्टेट, कलकत्ता स्थित है, ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 15-5-1981,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के बुधीन निम्निसित् स्यृतित्यों अर्थात्:-- 1. डा० चित्तरंजन राहा।

(भन्तरक)

2. डा० जोतिरमय मजमदार।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पी०-111, रिजेन्ट स्टेट, कलकत्ता 3 Ko16Ch-37 वर्ग फूट जमीन पर मकान ।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज III कसकत्ता।

तारीख: 21-12-1981

मोहर ः

प्रकृप बाई • हो • एन • एस • -

आधनियम, 1961 (1991 का 43) की धारा 269-व (1) ने प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं० ए० १९४/एक्यू/म्रार/-III/81-82—-यक्षः मुझे, श्राई०वी० एस० जुनेजा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० संग्रधिक है

भ्रौर जिनकी सं० पी०-111 है, तथा जो रिजेन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। (भ्रौर इससे उपाबड़ भ्रनसूची में भ्रौर पूर्णक्ष्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनांक 15-5-1981,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के नृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरिंग के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरिंग लिखत में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है 1—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत भाषिनियम के भ्रष्टीन कर देने के धन्तरक के वाबिटव में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए। भ्रोप/मा
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राप्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के सिए;

भ्रतः भव उक्त भ्रविनियम की धारा 269-ग के अगुसरण में, मैं, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-थ की उपवारा (1) के अभीम, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 1. डा० चितरंजन राहा।

(म्रन्तरक)

2. विनापानी मजमदार।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में वियागया है।

#### अनुसूची

पी०-111, रिजेन्ट स्ट्रीट, कलकत्ता। 3 क0-2 छ0, 36 वर्ग फीट जमीन पर मकान।

> भ्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज III, कलकत्ता

तारीख: 21-12-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

द्भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं ० 995/एक्यू-मार-III/81-82---यतः, मुझ, म्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से अधिक है और जिसकी सं० 178 है तथा जो शरतबोस रोड, कलकत्ता में स्थित है। भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-5-1981,

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम से कम के ज़्र्यमान प्रतिफन के लिए सन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रध्न प्रतिकात से अधिक है और सन्तरक (प्रन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण विविद्य में बास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है।---

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर बिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविद्या के लिए;

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में; में, धवत अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्रित •यक्तियों, प्रयत् — 1. श्रीमती प्रतिमा सेन

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्न स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, जो उनत श्राधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं; बड़ी श्रार्य होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

#### अन साची

178, शरत बोस रोड, कलकत्ता। 2 के० 10 छ० 24 वर्ग फीट जमीन पर भकान।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III कलकक्ता

तारीख: 21-12-1981

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चुना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी, 1982सं० 999/एक्यू० श्रार-<math>III/81-82----यतः, मझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 69/1 है, तथा जो पूर्णदास रोड, कलकत्ता में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वर्ध से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक कप से किथित में वास्तिवक

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिसित व्यक्तियों अर्थातु:--- 1. श्री हरि गोपाल बनर्जी,

(मन्तरक)

2. श्री प्रजित कुमार मुखर्जी श्रौर दूसरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरणः -इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिंगा गया है।

#### अम्सूची

69/1, पूर्णदास रोड, कलकत्ता 17 क० 1 छ०, 42 वर्ग फीट जमीन पर मकान (7वाँ हिस्सा) 1

एम० घ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रैंज III, कलकत्ता

तारीख: 6-1-1982

प्ररूप बाह्". टी., एन., एस्.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनोक 7 जनवरी 1982

सं० 4.3/फ्रार-<u>गा</u>/कलक/19:—यतः, मुझे, के० सन्दर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा से अधिक है

शौर जिसकी सं० प्लाट नं० 72 है तथा जो ब्लाक "बी", [पातिपुकुर टाऊनिशिप, थाना छेक टाऊन कलकत्ता-55 में स्थित है। शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है। रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० काशीपुर दमदम में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26 मई, 1981

का पृत्ती कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ स निम्नलिखित उच्चेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. माना मित्र।

(भ्रन्तरक)

2 श्री सुशील कुमार मल्लिक एवं श्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के हिस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाँकत क्यित्यों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [s]

## बन्स्ची

जमीन: 4 क०, छ० 2 वर्गफुट, पातिपुकुर, टाऊनिशप पर प्लाट नं० 72, ब्लाक "बी" थाना लेक टाउन, कलकत्ता-55।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 7-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## ग्रावकर व्यक्तिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-म (1) के मधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 7 जनवरी 1982

मं० एक्यू०-44/ग्रार-II/कल०/81-82:--यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के धनीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिचत बाजार मृष्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2/3 है तथा जो चण्डीतला मेन रोड, याना,—बेहाला, कलकत्ता-41 में स्थित है (ग्रौर इससे छपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रलिपुर, बेहाला, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11-5-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृयांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीकिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपन अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में कमी करने या उपसे बचने में बुविबा के किए। धौर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें चारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उक्त वधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निव्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्। ----18—446GI/81 1. श्रीमती कल्याणी गंगोली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तिमिर वरण घोष।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रांकित जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्षेत्र 5 कट्टा, 28/8 चण्डीतला रेन रोड, थाना---बेहाला, कलकत्ता-41 ।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 7-1-1982

मोहर्ः

## प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1982
सं० ए० पी० नं० 2973:—यतः मुझे श्रार० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव श्रम्बाला जटां तहसील होशियारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोगा, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रिमिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्द्वरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त जिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री भाग सिंह पुत्र मेहर सिंह गांव ग्रम्बाला, जटां, जिला होशियारपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री करतार सिंह पुत्र हरदियाल सिंह भ्रौर श्रीमती बख्गील कौर वासी गांव श्रम्बाला जटां, जिला होशियारपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता र कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा ध्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 170 दिनांक मई, 81 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रष्टिकारी मोगा में लिखा है।

> म्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 26-12-81

मोहर 🗄

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

सं० ए० पी० नं० 2974—यतः, मझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी श्रबोहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——  श्री ग्रोम प्रकाश मुन्जल पुत्र खेम चन्द वासी गली नं० 12, ग्रबोहर ग्रब मकान नं० 267, सक्टर-11 ए, चण्डीगढ़।

(श्रन्सरक)

 श्रा भ्रजय कुमार पुत्र गोबिन्द राम, वासी मकान नं० 944 गली नं० 2, मण्डी भ्रबोहर।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पक्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 874 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-12-1981

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • -----

मायकर मिसिनियम, 1961 (1961 का 43) बारा की 269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 दिसम्बर, 1981

सं० ए० पी० नं० 2975:—यतः, मुझे, श्रार० गिरधर, आयभर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रु• से प्राप्तिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुखेश बस्ती, श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से के कम दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिमियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी झाय या किसी घन या ग्रन्य घरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अस, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ६ श्री राज बख्श पुत्र हसमत राये वासी मुखेश बस्ती श्रबोहर।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री मदन लाल, जै लाल, गुरचरन दास सुपुत्र बनवारी लाल, वासी सुखेश बस्ती, मण्डी श्रबोहर । (अन्तरिती
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिष रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवता किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए बासकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उनत प्रिवित्यम के भ्रष्ट्याय 20क में परिकाधित है; बही भयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1051 विनांक मई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 30-12-31

प्ररूप आहूं, टी. एन. एस.-

जायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

काय लिय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं० ए० पी० नं० 2984:—यतः, मझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (१९६१ का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनसूची में लिखा है तथा जो गांव कैंछेरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्चा ग्रधिकारी के कार्यालय बांगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल मं, एसे दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल निम्मिलिखित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; बीट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थातः है—

- श्री करनैल सिंह पुत्र लाल सिंह गांव कलैरा सब तहसील बंगा।
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रजीत सिंह उर्फ मोहत सिंह पुत्र चैन सिंह वासी गांव कलैरा सब-तिह० बैगा श्रब 114-ए, प्रगेट सरदार बालमल वेस्ट मिडलेड, इंग्लैण्ड। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 238 दिनांक मई, 1981 को रिजम्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी लंगा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, भोपाल

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप आइं.टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2985:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार एल्य 25,000/रा से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कलेरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

कों गुर्वाक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ठ प्रतिग्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ं:——  श्री करनैल सिंह पुत्र लाल सिंह गांव कलेरा सब त० बंगा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बलबीर कौर पानी श्री श्रजीत सिंह उर्फ मोहन सिंह वासी गांव कलरा सब तहि० बंगा श्रब 114-ए, प्रगेट स्ट्रीट, बालसत बेस्ट मिडलेंड, इंग्लैंड।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्शि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त धन्यों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

#### अन्स्ची

सम्पत्ति तथा अधिकत जैसा कि विलेख नं० 292 दिनांक मई 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बंगा में लिखा है।

> स्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2986:—यत: मुझे, आर० गिरधर, श्राकिंग श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इतके श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, <mark>जिसका उचि</mark>त से 25,000/- रुपए म्स्य ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव संधवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ुका 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981 की पर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीग, निम्मिलिमित व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्री करतार सिंह पुत्र भगवान सिंह वासी गांव संधवा सब तहि बंगा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री जगदेव सिंह, तरसेम सिंह, कुलवन्त सिंह, सुखदेव सिंह सपुत्र सवरन सिंह वासी गांव संधवा सब तिह्० बंगा। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ष्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 255 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी वंगा में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 4-1-1982

मोहर

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० 2976:—यतः मुझे, प्रारं गिरघर, आयकर पिंचित्रयम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जीसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो सलारपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त माध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के तिए;

सत्तत अव, उक्त सिभिनयम् की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—~

- श्री महिन्द्र सिंह, जीत सिंह, सुपुत्र जगत सिंह ग्रौर श्रीमती जीतो श्रौर राज बस्त कौर श्रौर श्रीमती बाल कौर विधवा श्री जगत सिंह वासी गांव सलार-पुर तहसील जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री करतार सिंह, सरदारा सिंह मृपुत शिगरा सिंह वासी गांव सलारपुर तहसील जालन्धर जिरंजन सिंह मंगल सिंह, सतनाम सिंह, पुतान दर्शन सिंह, गुरमुख सिंह, गुरमीत सह, मक्खन सिंह, दलबीर सिंह, पुत्र प्यारा सिंह वासी मलारपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्प ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा न्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 949 दिनांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**ः 2-1-1982

प्रस्प भाई० डी० एन० एस०---

ध।यकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के धिवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० 2977:—यतः मुझे आर० गिरधर, गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निज्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जमशेर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक का से किखन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्टि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त प्रक्षिनियम, को घारा 269-म के धनुसरण में, मैं छवत प्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19--446 GI/81

1. श्री सुरजीत सिंह, जोगिन्द्र सिंह, बलबीर सिंह यौर बलदेव सिंह मुपुत्र श्री चरण सिंह श्रीर श्रीमती तेज कौर विधवा श्रीर श्रीमती छीन्दो बेटी श्री चरण सिंह वासी गांव जमशेर तहसील जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री श्रजीत सिंह, गुरदीप सिंह ग्रौर हरभजन सिंह सुपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह वासी गांव बम्बदयां बाली तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को <mark>महं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवा**हियां करता** हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकागत की तारीज से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्यत्रोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'जकत श्रधिनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1186 दिनांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख 2-1-1982 मोहर:

#### प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिवीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० 2978:— यतः मुझे, श्रार० गिरघर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो नोली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1981
को जो पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और
शास्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहेथ्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुध्यि :---  हजारा सिंह पुत्र श्री नामा रेसीडेन्ट श्राफ गांव नोली तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती जीतो मनजीत कौर बेटी हजारा सिंह वासी गांव नोली तहसील जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना सारी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पन्नीकरणः - इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

#### अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1197 दिनांक 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

> श्चार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-1-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

मं० ऐ० पी० 2979:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो पाखी कलां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ओर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा, नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उकत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना आहिए था छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री डोगर सिंह पुत्र श्री सावनं सिंह वासी गांव पाखी कलां तहसील फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

- श्री कणमीर सिंह, रेशम सिंह सुपुत्र श्री मुख्तियार सिंह वासी गांव पाखी कला तहसील फरीदकोट। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों विस् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख नं० 683 दिनांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 2-1-82

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं ए० पी० 2980:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पाखा कला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यनान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह बिश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिभल का पक्तह प्रतिशत से प्रधिक है घीर घन्तरक (घन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अच्य आसितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के आए।

अतः थव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :——  श्री डोगर सिंह पुत्र श्री सावन सिंह वासी गांव पाखी कला नहमील फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

- श्री बिकर सिंह श्रमरीक सिंह सुपुत श्री सुख्तियार सिंह वासी गांव पाखी कलां नहसील फरीदकोट। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधौहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे ।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 684 दिनांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी कार्यालय फरीदकोट में लिखा है।

> ग्रार. गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज. जालन्धर

नारीख: 2-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

#### आयकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व(1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० 2981:—यतः मुझे. श्रार० गिरधर, श्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्वात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अशोन सझन श्राधिकारो की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नस्पन्ति जिला उचित वाजार मृत्य 25,000/-रुपए संग्रेषिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि श्रनुमूची में लिखा है तथा जो भुन्चो कलां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नथाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई. 1981

का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के तिश्वत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त पिंधितयम के अत्रीत कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या भ्रम-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तिरिष्टी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए चा, खिपाने में मुनिषा के निए;

श्रीः श्रव, उन्त प्रधिनियम की खारा 269-म के प्रमुत्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की शारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री चांद्र सिंह पुत श्री कपूर सिंह वासी गांव सेमा तहसील नथाना जिला भटिडा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री भाग सिंह पुत्र जग सिंह वासी गांव गोबिन्दपुरा तहसील नथाना जिला भटिंडा श्रौर साधु सिंह पुत्र झण्डा सिंह वासी गोबिन्दपुरा तहसील नथाना जिला भटिंडा (श्रव्रतरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पति हैं

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निख्यत में किए जा सर्वोगे।

स्पष्ठीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्शावित है, वही अर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 329 दिनांक 1981 को रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नथाना में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); स्रर्जन रेंज, जालन्धर।

नारीख: 2-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं० ए० पी० 2982:—यतः मुझे श्रार० गिरधर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो बुचों कला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नथाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती। (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के जुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; औद्ध/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धार्य 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् :--- 1 श्री. भगवान सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह वासी गांव सेमा तहसील नथाना जिला भटिङा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री सन्त सिंह तेजा सिंह पुत्र गंगा सिंह बासी गांव गोबिन्दपुरा, तहसील नथाना जिला भटिडा। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),
- को व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
   (बंह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहंस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वम्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 330 दिनांक 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नथाना ने लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 2-1-1982 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालधर

जालन्धर, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2983—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1981,

का प्विति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--  श्री बलवन्त सिंह पृत्र श्रवतार सिंह वासी पुंच कलां जिला भटिंडा।

(भ्रन्सरक)

 श्री हरिमन्द्र सिंह पुत्र हिकक सिंह वासी कोट बहारा, जिला भटिंडा।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पृयोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

ह्मष्टिकरण:--इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्तिं जैसा कि विलेख नं० 1272 दिनांक मई 1981 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-1-82

प्ररूप आद्दं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2987:—यन: मुझे आर० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितो (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कां) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास प्रकर अधिनियम, विश्वास प्रकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती ऊपा रानी पत्नी श्री रमेश कुमार द्वारा मैसर्ज दीप चन्द, विजय मोहन, राम बाजार मुक्तसर जिला फरीदकोट।

(अन्सरक)

 श्रीमती नीलम रानी पत्नी श्री विजय मोहन राम बाजार, मुक्तसर जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता
  है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तौरीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 520 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-1-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) - के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत्:——

#### प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2988:—यतः मुझे आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सावक में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध में श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्विक्त संपति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितरुग के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्तिस में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने गा उसके बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बारिसयों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों सर्धातः—

 श्री बुद्ध सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह वासी गांव सादक तहसील फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री श्रणोक कुमार, विजय कुमार श्रीर दर्शन लाल सुपुत्र बिणन लाल वासी गांव सादक तहसील फरीद-कोट।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के ट्रायपण में प्रकाशन की तार्यंत्र से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृवारा
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की वारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्बद्ध किसी बन्ध अमेहिस द्वारा न्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुबी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विशेख नं० 502 दिनांक मई 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> श्चार० गिरघर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 4-1-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी, 1982

स० ए० पी० नं० 2989: — यतः मृझे ग्रार० गिरधर, शायकर सोधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचिन बाजार मल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव श्रलड़वाल तहि० बंगा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ में श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंगा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई 1981, को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञियाने प्रसिवधा के लिए;

कतः वन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पश्चीन निम्निलिक्त व्यक्तियाँ अर्थातः --

 श्री करनैल सिंह पुत्र श्री लाल सिंह वासी गांव कलेरा, सब तहि० बंगा।

(अन्तरक)

2. श्री मनदीप सिंह, जसतीर सिंह मुपुत श्री अजीत सिंह उर्फ मोहन सिंह गांव कलेंग तिहि० बंगा श्रव 114-ए०, परगेटर स्ट्रीट बालसल, वेस्ट मिडलेंड, इंग्लैंड।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके स्रिधिशोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि स्वता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोकित सम्परिस को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा भक्तेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, शही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 337 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्री कर्चा ग्रिश्रिकारी बंगा में लिखा है।

> स्नार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आइ . टा . एन . एस . -----

आधकर आधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2990:—यतः मुझ ग्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भई 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप में किंचन नहा किया गया है.--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 कियाजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— शी डान सिंह उर्फ देविका पत्नी श्री वीरजिन्द्रा सिंह वासी कपूर्णना द्वारा श्री वीरजिन्द्रा सिंह वासी 27-सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल पुत्र मुलख राज, ग्रीर सतीश कुमार, सुदेश कुमार, कमलेश कुमार सुपुत्र सत पाल वासी किशोर मारकीट, कपूरथला।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है।
 कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 434 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालधर

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2991:— यतः मुझे ग्रार० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः---  श्री मित डान सिंह उर्फ श्रीमती देविका पत्नी श्री वीरजिन्द्रा सिंह वासी कपूरथला द्वारा श्री वीरजिन्द्रा सिंह वासी 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रमरजीत सिंह पृत्र लाला श्रमर नाथ वासी नजदीक जलऊ खाना, कपूरणला।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पृवाक्ति सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में प्रिभाषित हैं, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृसूची

सम्पत्ति तथा त्र्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 458, दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी कपूरथला में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. -----

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 जनवरी, 1982

सं० ए० पी० नं० 2992:— यतः मुझे ब्रार० गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा तथा जो कपूरथला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुजिसित व्यक्तियों, सुर्थात् ध---  श्रीमती ऊषा देवी परनी हुरमिन्द्रा सिंह वासी कपूर द्वारा श्री वीरजिन्द्रा सिंह वासी 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री जैगोपाल पुत्र लहोरी राम श्रौर श्रीमती सरोजबाला पत्नी श्री जैगोपाल वासी बाजारसराफा, कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पृवाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो एकत श्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस श्रष्टमाय में विया गया है।

#### ननसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 435 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्छर

नारीख: 5-1-1982

#### प्ररूप आइं.टी.एन्.एस्. -----

# मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 5 जनवरी, 1982

सं ए० पी० नं 2993:—यतः मुझे स्नार० गिरधर, स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था स्त्रिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्रीमती ऊषा देवी पत्नी राजा हरमिन्द्रा सिंह बासी कपूरथला द्वारा श्री वरजिन्द्रा सिंह 27 सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री लेख राज भड़ारी पुत्र श्री मेहर चन्द वासी वेरका जिला श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पृवों कत सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 459, दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी कंपूरथला में लिखा है।

> श्रारं० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 5-1-1982

प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 260 ए (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायत्क आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 नवंबर 1981।

्र निदेश संव 1 ए०सी०/ए०सी०वयू०/179/81-82।---श्रतः मझे ए०एम० खेर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य' 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं० 99/ष नं-104, है, जो रामदास पेठ फार्मलैंड बार्ड नं० 75 नागपुर में स्थित है (और उसके उपाबद भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नागपुर (अक्मेंट सं० 1679 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण स हाइ िक्रमी नाय का कारत, १००१ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती शकुन बलिराम धोने फार्मलंड रामदासपेठ नागपुर।

(अन्तरक)

(2) सेक्रेटरी देव श्राशीय में श्रांफ हार्ऊसिंग सोसायटी रामदासपेठ नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त · अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया · गया है।

#### अनुसूची

नमुल प्लॉट नं० 99 घर नं० 104 रामदासपेठ फॉर्म-लैंड वार्ड नं० 75 सं० नं० 20 नागपुर।

> ए० एम० खेर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, नागपुर।

दिनांक : 23-11-81

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th January 1982

No. P 11022/Admn.I.—Shri B. D. Sharma, a permanent Research Officer (Hindi) in the office of Union Public Service Commission passed away on 7-1-1982.

P. S. RANA Section Officer, for Chairman,

#### New Delhi-11, the 31st December 1981

No. A. 19014/8/78-Admn.I.—Consequent on the expiry of the tenure of deputation in the Commission's office, the services of Shri D. Lahiri, an officer of the IDAS are placed at the disposal of the Controller General of Defence Accounts, New Delhi with effect from 31-12-81 (AN).

Shri Lahiri will report to the Controller General of Defence Accounts, New Delhi in terms of Controller General of Defence Accounts letter No. AN/1/1793/5/Vol. I date 28-12-81.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th November 1981

No. 2K RCT 15.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Smt. Mala Srivastava, IAS (MP: 1971) as Commissioner for Departmental Inquries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 17th November, 1981, until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS,

# DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th January 1982

No. A-19029/3/80-Ad.V.—Director/Ceneral Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri M. L. Garg as Junior Technical Officer (Accounts), Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 30-12-1981.

No. A-20023/1/82-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Shashi Kant Sharma as Public Prosecutor/CBI with effect from 21-12-81 forenoon.

#### The 15th January 1982

No. A/19036/6/80/Ad.V.—The services of Shri M. L. Narasimhamurthy, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Karnataka Police were placed back at the disposal of Karnataka Govt. with effect from the afternoon of 31-12-1981.

#### The 19th January 1982

No. A/19036/1/82/Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. R. K. Chavan, Inspector of Police, Karnataka State Police as officiating Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the afternoon of 31-12-1981 until further orders.

HERO A. SHAHANEY
Administrative Officer
Central Bureau of Investigation

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

'New Delhi, the 19th January 1982

No. 11/44/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number, dated the 23rd September, 1980, the President is pleased to appoint, on re-employment, Shri K. K. Muhammad, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, for a further period of one year with effect from the 1st July, 1981 to the 30th June, 1982.

- 2. His headquarters will be at Calicut.
- 3. His services may be terminated at any time at the discretoin of the appointing authority, before 30-6-1982, without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Dellhi-110002, the 19th January 1982

No. 84/CAI/47-74.—On his attaining the age of superannuation of Shri T. K. Chandraiah, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member. Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit Bangalore retired from service with effect from 31-12-1981 A.N.

M. A. SOMESWARA RAO Deputy Director (Commercial)

### OFFICE OF THE DIRFCTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES,

New Delhi, the 19th January 1982

No. Admn.I/O.O.No. 406.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri Har Dyal permanent Section officer of this office to officiate as Audit officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 13-1-1982 until further orders.

#### The 20th January 1982

No. Admn. I/O.O.No.412.—Shri' M. K. Mehra, a nermanent Audit officer of this office, expired on 11th January 1982.

V. S. VERMA Joint Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th January 1982

No. O.E.XI./Gr.I/SKM/AO/202/677.—In terms of Rule 48A of C.C.S. (Pension) Rules 1972, the Accountant General-I has been pleased to permit Shri S. Krishnamurthy, Accounts Officer to retire voluntarily from Service w.c.f. 23-2-82 afternoon.

Sd. JLLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay 400020, 13th January 1982

No. Admn I/Genl/31-Vol.III/C.1(1)/9.—The Accountent General, Maharashtra I. Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names, until further orders:—

- 1. Shri K. V. Mhasavade—19-12-1981 A.N.
- 2. Shri U.B. Acharva--19-12-1981 A.N.

R. S. SHARMA, Sr. Dy. Acct. Genl. (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 12th January, 1982

No. Estt. A. VII/9-86/Vol. II/299- The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned permanent Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders:—

S/Shrì				
<ol> <li>K.R. Bhaskaran Nair</li> </ol>				1-1-82
(Proforma)				
2. M.R. Appukuttan Nair				1-1-82
(Proforma)				
3. T.J. George				2-1-82
4. M.G. Chandrasekhara Par	nicker			2-1-82
(Pretorma)				
5. M.C. Ulahannan .				1-1-82
6. T.K. Ramabhadran Nair		•		1-1-82

D. SIVARAMAKRISHNAN, Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th January 1982

No. 5305/A-Admn/130/79-81.—On attaining the age of superannuation Shri Avtar Singh, Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31st December, 1981 (A.N.)

R, S. GUPTA, Jt. Dir. Audit Def. Services

#### MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 7th January 1982

No. 1/82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Smt. Smritikana Sengupta, Subst. & Permt. Assistant. Offg. A.S.O. retired from service with effect from 31-12-81 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admn. for Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 8th January 1982

No. 1/21/81-Admn(G)/399,—The President is pleased to appoint Shri P. K. Saha, an officer of Grade II of the LS.S., formerly Deputy Director General of Commercial Intelligence and Statistics in the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics. Calcutta, as Director of Statistics (Grade II of the ISS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 24th December, 1981 (FN), until further orders.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports

# MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALLI, SCALE INDUSTRIES)

New Dehli, the 1st January 1982

No. A-12018/1/79-Adm(G).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Small Scale Industries Organisation Class I and II (Gazetted) Posts Recruitment Rules, 1962, namely:—

- (1) These rules may be called the Small Scale Industries Organisation Class I and II (Gazetted)
  Postss Recruitment (Amendment) Rules, 1982.
  - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In schedule IX to the Small Scale Industries Organisation Class I and II (Gazetted) Posts Recruitment Rules, 1962, relating to 'Export Promotion Division', after item I relating to the post of Director (Grade I) and entries thereto, and before item 2 relating to the post of Deputy Director and entries thereto, the following item and entries relating thereto, shall be inserved, namely:—

#### SCHEDULE IX

#### EXPORT PROMOTION DIVISION

Name of post	No. of posts	Classification	n Scale of pay	Whether Selection post or non-Siec- tion post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
1A. Director. Grade II Export Promotion)	, I	General Central Service Group 'A' Gazetted Non- Ministrial	Rs. 1300-50- 1709.	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants Note: The crutial date for determi- ning the age limit shall be the closing date for recelpt of application from candidates in India (Other than those in Andamn &	Essent'al:  (i) Master's degree in Economics or Commerce with specialisation in Business Administration or Foreign Trade Export Promotion or Master's degree in Business Administration from a recognised University or Institution or equivalent.  (ii) Atleast 7 years' experience in a responsible capacity in the field of export trade or marketing or international economy or foreign trade in a Govt. or Semi-government

1 2	2 3	4 5	б	6	7
				Nicobar Islands and Lakshadweep).	organisation or Private concern of repute.  Note-I: Qualifications are relaxable a the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.  Note-II: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging, to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are no likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.  Desirable: (i) Institutioal Training in Foreign Trade.  (ii) Some administrative experience.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of rerultment whether ay or direct rectt. by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/ deputation/ transfer grades from which promotion/ deputation/ transfer to be made.	If a DPC exists, what is its com- position.	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making reruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years.	By Promotion failing which by direct recruitment.	Promotion Deputy Director (Export Promotion) 3 years' regular service in the grade,	Group 'A' DPC (for considering confirmation) Development Commissioner (Small Scale Industries)— Chairman Industrial Adviser/ — Member Economic Adviser. Joint Development Commissioner— Member Director (Grade-I) (Administration). An officer of appropriate status belonging to SC/ST.— Member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.  Union Public Service Commission shall also be consulted while relaxing or amending any of the provisions of these rules.  Note:—The Proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

Note: Schedule IX was added in the Small Scale Industries Class I & II (Gazetted) Posts Recruitment Rules, 1962 vide Notification No. GSR 1150 dated 3-7-1972,

#### PART III—Sec. 1]

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 7th January, 1982

No. A-6/57(8)Vol. X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers substantively to the post of Assistant Inspecting Officers (Met.) with effect from the date mentioned against each:—

Sl. Name of officer No.					Date of confirmation
S/Shri				-	
1. S. K. Roy Choudl	jury				1-11-74
2. K.K. Sen Gupta					1-11 <b>-</b> 74
3. K. Venkataraman		٠			1-11-74
4. K. K. Bajaj .					1-1174
5. B. K. Datta .					1 <b>-</b> 11- <b>7</b> 7
6. N. K. Pal .					1-11 74
7. A.S. Krishnamurtl	hy				1-11-74
8. R. Sampat .					1-11 74
9. S. P. Basu					1-02-77
10. R. K. Kochar					23-05-77
11. A. Sarkar .		÷			29 07-77
12. E. Rajagopal				-	12-08-77
13. P. Nath .					1-10-77
14. Prehlad Singh					31 <b>-01-7</b> 8
15. K. P. Rajagopalar	n				1-02-80
16. R.G. Sumra .					1-02-80
17. Shiv Prasad .					13 05 81
18, P. K. De					13-05 81
19. A. K. Mitra					13-05-81
26. S. K. Srivastava					13-05-81
21. Mangai Singh					13-05-81
22. G.C. Mukherjee					13-05-81

#### The 15th January 1982

No. A-6/247(215).—The K. S. Tamber, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Engineering Branch, Group 'A') in the Office of Director of Inspection, Bombay has been retired from Government Service on the forenoon of 28-12-1981 under FR 56(j) (i).

No. A-6/247(435). The President is pleased to appoint Shri D. S. Chowdhury, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the Office of Director General of Supplies & Disposals, New Delhi as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engineering Branch) on ad-hoc basis in the Office of Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 24-12-1981.

2. Shri Chowdhury relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer on 17-12-81 and assumed charge of the post of Inspecting Officer on 24-12-81 (FN).

M. G. MENON,

Deputy Director (Administration)

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delbi-1, the 13th January 1982

No. A-1/1(983).—The President is pleased to appoint Shri G, V. Rajan, Assistant Director (Grade I) (Gr. III of Indian Supply Service, Group 'A') in the office of Director (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') in the same office on regular basis with effect from 26-12-1981 (FN).

2. Shri G. V. Rajan, on promotion as Deputy Director of Supplies on regular basis, is placed on probation for two years from 26-12-81 (FN).

S. L. KAPOOR,

Deputy Director (Administration)

# MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL

#### IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 4th January 1982

No. Admn. P.F. (222)/53.—On attaining the age of superannuation Shri Saroj Rn. Sengupta, Assit. Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from the atternoon of 31st December, 1981.

No. EI-13(97)/72 (.).—On attaining the age of superannuation of Shri Atindra Kr. Nandy, Asstt. Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 31st December, 1981.

S. N. BISWAS, Jt. Iron & Steel Controller

# (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 13th January 1982

No. 284B/A-19012(s-SKS)/81-19B.—Shri Suresh Kr. Singh, Senior Technical Assistant (Geophy.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 22-8-81 (FN) until further orders.

J. SWAMI NATH, Director General

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th January 1982

No. 7(146)/58-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri K. Devarajan, Programme Executive, All India Radio, Trivandrum retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November, 1981.

H. C. JAYAL.
Dy. Director of Administration
for Director General

#### (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 12th January 1982

No. A-12011/2/80-CW.I.—In partial modification of the Directorate General, All India Radio, New Delhi's Notification No. A-12011/2/80-CW.I dated 3/16-10-80, Shri S. N. Bhattacharya is appointed as Assistant Engineer (Electrical) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 at Civil Construction Wing, Electrical Sub-Division, Bombay with effect from 29-8-80

The appointment is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion bearing No. A-32014/1/80-CW.I dated 25-7-80 already issued to him.

A. E. K. MUDALIAR. Engineer Officer to Addl. CE(C) for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

### DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 13th January 1982

No. A.12026/9/81-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri H. P. Keshwani, a permanent Assistant to officiate as Supervisor on usual deputation terms with effect from the forenoon of 1st January, 1982, until further orders.

J. R. LIKHI, Deputy Director (Admn.),
for Director of Advertising and Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 11th January 1982,

- F. No. A.32014/4/77-NICD/Admn.L—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Wadhwa, Administrative Officer, National Institute of Communicable Diseases, Delhi. retired from Government service on the afternoon of the 30th November, 1981.
- F. No. A.12025/25/80-NMEP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kailash Rastogi to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Malaria Eradication Programme in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th October, 1981 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Entomology) under the National Malaria Eradication Programme Directorate, Shri Kailash Rastogi relinquished the charge of the post of Entomologist at the National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from 28-10-1981 (A.N.).

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O&M)

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 065, the

January 1982

No. PA/73(13)/81-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Pramod Jagdishchandra Sharma as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of December 1, 1981 to the afternoon of January 15, 1982.

#### The 6th January 1982

No. PA·79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pinge Shrinias Ramachandra, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 16-11-1981 (FN) to 24-12-1981 (AN)

A. SANTHAKUMARA MENON. Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 13th January 1982

No. NAPP/Adm/1(202)/82-S/900.—Consequent on his resignation having been accepted by the competent authority. Shri K. C. T. Asary. Scientific Officer/Engineer Grade SB of the Narora Atomic Power Project relinquished charge of his roost in Grade SB in this project on the afternoon of 26-12-81.

R. K. BAI I. Administrative Officer-III

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 14th January 1982

No. DPS/21/1(2)/78-Est./1031.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ashwinikumar Madhusudan Parelkar, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from January 12, 1982 (FN) in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

Bombay-400001, the 13th January 1982

No. DPS/23/1/81-Est/940.—In continuation of this Office Notification No. DPS/23/1/81/Est|12583 dated 25-6-1981, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer (Ad-hoc) for a further period upto 4-7-1981 (AN) vice Shri K. P. Wadia, Assistant Accounts Officer, granted leave.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 12th January 1982

No. AMD-1/1/81-Rectt.—In partial modification of Gazette Notification of even number dated 26-12-1981, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. V. Satyanarayana Reddy as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of December 22, 1981 until further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Virag Sharan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of December 23, 1981 until further orders.

No. AMD-1/35/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Y. Lakshmi Narayana as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of December 31, 1981 until further orders.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Kamala Sehgal, a permanent Assistant, Atomic Minerials Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis for a period of 49 days with effect from the forenoon of November 13, 1981 to December 31, 1981 vice Shri P. K. Vijaykrishnan, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Ollicer-II.

No. ADM-1/35/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. T. Seshadrinath as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with eect from the afternoon of lanuary 1, 1982 until further orders.

No. ADM-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy appoints Shri P. K. Vijayakrishnan, a permanent Assistant Personnel Officer, to officiate as Administrative Officer-II in the Atomic Minerals Division, on an ad-hoc basis for a period of 49 days with effect from the forenoon of November 13, 1982 to 31-12-1981, in the vacancy of late Shri S. K. Malhotra.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### DEPARTMENT OF SPACE

#### CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 4th January 1982

No. 10/3(25)/80-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri B. A. Satyanarayana as Engineer—SB in the Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore in a temporary capacity with effect from 1st January, 1981 and until furthe rorders.

H. S. RAMADAS, Administrative Officer-l for Chief Engineer.

# MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th January 1982

No. A.12040/1/81-F.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Singh as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders.

S. K. DAS, Additional Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 18th January, 1982

No. A. 32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and Juntil further orders:—

S. Name No.		 	 /-	Date of appointment
1. Shri S.B. Ghosh 2. Shri B. B. Mondal 3. Shri Govind Ram	:			11-12-81 11-12-81 11-12-81

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th January 1982

No. A. 32013/3/80-EC—In continuation of this office Notification No. A. 32013/3/80-EC dated 3rd April, 1981, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointments of the following two officers in the grade of Communications Officer for a further period up to 31-12-1981,

Sl. Name No.	Present station of posting
1. Shri S.R. Sethi	. Aero, Comm. Station, Nagpur.
2. Shri V.N. lyer	Aero. Comm. Station, Madras.

H. L. KOHLI Director of Administration.

New Delhi, the 30th December 1981

No. A.32014, 3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Sangwan, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B') on ad-hoc

basis, with effect from the forenoon of the 14th Dec. 1981, for a period of 31 days, in the office of the Regional Director, Delhi Region, in the leave vacancy of Shri S. H. Lalla, Administrative Officer.

#### The 7th January 1982

No. A. 32013/5/81-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

S. Name No.	of p		Stn. to which posted	Date of taking overcharge
S/Shri				. — — 10 — 1
1. N. J. Job .	. Mad	ras	Madras	1-12-81 (FN)
2. G. Kannayan	Mad	ras	Madras	1-12-81
3. S.K. Neogy	R.D	Office,	ACS,	30-11-81
	Calc		Calcutta	(FN)
4. V.R. Srinivasan	Indo	re	Bombay	10-12-81 (FN)
5. P. K. Sen .	. Panr	agarh	Calcutta	10-12-81 (FN)
6. <b>K</b> . <b>D</b> . Tuli .	. Regi Offic Delh	æ	Regional Office Delhi	30-11-81 (FN)
7. S.S. Chowdhury	. ACS	, Delhi	o/o RD Delhi	17-12-81 (FN)
8. V.V. Harnal	CAT	C,	CATC,	2-12-81
	Allal	habad	Allahabad	(FN)
9. K.C. Biswas	. Calc	utta	Calcutta	30-11-81 (FN)
0. P.K. Dutta	Jams	hedpur	Calcutta	8-12-8J (FN)
1. J. Bhattacharjee	Calc	utta	Calcutta	30-11-81 (FN)
12. B.B. Dutta	Calc	utta	Calcutta	30-11-81 (FN)
13. S. K. Sen	. Cale	utta	Calcutta	30-11-81 ( <b>FN</b> )
14. K.C. Sengupta	Calc		Calcutta	30-11-81 (FN)
15. H. Deb	. Agai	rtala	Agartala .	2-12-81 (FN)

PREM CHAND, Asstt. Director of Administration

#### New Delhi, the 12th January 1982

No. A-32013/4/79-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Nat, Aircraft Inspector, to the grade of Senior Aircraft Inspector on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 26-12-1981 (A.N.), or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

J. C. GARG, Assistant Director of Administration.

# DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 8th January 1982

No. 19-81.—Shri M. Ram Mohan Rao, lately posted as Senior Analyst in the Directorate of Statistics and Intelligence, Customs and Central Excise, New Delhi assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Directorate Headquarters office New Delhi on 15-12-81

1574

(forenoon), vide Directorate letter C. No. 1041/2/81 dated 8/10th December, 1981.

#### The 12th January 1982

No. 17/81.—SMT. Indrani Dutt Magumdar, lately posted as Assistant Collector in the Central Excise Collectorate Delhi, on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Cusoms and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 209/81 (F. No. A. 22012/106/81 Ad. II), dated 28-11-81 assumed charge of the post of Assistant Director on 30-11-81 (afternoon).

No. 18/81.—Shri H. O. Tewuri, lately posted as Assistant Collector Inspecting Officer in the Directorate of Publications, New Delhi on transfer to Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Fxcisc New Delhi vide Department of Revenuc Order No. 209/81 (F. No. A. 22012/106/81 Ad.II) dated 28-11-1981 assumed charge of the post of Assistant Director on 3-12-1981 (afternoon).

S. B. SARKAR, Director of Inspection.

# MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

#### COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 12th January 1982

No. HB.18(4)73.—Whereas Shri L. M. Sukhwani the then Under Secretary, Ministry of Works and Housing, New Delhi on his retirement from Govt, service w.e.f. 31-7-1978 as Dy. Secretary has ceased to represent the interest from which he was nominated as co-opted member of the Coal Mines Labour Housing Board vide this office letters of even no. dated 20-8-76 and 10-11-76.

The undersigned as Chairman, Coal Mines Labour Housing Board in pursuance of Sub Rule (c) of Rule 12 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules 1949 read with subrule (7) of Rule 5 of Rules, ibid hereby declare the said Shri L. M. Sukhwani to have vacated his office of the membership of the said Coal Mines Labour Housing Board from the date he ceased to be a member.

D. PANDA, Chairman, Coal Mines Labour Housing Board &

Coal Mines Welfare Organisation,
Dhanbad.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 11th January 1982

No. A-19012/983/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. S. Verma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hocbasis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenon of 9th December, 1981.

#### The 18th January 1982

No. A-19012/983/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. S. Verma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whicheer is earlier wit heffect from the forenoon of 9th December, 1981,

2. Shri B. P. Singh will be on probation in the post of Fxtra Assistant Director Asstt. Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.

A. BHATTACHARYA, Under Seev.

# DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 11th January 1982

No. 30/6/79-EC-IX.—The President is pleased to appoint Shri Som Prakash a nominee of the Union Public Service Commission against the temporary post of Architect C.C.S. Group 'A' in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 1100.'- P.M. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (plus usual allowances) with effect from 14-12-1981 (FN), on the usual terms and conditions. His pay will be refixed according to rules shortly.

2. Shri Som Prakash is placed on probation for a period of two years with effect from 14-12-1981 (FN).

NEENA GARG, Dy. Director (Admn.)

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES ANDHRA PRADESH

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Coramandal Acquatic Private Limited

Hyderabad, the 7th January 1982

No. 911/FAI/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Coramandal Acquatic Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sree Navayuga Films Private Limited

Hyderabad, the 7th January 1982

No. 1157/TA1/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof name of the M/s. Sree Navayuga Films Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Food Grains Emporium Private Limited

.

Calcutta, the 11th January 1982

No. 11316/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 500 of the Companies Act, 1936, that the name of Food Grains Emporium Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Oriental Insurance Corporation Limited

Calcutta, the 11th January 1982

No. 6998, 560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Oriental Insurance Corporation Limited has

this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hind General Mercanille Agency Limited

Calcutta, the 11th January 1982

No. 23071/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Hind General Mercantile Agency Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sankarson Enterprises (India) Private Limited

Calcutta, the 11th January 1982

No. 30668/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Sankarson Enterprises (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pantagon Instruments Private Limited

Calcutta, the 11th January 1982

No. 31415/560(5).--Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pantagon Instruments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of G. E. Brake Equipments Private Limited Calcutta, the 11th January 1982

No. 27279/560/(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956.

that the name of G. E. Brake Equipments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Assistant Registrar of Companies West Bengal

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES KARNATAKA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Pestop Private Limited

Bangalore, the 12th January 1982

No. 1624/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pestop Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Premier Carbons Private Limited

Bangalore, the 12th January 1982

No. 2827/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Premier Carbons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashi Prashad S'o Nathmal, R/o Sikar.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1113.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shri Murlidhar Jalan S/o Shri Surajmal Jalan,

R/o 62-Ballu Ganga Circular Road, Calcutta.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot of land situated at Station Road, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide No. 31 dated 13-5-81.

> M. L. CHAUHAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-12-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR \(\simega\)

Jaipur, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1112,—Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Sikar on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

22-446GI/81

ı

 Murlidhar Jalan S/o Surajmal Jalan, R/o 62-Ballu Ganga Circular Road, Calcutta

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shankar Lal R/o Sikar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot of land situated at Station Road, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide No. 30 dated 13-5-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-12-81

Seal;

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/Acq/1111.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an '/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Murlidhar Jalan S/o Shri Surajmal Jalan, R/o 62-Ballu Ganga Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Banwarilal R/o Sikar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquiistion of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot of land situated at Station Road, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar, vide No. 29 dated 13-5-1981.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-12-81

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1110.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax A.t., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Murlidhar Jalan S/o Shri Surajmal Jalan. R/o 62-Ballu Ganga Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Subkaran Jain S/o Pannalal Jain, R/o Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot of land situated at Station Road, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar, vide No. 28 dated 13-5-1981.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-12-81

Scal:

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th December 1981

Ref. No. IAC/Acq./1106.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sv. Dr. Bhawani Shankar Bhargava, Basant Kishore Bhargava, Jugalkishore Bhargava Advocate, Shri Sunderlal Bhargava, Advocate & Notary Public & Shri Kamalkishore Bhargava, Munsif Magistrate, Chittorgarh.
- (2) S/Shri Bhuralal Kumawat, Kanji alias Kanhiyalal, Shri Narain, Shri Mangal Singh & Smt. Narbada Devi W/o Ramdas Tak R/o Vill, Jalia-1 (Beawar))

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4600 sq. yd. situated on Sendra Road, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 1626 dated 28-5-81.

M. L. CHAUHAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-12-81

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1982

Ref. No. 1114.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) '(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land at 6E-Chhoti (SONR)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 20-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathuram S/o Munshiram Agarwal, 84-Dhanmandi, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Hansraj S/o Chimmanlal & Jagdish Rai, S/o Harishchand, Sri Ganganagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at 6E-Chhoti, Sri Ganganagar, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sri Ganganagar vide No. 830 dated 20-5-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-82

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1982

Ref. No. 1115.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land situated at 6E-Chhoti (SGNR)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srigunganagar on 12-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathuram S/o Munshiram Agarwal, 84-Dhanmandi, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Gopiram Agarwal, Sri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at 6E-Chhoti, Sri Ganganagar, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sri Ganganagar vide No. 710 dated 12-5-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-82

Seal:

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1982

Ref. No. 117.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land situated at 6E Chhoti (SGNR)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 6-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Nathuram S/o Munshi Ram Agarwal, 84 Dhanmandi, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Pal S/o Sardar Singh & Guru Bux Singh S/o Rawal Singh Bhatia, Sri Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at 6E-Chhoti, Sri Ganganagar, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sri Ganganagar vide No. 829 dated 6-5-81.

> M. L. CHAUHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-82 Seal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1982

Ref. No. 1116.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at 6E-Chhoti (SGNR)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nathuram S/o Munshiram Agarwal, 84-Dhanmandi, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Kavinder Singh S/o Guru Bux Singh Bhatia, Manjeet Kour D/o Guru Bux Singh Bhatia, Sri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Chotti, Sri Ganganagar, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide No. 709 dated 4-5-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 2-1-82

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC.No.68/81-82/Kakinada Squad,—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 8-24-27 New No. 8-24-8A Madhavarao Street Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—446GI°81

- (1) Sri Kanakpally Sudersana Rao, S/o Madhavarao, Gandhinagar, Kakinada, (Transferor)
- (2) Smt. Karri Vijayalaxmi, W/o Venkateswara Rao, Asstt. Engineer, Yeluru Division, Elwinpeta, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing Door No. 8-24-27 New Door No. 8-24-8A-T. S. No. 43/1A Madhavarao Street, Mallayya Agraharam, Kakinada registered with the SRO, Kakinada vide doc. No. 3881/81 during the month of May, 1981.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated 4-1-1982 .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1981

Ref. No. RAC. No. 69°81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GONINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Door No. 6-2-34 at Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

at Palakol on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sr. Chodisetty Chandra Rao
 S/o Venkatarayulu

 Chodisetty Veera Venkata Pandu Ranga Rao,
 Chendra Rao
 Chodisetty Sree Ramamurthy
 Chendra Rao

(Transferor)

(2) Sri Chegondi Ravi Sankar being minor rep. by Chegondi Suryanarayana Rao, Doddipatla. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Door No. 3-2-2, Palakol.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant site 1718 sq. yds, Door No. 6-2-34 with Tiled Shed—Palakol was registered with the SRO, Palakol during the month of May, 1981 vide doc. No. 1117/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated 4-1-1982 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) (IF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC.No.70/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 42-5-22 situated at 10th Ward, Palakol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Palakol on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Samidi Nagamani, W/o Surya Rao, Door No. 3-2-4A, 2nd Ward, Palakol.

(Transferor)

(2) Sri Pitani Venkanna, S°o Surayya Sri. Pitani Suryanarayana S/o Venkanna Sri. P. Satyanarayana S/o Venkanna—All are residing at Kommu Chikkala— Narasapur Taluk W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing door No. 42-5-22-10th ward Asst. No 4890-Palakol Town was registered with the SRO Palakol during the month of May, 1981 vide document no. 1161/81.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dated 4-1-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT \ COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th January 1982

Ref. No. RAC.No.71/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GÓVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. House Site 2326 sq. yds. in S. No. 120.GTR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Smt. Ponugoti Satyavathi, W/o Sri Ramy Reddy, Reddipalem Village, Manuguru Taluk, Khamman Dt.

(Transferor)

(2) Sri. Alapati Satyanarayana S/o Chinna Nagaiah, Stambala Garuvu, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saic Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Site with 2326 sq. yards bearing Survey No. 120 at "Stambala Gruvu, Guntur registered with the SRO, Guntur during the month of May, 1981 vide doc. no. 5695/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-1-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1981

Re. No. P. R. No. 1355.Acq.23-11/81-82.—Whereas, 1, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 25, 26 paiki land situated at Makatanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Harshadbhai M. Patel: Sonal Enterprise; Budhdev Market, Broach.

(Transferor)

(2) President of Shri Radhakrishna Coop. Housing Society Ltd. Shri Rajubhai P. Patel. Broach,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property at S. No. 25 & 26 paiki land at Maktampur, July registered vide No. 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1341, 1342, 1343, 1361, 1362, 1363/81.

G, C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Dated: 22-12-1981.

(1) Shri Chhitabhai Bhajubhai Patel;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raviibhai Mathurbhai Patel; Broach.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1354.Acq.23-II/81-82,--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 26 paiki land situated at Bholav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period \$\sim\$ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property at Bholav S. No. 26 paiki land, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Dated: 22-12-1981.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300009

Ahmedabad-380 009, the 22nd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1353.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 93/3 situated at Ghadkhal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ankleshwar on 1-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramabhai Trikambhai; Ghadkhol, Taluka: Ankleshwar.

(Transferor)

(2) 1. Ambaben Kanchanlal Gandhi; Kansara Bazar, Ankleshwar,

 Kautaben Champaklal Traslawala; Lallubhai Chakla, Near Kabutar Khana, Bronch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 93/3, at Ghadkhol, duly registered in the month of May, 1981.

G. C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Ahmedabad.

Dated: 22-12-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1981

Ref. No. P.R. No. 1352,Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Regn. No. B-B-69/dt. 21-5-50, Plot No. 64 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Nalin Shambhulal Shah; 3-B, Elgin Road, Calcutta-20.

(Transferor)

1. Shri Sureshbhai Manubhai Shah, Karta of HUF.
 2. Sureshbhai Manubhai Shah, HUF.
 64, Urmi Society, Baroda-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered No. B-B-69/dt. 21-5-50, Plot No. 64, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedahad.

Dated: 21-12-1981.

## FORM J.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TA'X,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 29th December 1981

Ret. No. P.R. No. 1356 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G C. GARO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reférred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 745-A-1 Wd. No. 10 situated at Ambaji Road, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration  $\Lambda$ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—446G1/81

- (1) Shri Nareshchandra Babubhai Nanavati; Gopipura Main Road, Surat and Shri Nikunjkumar Nareshchandra Nanavati; Gopipura Main Road, Surat. (Transferor)
- (2) Shri Nadulal Shailendradas and Shri Kamalchandra Shailendradas; 745-A-1, Ambaj Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULR

Property at Nondh No. 745-A-1, Ambaji Road, Surat, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-12-1981

Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1357 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1061-1961 situated at Chok Bazar, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accusaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- P.A. Holder of Shri Mohmad Ismail Mulla; Shri Ismail Hafer Ahmad Mulla, Parsivad Rander, Surat. Surat.
- (2) 1. Shri Mohmad Yusuf Abubhai Chandivala; Anupam Chamber, 3rd Floor, Bhaga Talao, Surat.
  - Bai Nasimbai Miyamohmad; Chok Bazar, Sidhivad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underslaned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property at Chok Bazar, Wd. No. 11, Nondh No. 1060-1061, duly registered in May 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-12-1981

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 30th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1358 Acq. 23-I1/81-820.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 531, Luhar Mahollo, situated at Navsari Bazar, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bharatiben Kantilal Thakkar—self and guardian of Minor son Vrajlal Kantilal; Hemantial Kantilal; Shailesh Kantilal: Luhar Mohollo, Navsari Bazar, Surat. (Transferor)
- (2) 1. Lalitaben Chhotalal:
  - Balkrishna Chhotalal;
     Gitaben Balkrishna;
  - Gitaben Balkrishna;
     Khushmanlal Bachubhai;
    - . Jayshree Khushmanlal; Shivdas Zaveri Sheri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 531, Navsari Bazar, Luhar Mahollo, Surat registered in May, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-12-1981

(1) Shri Kantilal Thakordas Shah; Mugalisara, Surat.
(Transferor)

(2) S/Shri 1. Bakulbhai Durlabhram;

2. Kanchanlal Durlabhram:

3. Durlabhram Kalidas; 4. Jamnaben Durlabhram; Shahpor, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD Ahmedabad-380 009, the 31st December 1981

Ref. No. P.R. No. 1359 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1176, Wd. No. 12, Luhar Pole, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 6-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Machhali Pith, Luhar Pole, Nondh No. 1176, Wd. No. 12, Surat duly registered in May 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 31-12-1981

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 17th December 1981

Ref. No. III-529/Acq/81-82,—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bihar Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Touzi No. 439 Ward No. 11, Circle No. 28, Sheet No. 70 M.S. Plot No. 293, Holding No. 276 (Old) Present Holding No. 288, situated at Amrudi, Machua Toli, Known as Abulas lane, P. S. Kadamkuan, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shail Kumari Devi W/o Sri Laxman Sharma R/O Bheldi P.S. Parsa Dist. Saran (Chapra) At present residing at Budha Colony near Police Station, Patna. (Transferor)
- (2) Shri Krishna Chandra Agrawal S/o Sri Ruli Ram Agrawal R/o Habzibagh P.S. Pirbahore Dist. Patna, At present residing at Amrudi Machua Toli known as Abulas lane, P.S. Kadamkuan, Patna-4. (Transferee)
- (3) Self occupied by transferees.
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Five anna's four paisa share equivalent to land 10 1/3 dhurs with triple storied building situated at Amrudi Machua, toli known as Abulas lane, P.S. Kadamkuan, Patna-4 morefully described in deed No. 3397 dated 6-5-1981 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 8th January 1982

Rcf. No. III-536/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 2 Touzi No. 5240, Khata No. 501, Khesara No. 1444, 1445 and 1446 situated at Mainpura Digha Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dinapore on 2-5-1981,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ram Swarath Singh S/o Kamla Singh (ii)
   Smt. Kunti Devi W/o Ram Swarath Singh R/o Mainpura (Near L.C.T. Ghat)
   P.S. Patliputra, P.O. G.P.O. Dist. Patna.
  - (Transfereror)
- (2) Smt. Durga Singh W/o Shri Shambhoo Prasad Singh R/o Bhagatpur P.S. Balia Dist, Bogusarai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 10 Katha situated at Mouza Mainpura Digha P.S. Patliputra Dist. Patna morefully described in deed No. 1875 dated 2-5-1981 registered with Sub-Registrar-Dinapore.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 8-1-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 12th January 1982

Ref. No. III-537/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Plot No. 1827 Holding No. 224 Ward No. I B situated at Missirgonda Alias Paha-rgonda P.S. Kanke Dist. Ranchi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Padmavati Goyal W/o Shri Bidya Bhushan Gupta alias Vidyadhar Goyal R/o Kanke Road, Ranchi Expressed by her constituted Attorney Shri Bidya Bhushan Gupta S/o Late Jagannath Gupta residing at 8 Murlidhar Lane, Calcutta.
- (2) Smt. Sachita Devi D/o Sri Chhedilal Azad R/o Nagratoli P.S. Lalpur Dist. Rauchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piec and parcel of land measuring 7 Katha 8 Chhatks with building situated in village Missirgonda alias Pahargonda P.S. Kanke Dist. Ranchi morefully described in deed No. I 3665 dated 2-5-1981 registered with the Registrar of Assurance Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 12-1-1982

#### FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 12th January 1982

Ref. No. III-538/Acq/81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1827 Holding No. 165 Ward No. I B situated at Missirgonda alias Pahargonda P.S. Kanke Dist. Ranchi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Miss Rama Devi Goyal D/o Bidya Bhushan Gupta alias Vidyadhar Goyal R/o Kanke Road Ranchi, expressed by her constituted Attorney Sri Bidya Bhushan Gupta S/o Late Jagannath Gupta, residing at 8 Murlidhar Lane, Calcutta.
- (2) Shri Ram Kumar Rattan Lall (H.U.F.) through Karta Rattan Lal Bhartia residing at 2 Ganesh Chandra Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piec and parcel of land measuring 10 Katha with bulliding situated in village Missirgonda alias Pahargonda P.S. Kanke Dist. Ranchi morefully described in deed No. I 3657 dated 2-5-1981 registered with registrar of Assurance Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 12-1-1982

## FORM-ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE, INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Pune-1, the 30th December 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bombay|May'81|552|81-82.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 119A, C.T.S. No. 145,, S. No. 131A, CTS No. 146 situated at Lonavala, Tal Maval,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bombay on 2-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-25-446GI/81

(1) Miss Yesmine Minoo Vazifdar, Mindsor House, Maharashi Karve Road, Opp. Oval, Bombay-400 032.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Ravishankar Frivedi, Partner of M/s Chandrika Estate Corporation 8-2. Rajpipla Society, Opp. Grindlays Bink, Linking Road, Santacruze, Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Lane bearing S. No. 119A C.T.S. No. 145, S. No. 131A C.T.S. No. 146 situated at Lonavala, Tal Maval admn. 0.40 and 0.80 Hector's respectively.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R-2507 in the office of the Sub Registrar Bombay on 2-5-1981).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 30th December 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bombay/May'81/533|81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,200/- and bearing No.

S. No. 119C, CTS No. 54 situated at H-Ward, Lonavala, Tal. Moval

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bombay on 2-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Miss Yasmine Minoo Vazifdar, Windsor House, Maharashi Karve Road, Opp. Oval, Bombay-400 032.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Ravishankar Trivedi, Partner of M/s. Chandrika Estate Corporation, B-2, Rajpipla Society, Opp. Grindlays Bank, Linking Road, Santacruze, Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 119C C.T.S. No. 54 Ward H situated at Lonavala, Tal Mayal. Dist. Pune, admn. 0.39 Hectares.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R.532 in the office of the Sub Registrar, Bombay on 2-5-1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 30th December 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bhusaval|May,'81|554|81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Out of Plot No. 130/2 H. No. 2, Plot No. 10 Municipal No. 614, situated at Mouje Bhusaval, Sahakar Nagar, Vill. Satarc, Tal. Bhusaval, Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Bhusaval in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

- (1) Smt. Chandabai Poonamchand Boridiya, New Lariya Ward, Bhusaval, Dist. Jalgaon.
  - (Transferor)
- (2) Shri Hariram Roopchand Rizwani, Sahakar Nagar, Bhusaval, Dist. Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property out of Plot No. 130/2, H. No. 2, Plot No. 10 Municipal No. 614, situated at Sahakar Nagar, Vill. Satare, Tal. Bhusaval, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 931 in the office of the Sub Registrar Bhusaval in the month of May 1981.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date: 30-12-1981

Seal

(1) Shri M. T. Maru & Seven others. Shivaii Road. Nasik-1. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Ranga N. Rao,2. Shri Ashok N. Rao C/O Hotel Priya, Nasik-1. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-411001, the 30th December 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Nasik|May'81|555|81-82.— Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 870/3, Plot No. 2 situated at Bombay Agra Road, Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Nasik in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 870/3, Plot No. 2 situated at Bombay Agra Road, Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2141 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of May 1981.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-600 006, the 21st December 1981

Ref. No. 195/May/81.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4162, Anna Nagar situated at Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam, Madras on 28-5-1981,

(Document No. 2319/81),

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. N. Narayani, W/o Sri N. R. Kailaichezian, No. 41. Karneswarar Koil Street, Mylapore, Madras-600 004.

  (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Hemalatha Sethu Pillai, No. G-86, Anna Nagar, Madras-600 040. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

(Land and building at Plot No. 4162, Anna Nagar, Madras-40—Document No. 2319/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 21-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFRICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS

Madras-6, the 12th January 1982

Ref. No F. 16489.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafte: referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. door No. 54 situated at Usman Road, Madras-17, (Doc. 1716/81),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North on May 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. S. Krishnamurthy, S. V. S. Ratnam, S. Padmanabhan, D/97, Sowbagya Colony K. K. Nagar, Madras-78.
- (2) M/s. Shriram Investments, 54, Usman Road, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 54, Usman Road, Madras-17. (Doc. 1716/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 12-1-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th September 1981

Ref. No. 360/81-82,—Whereas, I DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-/ and bearing

No. Old Survey No. 217 Chalta No. 84, CS. No. 1401 situated at Ranade Road, Hindawadi, Belgaum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Balgaum under document number 396 on 8-6-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kusum Shripad Sunthanakar.
   Shri Shripad Vithal Sunthanakar. Tilakawadi, Belgaum.

  (Transferor)
- (2) Shri Nanalal Manachand Doshi R/o No. 2883, Khade Bazar, Belgaum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 396 dated 8-6-1981)

Open plot measuring 497.57 Sqm. bearing old survey No 217 chalta No. 84, CS. No. 1401 situated at Ranade Road. Hindawadi, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th September 1981

Ref. No. 361/81-82.—Whereas, I, DR. V, N. LALITHKUMAR RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 79/1 Plot No. 3 situated at Anagol Belgaum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 604 on 15-5-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurusiddappa Siddappa Hebbalkar, Khanapur.
  (Transferor)
- Shri Ajit Dattopant Kulkarni.
   Smt. Alaka Ajit Kulkarni, R fo No. 141, Mangalawarpet, Tilakawadi, Belgaum.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 604 dated 15-5-1981)

Open plot measuring 696.75 Sq. mts. bearing C.S. No. 79/1 plot No. 3 situated at Anagol, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-9-1981.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 13th October 1981

Ref. No. 362/81-82.—Wherens, J DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS. No. 270/1 situated at Upparagalli, Khasabag, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Belgaum under document number 714 on 25-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—446 GI/81

- (1) 1 Smt. Pushpadevi Rameshwatilal Joshi, R/o 479, Khade Bazar, Belgaum.
  - 2. Shri Ramakumar Rajaram Ioshi. R/o 2414, Kacheri galli, Shahapur, Belgaum.

(Transferor)

(2) M/s Prakash Charitable Trust, 8/9, Kalasipalyam, New Extension, Bangalore, represented by its Trustee Shri Sudarshanakumar Manchanda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 714 dated 25-7-1981)

Land and building bearing C.T.S. No. 270/1, situated at Uppargalli, Khasabag, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-10-1981

Scal:

FORM 1TNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th October 1981

Ref. No. 363/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Revenue S. No. 50/2 situated at Monge Kangrali, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document number 318 on 1-6-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Lalitprabhadevi Basavalingaraj Deshamukh Desai, R/o Kakati, Belgaum, P.A. Holder Shri Prabhuling Babasaheb alias Khanabahadur Desai R/o Kakati, Belgaum.

(Transferor)

(2) Immaculate Co-op Housing Society Ltd., 2908, Khade Bazar, Belgaum.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 318 dated 1-6-1981.]

Land measuring 36012-15 square metres and bearing Revenue S. No. 50/2 situated at Monge Kangrali, Belgaum.

> DR. V. N. LALITHKUMAR RAO. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-10-1981.

Sen1:

## (1) Mrs. Martal Luice W/o P. J. Luice R/o Club link Road, Belgaum,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Ramjan Ali Khimaji Bhai.
 Smt. Amina Ramjan Ali Khimji Bhai.
 R/o 4803/4804, Shivajinagar, Belgaum.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bangalore-560001, the 13th October 1981

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 366/81-82.—Whereas, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Road, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS. No. 4866/B Mun. No. 4874/8 situated at Club link

Belgaum under document number 755 on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 755 dated 28-5-1981]

Land and buildings (including outhouse and garage) bearing CTS. No. 4866/B Municipal No. 4874/8 situated at Clublink Roal, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-10-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th October 1981

Notice No. 369/81-82.—Wherens, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Incomelax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1678 situated at Kirloskar Road, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 652 on 19-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

md/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prabhakaralal Mohanalal Kalawar, R/o Karubhargalli, Vadagaon, Belgaum. (Transferor(s)
- (2) Shri Prabhakararao Anantarao Samant R/o 1678, Kirloskar Road, Belgaum.\*Γιansferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 652 dated 19-5-81] Land measuring 13.75 Sq. metres and buildings thereon bearing C.S. No. 1678, situated at Kirloskar Road, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-10-1981.

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1981

No. 374/1981-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVÁN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to. as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. situated at Holenarasipur Tal Halekotc Hobli Baginalu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Holenarasipura under document No. 91 on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri P. Subba Setty s/o Puttaswamiah,
   Shri H. S. Rangaraju s/o P. Subba Setty,
   Shri H. S. Vijaykumar S/o P. Subba Setty,
   Shri H. S. Swaminathan S/o P. Subba Setty,
  - Residents of Holenarasipura.

(Transferor(s) (2) Shri Patel Nanjappa s/o late Shri Patel Ramegowda, Resident of Baginalu, Halekote Hobli, Tq: Holenarasipura.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 91 dated 4-5-1981]

5 Acres 18 Guntas garden land in Survey No. 106 situated at Baginalu Village, Halekote Hobli, Taluk: Holenarasipura.

SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) -

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1981

No. 375/1981-82.—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. situated at Holenarasipur Tal Halekote Hobli Baginalu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Holenarasipura under document No. 102 on 11-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) 1. Shri P. Subba Setty s/o Puttaswamiah,

 Shri H. S. Rangaraju s/o P. Subba Setty,
 Shri H. S. Vijaykumar S/o P. Subba Setty,
 Shri H. S. Swaminathan S/o P. Subba Setty, Residents of Holenarasipura.

(Transferor)

(2) Shri Patel Nanjappa s/o late Shri Patel Ramegowda, Resident of Baginalu, Halekote Hobli, Tq: Holenarasipura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 102 dated 11-5-1981] 3 Acres 12 Gunthus garden land in Survey No. 109 situated at Baginalu Village, Balekote Hobli, Taluq: Holenarasipura.

> SMT. MANJU MADHAVAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sollowing persons, namely:-

Date: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1981

No. 376/1981-82.—Whereas, I, SMT. MANIU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

Survey No. 2 situated at Baganeheddal Village, Avati Hobli, Chikmagalur Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikmagalur under document No. 295/81-82 on 8-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 1.Shri H. R. Shivaswamy s/o late C. H. Rudrappa, 2. Shri H. R. Shantakumar s/o late C. H. Rudrappa,

  - 3. Shri H. R. Suresh s/o late C. H. Rudrappa. 4. Smt. H. R. Nagaratnamma w/o C. R. Mellappa, 5. Smt. H. R. Indira, P.A. Holder Shri H. R. Shantakumar,
  - 6. H. R. Vijaya, 7. H. R. Vidya, 8. Smt. Nanjamma, w/o late C. H. Rudrappa Residents of Hunasemarad Road, Chikmagalur. Transferor(s)
- (2) 1. Shri C. V. Shivarudrappa s/o late C. H. Veera
  - bhadrappa.
    2. Shri C. S. Dinesh
    3. C. S. Kusum
    - Minor Guardian
  - Kum, C. S. Savita ∫ Shri C. V. Shirarudrappa
     Shri C. V. Rudrappa s/o late C. H. Veera-
  - bhadrappa 6. Shri C. R. Nishit, Minor Guardian Shri C. V.
  - Rudrappa
    7. Shri C. V. Chidanand s/o Shri C. H. Veera-
  - bhadrappa 8. Shri C. V. Mahadevappa s/o Shri C. H. Vcetabhadrappa

  - C. V. Rajashekhar s/o Shri C. H. Veerabhadrappa
     Smt. Shivamma w/o late C. H. Veerabhardappa Residents of Basavanahalli. Chikmagalur.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

. [Registered Document No. 295/81-82 dated 8-5-1981]

5-Acre Coffee plantation bearing Survey No. 2 situated at Bagancheddal Village, Avati Hobli, Chimagalur Taluk.

SMT. MANJU MADHAVAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

## ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1981

No. 377/1981-82.—Whereas, J. SMT. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

43/1 situated at Thumbudevanahalli, Arehalli hobli taluk Belur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belur under document number 249 on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the inforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri T. K. Krishnagouda
  - Smt. Puttamma W/o Sri T. N. Ramaiah
     Shri T. N. Ramaiah
     Shri T. R. Shesegowda

  - 5. Utharamma
    - Shri T. R. Giddaraju R/o Thumbudevanahalli Aremalli hobli Tal: Belur.

- (2) 1. Shri L. V. Venkatachalam Chettiah
  2. Shri L. C Chidambara Chettiar
  3. Shri L. S. P. Subramaniyan Chettiar
  4. Shri L. P. Pethapelumala Chettiar
  5. Shri L. S. V. Sevugan Chettiar
  6. Shri L. R. M. Ramaswamy Chettiar

  1. December 11. Arabalii hobii Dist

R/o Devanahalli Arehalli hobli Dist: Hassan. Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 249/81-82 dated 15-5-1981]

6 acre and 22 guntas coffee plantation bearing survey No. 43/1 and situated at Thumbudevanahalli, Arehalli hobli taluk Belur.

> SMT. MANJU MADHAVAN. Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

 Sri T. V. Koteshwar Setty,
 Sri T. K. Ramesh S/o T. V. Koteshwar Setty,
 Sri T. K. Badrinath S/o T. V. Koteshwar Setty,
 Coftee Planters & Merchants, M.G. Road, Chikamagalur,

(2) M/s. B. H. Dayananda Pai & Sons, Coffee Planter, Vasanta Cool Estatse, Ratnagiri Road, Chikmagalur.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th December 1981

Notice No. 378/81-82.--Whereas, 1, SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 7 situated at Athigiri Village, Jagara Hobli, Chikmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Chikmagalur under document number 464/81 on 28-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-27-446GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used beleft as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registerd Document No. 464/81 dated 28-5-81) 45 acres of coffee plantation bearing S. No. 7 situated in Athigiri Village, Jagara Hobli, Chikmagalur,

> SMT. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Dated: 4-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-500001

Bangalore-560001, the 4th December 1981

Notice No. 379/81-82.— SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 7 situated at Athigiri village, Jagara hobli of Chikmagalur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Chikmagalur under document

number 465/81 on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

- Shri T. V. Nagaraja setty.
   Kumari Asha d/o Shri T. V. Nagaraja Setty, Coffee planter, M. G. Road, Chikmagalur, (Transferor)
- (2) M/s B. H. Dayananda Pai & Sons, Coffee planter, Vasanta Cool Estate, Ratnagiri Road, Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 465/81 dated 28-5-1981) 43 acre & 38 guntas of coffee plantation bearing S. No. 7. situated at Athigiri village Jagara Hobli of Chikmagalur Taluk.

SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 4-12-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th December 1981

No. 380/81-82.—Whereas, I. SMT. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 7 and 15/2, situated at Athigiri village, Iagara Hobli of Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmangalur under document number 466 cn 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. K. Virupaksha Setty, Coffee Planter, M. G. Road, Chikmagalur. (Transferor)
- (2) M/s. B. H. Dayananda Pai & Sons, Coffee Planter. Vasanta Cool Estate, Ratnagiri Road, Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 466/81 dated 28-5-1981) 40 acre coffee plantation and 3 acre orange plantation bearing survey No. 7 and 15/2 respectively, situated at Athigiri village, Jagara Hobli of Chikmagalur Taluk.

SMT. MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore.

Dated: 4-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th January 1982

CR. No. 62/30759/81-82. Acq. / B.—Wheras, J. SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Corpn. old No. 3/5, 3/16, 4/3 and 4/1 and New Nos. 5, 6, 3, 4 situated at Kasturba road, Bangalore-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Gandhinagar under document No. 634/81-82 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce ds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Mrs. B. M. H. Andenson 2. Mrs. M. I. B. L. Jones 3. Mr. D. M. S. Anderson No. 5, Kasturba Road, Bangalore-1. (Transferor)
- (2) M/s. Karnataka Realtors Pvt. Itd., Registred Office at 83, M. G. Road, Civil Station, Bangalore. Represented by its Directors, 1. Mr. Sadath Ali Khan

2. Mr. Zackria Hashim.

(Transferee)

(3) 1. Hindustan Petroleum Oil Co. (Petrol Bunk)

2. Shankaranarayana Urala 3. K. C. Papchan 4. S. Pocock

- 5. Sri Kannan
- 6. Sri Sargunan
- M. Peters
- 8. Mr I ean
- 9. Mr. S. Xavier

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 634 81-82 dated 16-5-81) All that property with land and building bearing corpora-tion old Nos. 3/5, 3/16, 4/3 and 4/1 and new nos, 5, 6, 3, 4 situated at Kasurba Road, Bangalore-1.

SMT. MANJU MADHAVAN, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 4-1-82 Seul:

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7908. -Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Mpl. No. 4633, 19-A situated at Ausari Road, Darya Ganji,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. S Chand & Co. Ltd., Ram Nagor. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinder Pal Singh Janeja S/o Pritam Singh Taneja R/o E-22, Kalindi Colony, New Dlhi. e (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 4633, 19-A. Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Duted: 4-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7859.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2648 situated at Churiwalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Leela Wati W/o L. Lakshmi Narain 2648, Churiwalan, Delhi.

(Transferee)

(2) Sh. Mehender Kumar S/o Nirmal Pd. 2648, Churiwala, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2648, Gali Badliyan Churiwalan, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, New Delhi

Dated: 4-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7857.--Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

2791-93. Peepal Mahadev, Delhi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate propeedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Krishanrain Gupta S/o Maharaja, Ram R/o 2791-92, Peepal Mahadev, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Sarvesh Kumar Goel, Ram Kr. Goel, S/o Naram Dass R/o 2878, Sirkiwalan, Delhi. Gali, Jajam Sulia, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- -(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2791-92, Peepal Mahadev, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
H. Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate
New Delhi

Dated: 4-1-82

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. Krishna Rai Gupta S/o Maharaja Ram R/o 2791-92, Peepal Mahadev, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Devki Nandan & others S/o Narain Dass R/o 2878, Sirkiwala, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81, 7856.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2791-92, situated at Pecpul Mahadev, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income erising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2791-92, Chatta Sooffzi Peepal Mahadev, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Dated: 4-1-82

(1) Sh. S. Chand & Co. Ltd. Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Om Parkash Gupta S/o Ram Richpal R/o Kt. Mashroo, Dariba Dlehi.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7917.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. 4633 situated at Ansari Road, Darya Gonj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property,

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

28-446GI/81

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. 4633, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated: 4-1-82

#### FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7868.---Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 29 situated at Industrial Area Scheme, Nazafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gupta Iron & Brass Works Ltd. 29, Nazafgarh Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Chatan Swarup Vinod Swarup R/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 29, Industrial Area Scheme, Nazafgarh Road. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated: 4-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. JAC/Acq.H/SR-I/5-81/7944.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

35-H situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dharam Kirti S/o Agya Ram 35/8, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh S/o Jagat Singh R/o 3577, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 35-H, West Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Dated: 4-1-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq,II/SR-II/5-8154638(A).--Whereas, IVIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath s/o Pat Ram s/o Abhey Ram & others R/o Village Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur w/o Amarjit Singh R/o K. Raza Mazra, Patiala, Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 555.5 sq. yards Village Samepur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4637.—Whereas, I, VIMAI, VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Samepur, Delhi Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath s/o Pat Ram & others. R/o Village Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh s/o Lal Singh R/o 95/4, Gali Kashmere Raza, Mazra, Patiala, Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land 555 sq. yards Village Samepur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4633.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 12, Road No. 53 situated at Village Madipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dheru Mal Kapur & Sons, 66, G.B. Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Capsons Co. (Regd.) D.G.B. Road Market, Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, Road No. 53, Punjabi Bagh, Village Madipur, Delhi measuring 666.66 Sq. yards.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982 Seal:

Sear :

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-8/4618.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dichaun Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tek Chand s/o Jai Lal R/o Village Dichaun Kalan, Sub-Tehsil, Nazafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Kwatra s/o Parma Nand Kwatra R/o 21/165, D.S. Qr. Kabool Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Village Dichaun Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.1t/SR-II/5-81/4620,—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land village situated at Dichaun Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tek Chand s/o, Jai Lal R/o Village Dichun Kalan, Nazafgarh, Delhi.

(Transferor)

. (2) Shri Sat Pal Kapur s/o Bodh Raj Kapur, R/o N-7, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land village Dichun Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/7914.—Whoreas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Prop. No. 3036-37B situated at Pahari Dhiraj, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- th facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) t

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--29-446G1/81

(1) Shri Mangat Ram & Mulkh Raj S/o Ram Lal Rfflo 3036-37, Pahari Dhiraj, Delhi.

('Transferor)

(2) Smt. Leena Grover w/o S. P. Grover, R/o 3086, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of whichever notice on the respective persons, period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Prop. No. 3036-37, Pahari Dhiraj, Delhi.

SMT, VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

#### FORM ITNS ....

 Shrl Piare Lal 6/0 Rabi Ram R/0 Village Tikari Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Om Parkash & others s/o Piare Lal r/o Village Tikri Kalan, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II 'SR-II/5-81.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri, land situated at Village Tikari Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating th concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Connecte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land 10 Bighas 9 Biswas Village Tikri Kalan, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4631.—Whereas, 1, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath s/o Dalpat R/o VPO Samepur, Delhi.

(Transferor).

(2) Smt. Panna Wati w/o K. L. Chawla and V. K. Chawla R/o F-295, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha, 61 biswas Village Samepur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4595.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. E-42 situated at Vill. Jawalaheri & Madipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. G. Arora R/o C/o A-2/183, Pachimpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Jain R/o I-133, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-12, New Multan Nagar Village Jawalaheri & Madipur. Delbi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
fuspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

#### FORM: I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/ACQ-II/SR-II/5-81/4640.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Shri Ram Nath s/o Pat Ram Abhey Ram & others. R/o Village Samepur, Delhi.
- (2) Smt. Pana Wati w/o K. L. Chawla & others. R/o F-295, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land 1333.5 sq. yards Village Samepur, Del.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4632.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C-56-2 situated at Shivaji Park, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Luchhmi Devi w/o Girdhari Lal. R/o G-4, Keka Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal & Kulwant Rai S/o Gurbachan Dass R/o C-56-2, Shivaji Park, Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

No. C-56-2, Shivaji Park, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-1-1982

# FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982.

Ref. No. IAC/AcqlII/SR-II/5-81/4639.--Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

Agri. land situated at Village Same Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- v, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under subt (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Ram Nath s/o Pat Ram
 Abhey Ram & others sons of Dalpat,
 R/o Village Same pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Phool Mala Jain w/o Sukhbir Singh Jain R/o Village Same pur, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of hie said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aet shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land village Same Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 4-1-1982

#### FROM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE,
NFW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC//Acq.II/SR-II/5-81/4638.—Whereas, IVIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269 B of the

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Village Samepur, Delhi

Agri. land situated at Village Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Nath s/o Pat Ram & others, Village Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur w/o Sant Singh H-25. Partap Nagar, Delhi,

(Transferce)

[PART III—SEC. ]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land 666.5 sq. yards Village Samepur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 4-1-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# R/o Village Bakhtawarpur, Delhi.

(1) Shri Ramu s/o Indraj,

(Transferor)

(2) Smt. Roop Wati w/o Rajinder Singh & others R/o Village I.P.O. Tajpur, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4621.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Bakhtawarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269P of the said Act to the following persons, namely 30—446GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land 4 bighas 16 biswas Village Bhakhtawarpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-1-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4597.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 242 situated at Village Salempur Majra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Nath Malhotra s/o Lakshmi Dass Malhotra R/o 1023 Ram Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Sharma Wd/o Vishnu Dutt Sharma, R/o 1030, Ram Bagh, Shakurbasti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 242, Village Seclampur Majra, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 4-1-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4581.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. WZ-308, situated at Village Tchar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; · and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bihari Lal Joshi s/o Ram Chand Joshi R/o WZ-308, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh s/o Pritam Singh . R/o C6 B/194, Janak Puri,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of th esaid property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

H. No. WZ-308, CB 2/34 Shiv Nagar, Village Tchar, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 4-1-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND 141 OOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 28, situated at Village, Possangipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparest consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raminder Nath Singh s/o Rajeshwar Nath Singh, R/o WZ-134, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander s/o Jesa Ram DE/133 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 28, Block 4 Krishna Park, Village Possangipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4611.—Whereas, 4, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. No. Λ-7 situated at Village Tihar, Fatch Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kuljit Singh s/o Dewan Dayal R/o No. B-85, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Bedi s/o Paramatma Dass Bedi R/o K-21, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mpl. No. A-7, Khasra No. 603 Village Tihar, Fateh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION ,RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4629.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. 117, situated at Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

 Shri Sunir Mal Sircar R/o 779 Nichalson Road, K. Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri L. R. Pathak s/o Mohan Lal Pathak, R/o 117, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mpl. No. 117, New No. 2154, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 4-1-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81 '4561.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bishan R/o Village Burari, Delhi,

(Transferor)

(2) Raj Kumari, R/o Village Jagapur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 4 bighas 16 biswas village Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi,

Date: 4-1-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAWAN, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4566.—Wherens, I, VIMAL VASISIIT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. B29 situated at Village Passangipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Narinder Kaur w/o Raj Pal Singh R/o GD/13, 'G' Block Hari Nagar, New Delhi,
  - (Transferor)
- (2) Shri Didar Singh s/o Amir Singh R/o 2/198, Subash Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B-29, Shankar Garden, Village Possangipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK. VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq\_II/SR-II/5-81/4588.--Whereas, 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Village Garhi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

31--446GJ/81

(1) Shri Risal Singh s/o Kaphaya R/o Village Mukhmalpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rama Bhatta Co. At Village Mukhmalpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land 15 bighas 10 biswas khasra No. 159, 163 & 164 Village Garhi Khusro Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate New Delhi

Date : 4-1-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ram Parkash Malhotra, s/o Lt. Jagat Ram Malhotra R/o RA-78, Inderpuri Colony, New Delhi.

(2) Shri Varinder Kumar Singhal s/o Shanti Lal Singhal, H. No. ER-27, Inderpuri,

New Delhi,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE. NFW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/5-81/4540.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. RA-76 situated at Village Naraina, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centi of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. RA-76, Inerpuri Extension No. 2, Khasra 1601 & 1602 Village Naraina, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
H. Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 4-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/5-81/7907.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4633, 19-A, siutated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tanaferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

\_ .

 S. Chand & Co. Ltd. Ram Nagar R/o 16-B/4, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrì Gopal Krishan Singhania s/o Purshotam Dass Singhania R/o 4280/3 Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1st Floor, No. 4633, 19-A, Ansari Road Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 8-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/ $\Lambda$ cq. $\Pi/SR-J/5-81$ .—Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Qr. No. 3, Mpl. 5073 situated at Roshanara Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagan Nath s/o Ganesh Dass R/o Qr. No. 3, P. No. 5073, Roshanara Road. Delhi.
- (2) Shri Davinder Pal Singhs/o Man Mohan Singh,9380 Gali Darwali Azad Makert,

Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Qr. No. 3, Mpl. 5073, Roshanara Road, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 4-1-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th January 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7852.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

77-1/2 Sq. yards No. 1147 situated at Baradari Nawab Wazir, Phathak Habas Khan, Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Swarup Ram w/o Amar Dass & others R/o 4400 Ranjit pura, Post Office College, Amritsar & others.

(Transferor)

(2) Smt. Gunwanti Devi w/o Chander Gupta R/o 1147 Baradari Nawab Wazir Khan, Delh.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### . THE SCHEDULE

No. 1147, Baradari, Nawab Wazir, Phatak Habas Khan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Date : 4-1-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, H. BI.OCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No, LAC/Acq.II/SR-I/5-81/7878.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 69 situated at New Qutab Road Market Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hans Raj s/o Narain Dass R/o No. 18/2, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Kumar s/o Radha Krishan, R/o 48-D, Kamla Nagar, Delh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 69. New Qutab Road Market Dolhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, II. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 8th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/5-81/7910.—Whereas, I. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1223, Ward IX situated at Mohalla Churiwalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Maqsood Begum wd/o Shahi Hussain R/o 1420, Gali Gondaniwali, Kolan Mahal, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Haji Imamuddin S/o Razuddin & Others R/o 1833, Chhatta Aghjan, Kucha Chelan, Kalan Mahal, Darya Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 1223. Ward 1X, Gali Surkh Poshan, Tokriwalan Mohalla Churiwalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Dated: 8-1-82

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/5-81/4578,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holasabi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering

Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Asha Ram S/o Sh. Bhola R/o Vill. Nekhpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi W/o Prem Chand & others R/o Holambi Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Khasra No. 61/10-11 & 62/6 Agri, land Vill. Holambi Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi,

Dated: 4-1-82

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/5-81/4583.—Whereas, J. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. R/shop 49, situated at Inderpuri Colony, Vill. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
32--446GI/81

 Miss Mohinder Kaur D/o S. Inder Singh R/o H. No. 8, Block No. 49
 Fast Patel Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jaikishan Goel S/o Ram Pat Goel R/o EA-28, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. R/shop 49, Inderpuri Colony, Vill. Naraina, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 8-1-82

Seal

#### FORM ITNS ---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/5-81/4557.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Qr. No. 20-B/108-A situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Davinder Singh S/o Mohor Singh R o 20/70 Tilak Nagar, New Delhi,
- (Transferor) (2) Sh. Mahinder Singh & Bhupinder Singh S/Q Darshan Singh R/o as above.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Or. No. 20-B/108-A. Tilak Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 11-1-82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January, 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-11/5-81/4574.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Lohr Heri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occurrily stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jai Lal S/o Hans Ram WZ-303, Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jasbir Singh S/o Jiwan Singh R/o K-45, Kirti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Eight Bighas Seven Biswas Agri. land Vill. Lohar Heri Palam Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 13-1-82

Seal

#### FORM ITNS—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/5-81/4573.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Lohar Heri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sh. Jai Lal S/o Hans Ram WZ-303, Palam, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dalbir Singh S/o Jiwan Singh & others R/o K-45, Kirti Nagar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land 10 bighas 4 biswas Vill. Lohar Heri, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 13-1-82

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/5-81/4577,—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Loharheri, Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Jai Lal S/o Hans Ram R/o WZ-303, Vill. Palam, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kuljit Singh S/o Jiwan Singh R/o K-45, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Loharheri, Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated): 13-1-82

Scal

### FORM I.T.N.S.

(1) Sh. Ghanshyam Dass S/o L. Seth Kedar Nath, Karta HUF R/o 507, Haveli Haiderkuli. Ch. Ch. Delhi.

Kumar Gupta & others R/o 103, Darya Ganj Delhi.

(2) Smt. Bimla Devi Gupta W./o Suresh

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 4th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7938.—Whereas, I, VIMAI VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mpl. No. 737 Ward No. VI situated at Gali Soclargran, Balimaran, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mpl. No. 737, Ward No. VI, Gali Sochargran Balimaran, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated): 4-1-82

Seal

### FORM I.T.N.S.---

(1) Sh. Boyi Pal Puri, Sunita Phagat & others R/o \122, Shardapun, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Muneshwar Lol Batra S/o Sita Ram R/o B-4011, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7877.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Qr. No. B-40/1 situated at Rumesh Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Qr. No. B-40/1, Ramesh Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 11-1-82 Seal:

Seat

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FEOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-5/5-81/7876.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-C/94 situated at New Rohtak Road. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurbax Singh & other Sons of S. Roop Singh R/o Khanna Building, Tibia College, K/Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Bajdev Raj Gulati S/o Rekha Ram Gulati R/o 5-C/94 New Rohtak Road, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sai dimmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 5-C/94, New Rohtak Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 11-1-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81|7888.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1610, Ward No. XIII situated at Bahadurgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---446GI°81

- (1) Smt. Prem Rani W/o Sher Singh R/o 1432 Fiaz Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Prem Lata W/o Dewan Chand R/o 1610, Ashok Gali, Aziz Ganj, Bahadur Garh Road Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 1610 Ward No. XIIII, Bahadur Garh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-Il, New Delhi

Dated: 11-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7889.—Whereas. J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1610, Ward XIII situated at Ashok Gali, Bahadurgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smr. Prem Rani w/o Sher Singh R/o 1433, Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Nirmala Gupta W/o Gian Chand Gupta R/o 1610, Ashok Gali, Aziz Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

No. 1610, Ward XIII Ashok Gali, Bahadurgarh Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 13-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND ACQUISITION RANGE FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq. $\rm II/SR-I/5-81/7881$ .—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2307 situated at Chhatta Punjabian, Teliwura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on May 1981

persons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now<sub>i</sub> therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Sh. Abdul Aleem, Advocate R/o 1818 Chabuk Sawaran. Lal Kuan, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Badri Nath Arora S/o L. Uttam
  Chand Arora R/o 12/12 Rajinder Nagar, New
  Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Ground Floor Property No. 2307 Chhatta Punjabian, Teliwara. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 11-1-82

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7864.---Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-34 situated at Vill, Bassai Darapur,

Delhi State, Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beent truely stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sh. Madan Behl Woo Joglader Singh, Behl R/o A-34, Rajourl Garden, New Delhi. (Transferor)
  - (2) Sh. M. K. Arora S/o L. Sh. Lal Chand R/o B-3/16, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. A-34, Rajouri Garden Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi,

> SMT. VIMAL VASISHT, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 11-1-82

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-81/7915.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o f1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

XII/4469, 4471, 4478-79, situated at Katra Imliwala, Aryapura. S/Mandi, Delhi 4183-84, 4487 to 4489 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excepts the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satya Wati W/o L. Ram Parkash D/o Shiv Mohan, 16, Jaina Bldg. S/Mandi, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Om Parkash S/o Budha Ram & others Kt. Imliwala Arya Pura, S/Mandi, Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Nos. X11/4469, 4471, 4478-79, 4183-84, 4487 to 4489, Kt. Imliwala, Aryapura, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated: 11-1-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7853.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3170 to 3172 situated at Buzar Sita Ram, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ? hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Behari Gupta S/o L. Pyara Lal R/o 16/B Kalindi Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Krishan Murari Gupta S/o L. Pyarey Lal R/o 3170, Lal Darwaza, Bazar Sita Rum, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 3170 to 3172, Ground & II Floor Bazar Sita Ram, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 11-1-82

### FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE

G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7859.—Whereas, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. G/A-/5, situated at Vill. Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ranjana Devi W/o Jai Parkash Bhardwaj R/o 29-B, Gopal Nagar, Azadpur, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Santosh Vir S/o Sukh Lal R/o 4227 Aryapura, S/Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. G/A/5, Vill. Azadpur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 11-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FIOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No.  $1\Lambda C/Acq.\Pi/SR-I/5-81/7895$ .—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

15A/9 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi on May 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the restriction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. P. K. Behl S/o I. Sh. Peshawari Lal Behl R/o 15A/9 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Gurdeep Singh Sehgal S/o L. S. Bhagat Singh Sehgal R/o No. 61/6, Old Rajinder Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 15A/9, East Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 13-1-82

leal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

G-13 GROUND ACQUISITION RANGE F100R CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-81/7890.—Whereas, I. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

631 & 1/2 situated at Gali Ghanteshwar, Kt. Neel, Ch. Ch. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act. to the following persons, namely:—

34-446GI/81

- (1) Sh. Lalita Pd. S/o Jawala Pd. R/o D-3, Bhagwan Dass Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Ved Parkash S/o Janardan Pd.
  R/o 4/44, Subhash Gali, Shahdara, Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 631 & 1/2 of H. No. 632 Gali Ghanteshwar, Kt. Necl, Ch. Ch. Delhi.

SMT, VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II New Delhi.

Dated: 11-1-82

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 13th January 1982

Ref. No. IAC/Acq.H/SR-I/5-81/7851.—Whereas, I,

VIMAL VASISHT.
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Mpl. 2322 to 2324 situated at Bahadurgarh Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registeriny Officer at
on May 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Man Mohan Batra S/o Inder Raj Batra R/o 8/52, Punjabi Bagh, Delhi.
- (2) Sh. Kharoiti Lal S/o Kundan Lal R/o 1486 Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Mpl. No. 2322 to 2324, Bahadurgarh Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delht.

Dated: 13-1-82

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1982

Ref. No. AR-II/3187-7/May, 81.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing S. No. 4, CTS 41 of Kanhari situated at Borivli

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-5-1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

(1) Mr. Nusli Neville Wadia & Others

(Transferor)

(2) Mr. Mansukhlai Chhaganlai Mehta

(Transferee)

(3) 1. Smt. Dhanlaxmi Mancklal Dave

2. Smt. Godavari Narmadashankar Dave 3. Shri Abanidas Gupta

4. Smt. Dayakuverben M. Kamdar

5. Smt. Bharatiben Bhavarlal Shrimali

6. Shri Suryakant Bhibhai Mehta 7. Shri Maganlal Virchand Ghelani 8. Shri Lalubhai Khushaldas Panchal

9. Shri Shikhabhai Khatsibhai Mehta 10. Shri Mafatlal K. Shah

Shri Kirshanswaroop
 Smt. Yeshodaben Sitaram Prabhu
 Shri Kanjibhai Chawda

(Ptrson in occupation of the property)

(4) Same as above

(Person in occupation of the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-567/81 and as Registered on 8-5-1981 with the sub-Registrar of Bombay.

> SUDHAKAR VERMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Bombay

Date: 7-1-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1982

Ref. No. AR-I/4558-2/81-82.—Whereas, I SUDHAKAR **VERMA** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair value exceeding market Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 791 (Pt.) & 1/853 of Malabar & Cumbala Div. situated at Mahalaxmi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-5-1981 document No. Bom. 2060/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Pushpa Kumar Madhavji Thackersey 2. Pradyumia Madhavji Thackersey 3. Ranna P. Thackersey 4. Bhavambi P. Thackersey

  - 5. Maliram Mittal 6. Brahmadutt Mittal

(Transferor)

- (2) Damodar Bhuvan Premises Co-Op. Society Ltd. (Transferee)
- (3) -do- Members.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2060/79 and as Registered on 27-5-1981 with the Sub-Registrar of Bombay.

> SUDHAKAR VERMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1982

### FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1982

Ref. No. AR-1/4563-5/81-82.--Whereas, I SUDHAKAR VERMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 485 of Mandyi Division situated at Nagdevi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 17-6-1981 document No. Bom. 2846/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor e,inpur shrdlu cmfwvp shrdlu shrdlu shrscv Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Manubai Tayebjee 2. Zoeb Tayebjee
  - 3. Rashida Tayebjee 4. Nafisa Tayebjee
    - 1/R of Tayebjee Nooruddin/Zoomkhawala.
      (Transferor)
- (2) Nagindas J. Shah Family Trust. Noorodin Shaikhadam

(Transferee)

(3) Nagindas J. Shah.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 2846/80 and as Registered on 17-6-1981 with the Sub-Registrar of Bombay.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1982

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th January 1982

Rcf. No. AR-11/3189-3/May/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS, No. C/583 Plot No. 167 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the groperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the tail instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Domnic Joseph Marie

(Transferor)

(2) Ivan Victor Mendonca

(Transferee)

(3) -do-

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. 632/1479 and as Registered on 22-5-1981 with the Sub-Registerar of Bombay.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-1-1982

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1982

Ref. No. A.P. No./2994.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that hie immovable property, having a fair market value exceeding,

As per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described, in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shrimati Usha Devi W/o Raja Harmindra Singh R/o Kapurthala through Sh. Brijindra Singh 2). Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Swaranjit Dhawan R/o Dhawan Hospital Kapurthala. (Transferce)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 461 of May, 1981 of the Registering Authority Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullandur

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1981

G. I. R. No. R-164/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-138 situated at Kutubpur Iradat Nagar Housing Scheme (Nirala Nagar) Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-7-1981

for an apparent consideration which less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Lagorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Shri Prem Chandra Agnihotri

(Transferor)

(2) Shri Rajneesh Kumar Suri

(Transferee)

(3) Shri Rajneesh Kumar Suri

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-138, measuring 9600 sq. ft. situate at Kutubpur Iradat Nagar Housing Scheme (Nirala Nagar), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4917 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 22-7-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1981

G. I. R. No. Y-7/Acq.—Whereas I A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B19 situate at Sector-A, Mahanagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), luss been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-6-1981

lor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-446GI/81

- (1) Smt. Sita Ual Through her attorney, Smt. Shanti Sinha (Transferor)
- (2) Smt. Yashindra Padmanab

(Transferce)

(3) Smt. Yashindra Padmanab (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Leasehold plot bearing No. B-19, measuring 13328 sq. ft. situate at Sector-A, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4338 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-6-1981,

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 16-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG.

Lucknow, the 23rd December 1981

G. I. R. No. N-39/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situate at Bank Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 203D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Tondon

(Transferor)

- (2) M/s. Nimna Evam Madhyam Vargiya Sahkari Avas Samif' Limited, Allahabad, Through its Secretary, Shri Shyam Lal (Transferee)
- (3) Smt. Rani Tondon (As per 37G Form)
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bunglow No. 15, including building and land situate at Bank Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 2300 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 23-12-1981

Scal:

į

### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

G. I. R. No. N-37/Acq.—Whereas J, VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 115 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situate at Ram Narain Lal Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Rani Tondon

(Transferor)

(2) M/s. Nimn Evam Madhyam Vargiya Sahkari Avas Samiti Limited, Allahabad, Through its Secretary, Shri Shyam Lal

(Transferec)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of property No. 15, situate at Ram Narain Lal Road, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 2349 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 30-12-1981

(1) Shri Vimal Gupta

(Transferor)

(2) M/s. Nimna Evam Madhyam Vargiya Sankari Avas Samiti Limited, Allahabad, Through its Secretary, Shri Shyam Lal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Shri Vimal Gupta (As per 37G Form)
(Person in occupation of the property)

may be made in writing to the undersigned-

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 23rd December 1981

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

G. I. R. No. N-38 Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

No. 97 and 98 satuated at Mohalla-Lukerganj, Allahabad

1908) in the Office of the egistering Officer

transfer with the object of :--

at Allahabad on 19-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House No. 97 and 98 including building and land situate at Mohalla-Lukerganj, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G No. 2334 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 19-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 23-12-1981

Soal:

#### FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

G. I. R. No. N-41/Acq.-Whereas I, VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Arazi No. 273 situated at Village-Tulsipur, Parg-Dehat Ama-

nat, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incesse or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Shri Jogendra Nath Mehra

(Transferor)

(2) M/s. Navodit Sahkari Avas Samiti I imited Through its Secretary, Shri Bhubneshwar Prasad R/o CK-65/190, Bari Peari, P.O. Bisesarganj, Varanasi.

(Transferee)

(3) Above transferor (as per 37G form) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice · in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Entire settlement plot No. 273 admeasuring .28 decimals i.e. 12,208 sq. ft. situate at village & Mauza-Tulsipur, Pargam-Dehat Amanat. District—Varanusi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3920 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 26-3-1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, J.UCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

G. I. R. No. N-40/Acq.—Whereas I. VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bandobasti No. 261, 167, 170, 271, 272 & 266 situated at Mohalia-Tulsipur, Pargana-Debat Amanat, Varanasi

Mohalia-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Laxmi Nagar

(Transferor)

- (2) Navodit Sahkari Avas Samiti Limited Varanasi R/o CK 65/190, Badi Piari Varanasi Through Shri Suresh Singh—President.
- (3) Above transferor (As per 37G form) (Transferee)

(Person in occupation of the property)

- Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The entire plots bearing Bandobast Nos. 261, 266, 267, 270, 271 and 272 measuring 73397 sq. ft. situate at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Distr. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G No. 16 of 1981, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 26-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

G. I. R. No. B-96/Acq.—Whereas I VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13, area 4855 sq. ft, situated at Vill-Sheopurwa, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varenasi on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri Lakshmi Kant Gupta

(Transferor)

(2) M's, Bandhugan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Regd. Office at H. No. CK-65/173, Mohalla—Bari Peari, Varanasi Through its Secretary, Shri Suresh Chand Lal Srivastva

(Transferce)

(3) Above transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Layout plot No. 13 admeasuring 4855 sq. ft, of settlement plots No. 242 and 243 situate at village-Sheopurwa, Pargana-Dehat Amanet, Distt.—Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3708, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 16-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. B-97/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 14,

situated at Village-Sheopurwa, Varanasi

(and more fully described in the chedule annexed hereto) has been transferred under the Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Aruna Gupta.

(Transferor)

(2) M/S. Bandhu Gan Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, R/o. CK-65/173, Bari Peari, Varanasi Through its Secretary, Shri Suresh Chand Jal Srivastava.

(Transferce)

(3) Above transferor.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Entire layout plot No. 14 admeasuring 5645.5 sq. ft. settlement plot No. 242 and 243, situate at Village-Sheopurwa, Pargana Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3709, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 16-5-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Luckrow

Date : 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. B-98/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 12,

situated at Village-Sheopurwa, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesiad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
36—446G1/81

(1) Shri Kirti Kant Gupta.

(Transferor)

- (2) M/s. Bandhugan Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, Regd. Office at H. No. CK-65'173, Mohalla Bari Peari, Varanasi Through its Secretary, Shri Suresh Chand Lal Srivastava.
- (Transferce)
  (3) Above transferor.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Layout plot No. 12 admeasuring 5845.5 sq. ft. of settlement plot No. 42 and 43, situate af village Shivpurwa, Pargana Dehat Amanat, Distt. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3710, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 16-5-81.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. B-99/Acq.--Whereas I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing khasra No. 307

situated at Village Bhadaura, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 15-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

S/Shri

(1) 1. Haji Abdul Wahab. 2. Smt. Iffat, Jahan Alias Smt. Achhi Bibi.

3 Abdul Musawir and

4. Abdul Wasir,
Minor sons of Shri Abdul Wadood. Through Attorney, Haji Abdul Wahab.

Smt. Anisa Khatoon.

6. Km. Noore Sahar. 7. Km. Mushat Yasin.

8. Abdul Azim
9. Abdul Wasim and
10. Abdul Wasit (Minor sons of Abdul Kaddoos) All residents of Mohalla Khokhran, Moradabad.

(Transferor)

(2) 1. Banarsi Lal.

2. Awtar Krishna Malhotra.

3. Mohammad Haroon.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2784.06 sq. mtrs. (2.39 decimals) at Khasra No. 307, Khata Khatauni No. 18, situated at village Bhadaura, District Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the deed and form 37G No. 2425, which have duly registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Lucknow

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. M-130/Acq.—Whereas 1, VINOD KUMAR.

being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

273, situated at Mohalla Rani Mandi, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mushtaq Ahmad,

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohd. Nafis.

2. Shri Abdul Rashid Alias Bahar.

(Transferee)

(3) Above transferee and Tenants: S/Shri

Ramzan.

Mohdi Nafis.
 Shakil Ahmad and

Shahzade.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the seid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 273 including building and land, situated at Mohalla Rani Mandi, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2238, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 7-5-1981.

VINOD KUMAR Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. R-166/Acq,-Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Vyas Villa

situated at Malli Tal, Distt. Namital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 27-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

S/Shri

- (1) 1. Ramesh Kumar Verma. 2. Naresh Kumar Verma.

  - Mahesh Kumar Verma.
     Durgesh Kumar Verma.

5. Suresh Kumar Verma.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Verma. 2. Shri Atul Verma 3. Smt. Shakuntala Verma.

- 4. Smt. Geeta Verma.

(Transferce)

(3) Above transferees.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storeyed house "VYAS VILLA" together site and appurtenant lands including outhouses, situated at Fonkey Road, Mallital, Distt. Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 319, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nainital, on 27-5-1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-12-1981

\_\_\_\_\_

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTΛ-700 016

Calcutta-700 016, the 20th November 1981

Ref. No. AC-64/Acq. R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Purbapally, Dist. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burdwan on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Labyana Chowdhury. Smt. Sibani Chowdhury. Smt. Banani Chowdhury, r/o Baranilpur Road, Purbapally, P.S. & Distt. Burdwan.

(Transferor)

(2) Shri Haradhan Banerjee s/o Sii Probodh Chandra Banerjee, Baranilpur Road, P.S. & Distt. Burdwan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underligued—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 08½ satak with building.
situated at Mouja Balidanga, Purbapally, Baranilpur Road,
P.S & Dist. Burdwan.
P.S & Dist. Burdwan.
Deed No. 1863 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor),
Calcutta-700 016

Date: 20-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700 016

Calcutta-700 016, the 20th November 1981

Ret. No. AC-65 Acq. R. IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Mouza Balidanga, Dist. Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi, Burdwan on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Labyana Chowdhury, Smt. Sabita Chowdhury, Sm. Banani Roy, Purbapally, Baranilpur Read, P.S. & Distt. Burdwan.
- (2) Sri Krishna Gopal Banerjee s o Shri Haradhan Banerjee, Purbapally, Baranilpur Road, P.S & Distt. Burdwan

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same intaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

 Land .081 Satak with building, situated at Mouza Balidanga, Purbapally, Baranilpur Road, P.S. & Dist, Burdwan, Deed No. 1901 of 1981.

K. SJNHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor),
Calcutta-700 016

Date: 20-11-1981

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700 016

Calcutta-700 016, the 14th December 1981

Ref. No. AC-70, Acq. R-1V/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33/2, situated at Nabin Senapati Lonc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Howrah on 27-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sabita Banerjee, 11, Ban Behari Babu Road, Howrah-1.

(Transferor)

(2) Smt. Sabita Rani Sengupta, 35, Nabin Senapati Lane, Howrah-L.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land=2K 6ch 42 sft. with building. Address 33/2 & 33/3, Nabin Scnapati Lone. P.S. Howrah, Howrah-I. Deed No. 2716 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisinon Range-IV.
5d. Rati Ahmed Kidwai Road (2nd floot),
Calcutta-700 016

Date : 14-12-1931

(1) Dr. Chitta Ranjan Raha.

(Transferor)

(2) Dr. Jyotirmoy Mazumder.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 21st December 1981

Ref. No. 993/Acq. R-III/81-82.—Wheteas I, I, V. S. IUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-111, situated at Regent Estate, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3 K 10Ch 37 Stt. together with building being premises No. P-111, Regent Estate, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-12-1981

Scal:

## FORM ITNS-----

(1) Dr. Chittaranjan Raha.

(Transferor)

(2) Sm. Binapani Mazumder,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 21st December 1981

Ref. No. 994/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-111, situated at Regent Estate, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 15-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—446GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3 K 2 Ch 36Sft. 3 K 2 Ch 36 Sft. together with building being premises No. P-111, Regent Estate, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-12-1981

NS (1) Smt. Protima Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Subhas Ch. Chowdhury.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IN, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 21st December 1981

Ref. No. 995/Acq. R-III/81-82.--Whereas I, 1, V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

178, situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 K 15 Ch 24 Sft. with building being premises No. 178, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-12-1981

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Hari Gopal Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ajit Kr. Mukherjee & Sm. Aloka Mukherjee.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 6th January 1982

Ref. No. 999/Acq. R-III/81-82.—Whereas I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

69/1, situated at Purnadas Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/7th share of the house property being premises No. 69/1, Purnadas Road, Calcutta containing an area of 7 K 1 Ch 42 Sft.

M. AHMED
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 6-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-700016

Calcutta, the 7th January 1982

Ref. No. AC-43/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 72, Block-'B' Patipukur Township Luke Town, Calcutta-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Cossipore, Dum Dum on 26-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mana Mitra,
 13A, Balaram Ghosh Street,
 P/No. II, Calcutta-4.

(Transferor)

(2) Sh Sushil Kr. Mallick & Ors., 288/3, Acharya Prafulla Ch. Road, P.S. Narikeldanga, Calcutta-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 4 Ks. 2 Sq. ft. at Patipukur Township. Plot No. 72, Block-B, P.S. Lake Town, Calcutta-5. More particularly described in deed No. 5589 dt. 26-5-81 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 7-1-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-700016

Calcutta, the 7th January 1982

Ref. No. AC-44/R-II/Cal/81-82.---Whereas I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 28/8, Chanditala,

situated at Main Road, Behala, 24-Pargs

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jt. S. R. Alipore at Behala on 11-5-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kalyani Ganguli,
 w/o Narendra Nath Gauguli,
 17B, Lake View Road,
 Calcutta-29.

(Transferee)

(2) Sri Timir Baran Ghosh, 4A, Bampas Road, Calcutta-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area: 5K (with Bldg.) at 28/8, Chanditola Main Road, P.S. Behala, Calcutta-41. More particularly described in deed No. 1549.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 7-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 26th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2973.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Ambala Jattan, Teh. Hoshiarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhunga in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Bhag Singh S/o Mehar Singh Vill. Ambala Jattan Distt. Hoshiarpur.
  - (Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh S/o Hardial Singh, and Smt. Bakhshish Kaur R/o Vill. Ambala Jattan Distt. Hoshiarpur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 170 of May 1981 of the Registering Authority, Bhunga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 26-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2974.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Abohar Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Om Parkash Munjal S'o Shri Khem Chand R/o Gali No. 12, Abohar Now House No. 267 Sector-11-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Ajay Kumar S/o Shri Gobind Ram R/o House No. 944, Gali No. 2, Mandi Abohar.
  - (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 874 of May 1981 of the Registering Authority, Abohar.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-12-1981 Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 30th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2975.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Sukhera Basti. Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raj Bakhash S/o Hasmat Rai R/o Sukhera Basti, Abohar.
  - (Transferor)
- (2) Shri Madan Lal, Jai Lal, Gurcharan Dass SS/o Shri Banwari Lal R/o Sukhera Basti, Mandi Abohar.
  - (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the underslaned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1051 of May 1981 of the Registering Authority. Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 30-12-1981

#### FORM TENS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 4th January 1982

Ref. No. A.P. No. 2984.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kaleran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

38—446GI/

- Shri Karnail Singh S/o Shri. Lal Singh Vill. Kaleran Sub-Teh. Banga.
  - (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh Urf Mohan Singh S/o Shri Chain Singh R/o Vill. Kaleran, Sub-Teh. Banga. Now 114-A, Pergeter St., Walsall, West Midland, England.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 238 of May 1981 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 4-1-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th January 1982

Ref. No. A.P. No. 2985,-Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Kaleran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Banga in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Kalaran (1) Shri Kurnail Singh S/o Lal Singh Vill. Sub-Teh. Banga. (Transferor)
- (2) Shrimati Balbir Kaur W/o Shri Ajit Singh Urf Mohan Singh R/o Vill. Kalaran Sub-Teh. Banga Now 114-A, Pergeter St., Wulsall West Midland, England. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 292 of May 1981 of the Registering Authority, Banga.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Datc: 4-1-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th January 1982

Ref. No. A.P. No. 2986.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Sandhwan, (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga in May 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh S/o Bhagwan Singh R/o Vill. Sandhwan Sub-Teh. Banga.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh, Tarsem Singh, Kulwant Singh, Sukhdev Singh SS/o Swaran Singh R/o Vill. Sandhwan Sub-Teh. Banga.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 200 of May 1981 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-1-1982

#### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961, (43 OF 1961):

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2976.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at v. salarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration: Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax and Smt. Jito & Rajwant Kaur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

- (1) Shri Mohinder Singh, Jit Singh Ss/o Jagat Singh and Jito & Rajwant Kaur. Ds/o and Smt. Bal Kaur Wd/o Sh. Jagat Singh R/O V. Salarpur Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh, Sardara Singh Ss/o Singh and Naranjan Singh, Mangal Singh Singh ss/o Darshan Singh and Gurmukh Singh, Gurmit Singh, Makhan Singh & Dalbir Singh ss/o Piara Singh R/O v. Salarpur, teh. Jullundur.
- (Transferce) \*(3) As a no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the Property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said: property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Chazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration ask deed No. 949 of the Registering Authority, Jullundur of dated May, 1981.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82.

## FORM. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2977.—Wheeras, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (42, of, 1964) (hereinafter referred to as the said Act!), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jamsher

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surjit Singh, Joginder Singh, Balbir Singh & Baldev Singh Ss/o Sh. Charan Singh and Smt. Tej Kaur Widow and Smt. Chhindo D/o Sh. Charan Singh R/O Vill. Jamsher, Tehsil Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Sh. Ajit Singh, Gurdip Singh & Harbhajan Singh Ss/o Sh. Joginder Singh R/O V. Bambian Wali, Teh. Jullundur.

(Transferce)

- \*(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1186 of May, 81 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82,

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2978.—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Noli and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on May, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaidexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hazara Singh S/O Sh. Nama Resident of Vill. Noli Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Jito & Manjit Kaur D/o Sh. Hazara Singh R/O V. Noli Teh. Jullundur.

(Transferce)

- \*(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the Property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1197 of May, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2979.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Pakhi Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dogar Singh S/O Sh. Sawan Singh R/O V. Pakhi Kalan, Tehsil Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Kashmir Singh, Resham Singh Ss/O Sh. Mukhtiar Singh R/O V. Pakhi Kalan, Tch. Faridkot.
  (Transferee)
- \*(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nervin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 683 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82.

Scal;

(Transferor)

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2980.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Pakhi Kalan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Shri Dogar Singh S/O Sh. Sawan Singh R/O V. Pakhi Kalan, Tehsil Faridkot.
- (2) Shri Bikar Singh, Amrik Singh Ss/o Sh. Mukhtiar Singh R/O V. Pakhi Kalan, Teh. Faridkot.
  (Transferee)
- \*(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the Property. (Person whom 'the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 684 of May, 1981 of the Registering Authority, Farldkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82.

FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Junllundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No. 2981.—Whereas, J, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bucho Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nathana on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—49—446GI/81

- (1) Shri Chand Singh S/o Sh. Kapur Singh R/O Sema Teh. Nathana, Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Bhag Singh S/o Jangi Singh R/O V. Govindpura, Teh. Nathana, Distt. Bhatinda and Sadhu Singh S/o Jhanda Singh R/O V. Govindpura Teh. Nathana, Distt. Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 329 of May 1981 of the Registering Authority, Nathana.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82,

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No. 2982.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bucho Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of; —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwan Singh S/o Sh. Kapur Singh R/o V. Sema Teh. Nathana, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Sant Singh & Tej Singh S/o Canga Singh R/O V. Gobindpura, Teh. Nathana Distt. Bhatinda. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 330 of May, 1981 of the Registering Authority, Nathana.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82.

Seal;

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 2nd January 1982

Ref. No. A.P. No./2983.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Singh S/O Avtar Singh R/O Pucca Kalan, Distt. Bhatinda.
- (2) Shri Harminder Singh S/O Haqik Singh R/O Kot Bhara, Distt. Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed no. 1272 of May, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 2-1-82,

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th January 1982

Ref. No. A.P. No./2987.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Usha Rani wife of Sh. Romesh Kumar C/O M/S Dip Chand Vijay Mohan, Ram Bazar, Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shrimati Neelam Rani Wife of Sh. Vijay Mohan C/O M/S Dip Chand Vijay Mohan, Ram Bazar, Muktsar Distt, Faridkot.

(Transferee)

- As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acculation of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 520 of May. 1981 of the Registering Authority Muktsar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-1-82.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th January 1982

Ref. No. A.P. No./2988.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Sadak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t.) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Budh Singh S/O Sh. Karnail Singh R/O V. Sadak Teh. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar, Vijay Kumar & Darshan Lal Ss/O Bishan Lal r/o V. Sadek Teh. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 502 of May, 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Jullundur

Date: 4-1-82.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1982

Ref. No. A.P. No./2989.-Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Allarhwal, Teh. Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Karnail Singh S/o Shri Lal Singh R/o Vill, Kaleran, Sub-Teh, Banga.

(Transferor)

(2) Shri Mandip Singh, Jasvir Singh SS/o Sh. Ajlt Singh Urf Mohan Singh Vill, Kaleran Teh. Banga. Now: 114-A, Pergeter St., Walsall, West Midland. England.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the Property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 337 of May, 1981 of the Registering Authority. Banga.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date : 5-1-82. Seal :

#### FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THL INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1982

Ref. No. A.P. No./2990.—Whereas, I, R. GIRDHAR, boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Dan Singh Urf Devika W/O Sh. Brijindra Singh R/O Kapurthala through Sh. Brijindra Singh R/O 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal S/o Mulakh Raj, and S/Sh. Satish Kumar, Sudesh Kumar, Kamlesh Kumar SS/O Sh. Sat Pal R/O Kishor Market, Kapurthala.

(Transferee)

\*(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any. to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale sale deed No. 434 of May, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-1-1982.

#### FORM I.T.N.S .- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th January 1982

Ref. No. A.P. No./2991.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Dan Singh Urf Devika W/O Sh. Brijindra Singh R/O Kapurthala through Sh. Brijindra Singh R/O 27-Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh S/o Lala Rmar Nath R/o Near Jalao Khana, Kapurthala.
  - (Transferee)
- \*(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the Registration sale sale deed No. 458 of May, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 5-1-1982.